www.tamsasanket.com
वर्ष: 29 || अंक 165 || अम्बेडकरनगर
सोमवार
07 सितम्बर 2026 || पृष्ठ: 08 || मूल्य: ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव

दैनिक तमसा संकेत

https://epaper.tamsasanket.com
अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदय: 05:47
सूर्यास्त: 06:20
अधिकतम: 30°00
न्यूनतम: 26°00

पेज 07

विशेष समाचार: समंदर की उफनती लहरें और... » पेज 04 | यातायात पुलिस ने 213 वाहन... » पेज 06 | बिपाशा बसु ने प्रेग्नेंसी के बाद ट्रोलिंग...

50 साल पुरानी इमारत धराशायी

दिल्ली में बड़ा हादसा, 5 की मौत, 50 से ज्यादा लोगों के फंसे होने का दावा

हादसा

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के सत्य निकेतन इलाके में रविवार को एक 5 मंजिला बिल्डिंग गिर गई। इसमें 5 स्टूडेंट्स की मौत हो गई। वहीं, 3 गंभीर रूप से घायल हैं। जो इमारत गिरी वो 40-50 साल पुरानी थी। बिल्डिंग में हॉस्टल चलता था। चश्मदीदों के मुताबिक हादसे के वक्त छात्र कमरों में थे और बेसमेंट में खुदाई चल रही थी। 9 का रेस्क्यू कर लिया गया है। बताया जा रहा है कि बिल्डिंग में 20-25 कमरे थे और हर कमरे में 2 स्टूडेंट्स रहते थे।

» (शेष पेज 06 पर)

- 40-50 साल पुरानी इमारत में चल रहा था हॉस्टल
- बेसमेंट में खुदाई के दौरान बिल्डिंग गिरने की बात सामने आई
- बिल्डिंग मालिक आनंद बंसल पर मुकदमा दर्ज

10 साल में अवैध निर्माण के 76 हजार से ज्यादा मामले

दिल्ली में 2015 से 17 मार्च 2025 के बीच MCD के 12 जोन में 76,465 अवैध निर्माण के मामले दर्ज हुए। इनमें सिर्फ 35,842 मामलों में कार्रवाई शुरू की गई। इस दौरान 11,903 संपत्तियां सील की गईं, लेकिन सिर्फ 683 को दोबारा खोला गया।

1:30 बजे दोपहर सत्य निकेतन में पांच मंजिला बिल्डिंग ढही

अवैध निर्माण के खिलाफ शिकायत और कार्रवाई की प्रक्रिया

- लोग अवैध निर्माण के खिलाफ अपनी शिकायत 311 ऐप, वेबसाइट या जोनल ऑफिस में दर्ज करा सकते हैं।
- इन शिकायतों की जांच फील्ड इंस्पेक्शन या दस्तावेजों की वेरिफिकेशन के जरिए की जाती है।
- दोषी पाए जाने पर डिफॉल्टरों को नोटिस दिया जाता है और DMC एक्ट के तहत कार्रवाई की जाती है।
- तोड़-फोड़ या सीलिंग के बाद इसकी जानकारी लोकल पुलिस को दी जाती है।
- अगर सील टूटी हुई पाई जाती है, तो FIR दर्ज की जाती है।

मलबे से रेस्क्यू युवक को ले जाती एनडीआरएफ टीम। रविवार होने के चलते ज्यादातर छात्र बिल्डिंग में ही मौजूद थे।

एम्स ट्रॉमा सेंटर में 7 घायल भर्ती

दिल्ली के सत्य निकेतन में इमारत गिरने के बाद 7 लोगों को एम्स ट्रॉमा सेंटर और 1 को सफदरजंग अस्पताल ले जाया गया।

एम्स ट्रॉमा सेंटर के मुताबिक, वहां लाए गए लोगों में से 2 को मृत घोषित कर दिया गया। यह जानकारी दिल्ली विधानसभा में AAP विधायक जरनैल सिंह के सवाल के जवाब में दी गई।

हालांकि, MCD अधिकारियों का कहना है कि हर शिकायत सही नहीं होती।

भाजपा विधायक अनिल शर्मा ने कहा, "यह बेहद दुखद घटना है। इससे ज्यादा दुखद कुछ नहीं हो सकता। अलग-अलग जगहों से छात्र यहां पढ़ने आते हैं और इस इमारत में पीजी में रहते हैं। इमारत गिर गई है।

आदित्य एआरएसडी कॉलेज में बी.कॉम के छात्र हैं।

युवराज मोती लाल नेहरू कॉलेज में पढ़ें हैं।

राहुल गांधी और अरविंद केजरीवाल ने सरकार पर सवाल उठाए

- **राहुल गांधी:** दिल्ली के सत्य निकेतन में इमारत ढहने की खबर बेहद दर्दनाक और चिंताजनक है। कॉलेज या विश्वविद्यालय में अच्छे हॉस्टल न होने के कारण छात्र PG में एक छत के नीचे 40-40 की संख्या में, अमानवीय परिस्थितियों में रहने को मजबूर हैं।
- **अरविंद केजरीवाल:** मेरी भगवान से प्रार्थना है कि मलबे में फंसे लोगों का सकुशल और जल्द रेस्क्यू हो जाए। दिल्ली में सरकार की लापरवाही के कारण अब तक कई हादसे हो चुके हैं। सरकार को नींद से जागना होगा।

मेरे सम्मानित प्रदेशवासियों,

अभी 5 सितंबर को शिक्षक दिवस पर मुझे राष्ट्र निर्माण की नींव रखने वाले 81 गुरुजनों को सम्मानित करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। **शिक्षक वह दीप हैं, जो ज्ञान का प्रकाश फैलाकर आने वाली पीढ़ियों का मार्ग प्रशस्त करते हैं।** इसी ज्ञान के विस्तार और प्रत्येक व्यक्ति को सशक्त बनाने की दिशा में 8 सितंबर को हम अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस मनाएंगे।

हमारे बच्चे विद्यालय क्यों जाते हैं? केवल पढ़ना-लिखना सीखने के लिए? जी नहीं, हमारा उद्देश्य बच्चों को ज्ञान, संस्कार, अनुशासन, आत्मविश्वास एवं जीवन को सही दिशा देने वाली समझ देना है। **हमारी प्राचीन भारतीय ज्ञान परंपरा में गुरुकुल इसी समग्र शिक्षा के केंद्र रहे हैं,** जहां ज्ञान के साथ जीवन मूल्यों और दायित्वबोध की शिक्षा भी दी जाती थी। यही भाव आज भी हमारी शिक्षा का आधार होना चाहिए। ज्ञान तभी सार्थक है, जब वह जीवन को सरल बनाए और समाज के लिए उपयोगी बने।

आज तकनीक तेजी से हमारे जीवन को बदल रही है। **ऐसे में डिजिटल साक्षरता के साथ एआई साक्षरता भी समय की आवश्यकता है।** AI, डीप-टेक और उभरती प्रौद्योगिकी शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, उद्योग और रोजगार के नए अवसर खोल रहे हैं। हमारी सरकार परंपरागत ज्ञान को आधुनिक विज्ञान, तकनीक, नवाचार और कौशल से जोड़ रही है। **लखनऊ में AI City और कानपुर में ड्रोन एवं UAV तकनीक का विकसित होता पारिस्थितिकी तंत्र उत्तर प्रदेश के तकनीकी भविष्य की नई संभावनाओं का आधार बन रहा है।**

इसी दिशा में हमारी सरकार ने **ऑपरेशन कायाकल्प, मिशन प्रेरणा, मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना और कौशल विकास कार्यक्रमों** के माध्यम से शिक्षा की गुणवत्ता, विद्यालयी सुविधाओं, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी और युवाओं के कौशल विकास पर विशेष ध्यान दिया है। इन प्रयासों का परिणाम है कि प्रदेश के विद्यालयों में ड्रॉपआउट दर को न्यूनतम करने की दिशा में महत्वपूर्ण सफलता मिली है और अधिक से अधिक बच्चे शिक्षा की मुख्यधारा से जुड़ रहे हैं।

इस पूरी यात्रा में शिक्षक सबसे महत्वपूर्ण कड़ी हैं। वे विद्यार्थियों में संस्कार, जिज्ञासा, अनुशासन, आत्मविश्वास और दायित्वबोध जगाते हैं तथा हमारी गौरवशाली ज्ञान-परंपरा को आधुनिक ज्ञान और नवाचार से जोड़ते हैं।

लेकिन साक्षरता का संकल्प समाज के सहयोग के बिना पूरा नहीं हो सकता। **यदि आपके आसपास कोई व्यक्ति अक्षर ज्ञान से वंचित है, तो उसे साक्षर बनाना हम सभी का कर्तव्य है।** किसी को पढ़ना-लिखना सिखाने का छोटा-सा प्रयास उसके जीवन में ज्ञान, आत्मविश्वास और अवसरों के नए द्वार खोल सकता है।

आइए, इस अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस पर संकल्प लें कि **हर बच्चा विद्यालय पहुंचे, हर विद्यार्थी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पाए, हर युवा कौशल और नवाचार से जुड़े तथा हर नागरिक साक्षर होने के साथ डिजिटल ज्ञान और एआई के प्रति जागरूक बने।**

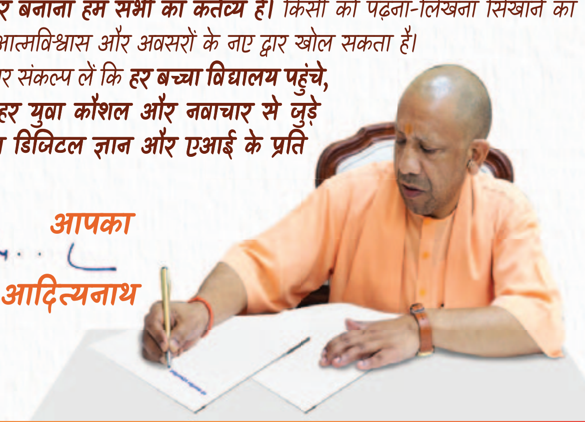

आपका
योगी आदित्यनाथ

तमसो मा ज्योतिर्गमय

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश
UPGovtOfficial | CMOUttarpradesh | CMOfficeUP

फास्ट न्यूज

शिवसेना नेता ने हॉस्पिटल कर्मचारी को थप्पड़ मारा

पालघर। महाराष्ट्र के पालघर में शनिवार रात शिंदे गुट की शिवसेना के पदाधिकारियों पर रिलीफ हॉस्पिटल में डॉक्टरों और कर्मचारियों से मारपीट का आरोप है।

एक शिवसेना नेता ने कर्मचारी को थप्पड़ मार दिया। कुछ लोग ICU में भी घुसे और नर्स को धमकाया।

सीजेपी कार्यकर्ता ने घर पर पत्थर फेंकने का आरोप लगाया

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी कार्यकर्ता नीशू आजाद ने आरोप लगाया कि कुछ लोग उनके घर को घेर रहे हैं और घर पर पत्थर और ईंटें फेंकी गईं। नीशू ने इसको लेकर शनिवार रात को सोशल मीडिया में वीडियो जारी किया। एक वीडियो में उन्होंने कहा, "अगर मेरे माता-पिता को कुछ हो गया तो इसकी जिम्मेदारी किसकी होगी?" दरअसल, जंतर-मंतर प्रदर्शन के दौरान उनके पिता संजय आजाद से मारपीट के मामले में कंटेंट क्रिएटर स्वातंत्र भारद्वाज की गिरफ्तारी शनिवार को हो चुकी है।

जेएनयू में प्रोफेसर पर यौन उत्पीड़न का आरोप

नई दिल्ली। दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी (JNU) के 11 छात्रों ने एक प्रोफेसर पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाए है। मामला मई के पहले हफ्ते में हुए वाइवा एग्जाम का है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, प्रोफेसर ने वाइवा के दौरान स्टूडेंट्स से सेक्सुअल कमेंट किए। मई के दूसरे हफ्ते में एक छात्रा ने छात्रों के अनऑफिशियल वॉट्सएप ग्रुप में प्रोफेसर के कमेंट की जानकारी दी।

एमपी में जहरीली शराब से 2 दिन में हुई 11 मौतें

सागर में आबकारी-पुलिस विभाग के 5 अधिकारी सस्पेंड

- सभी शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए बंडा सिविल अस्पताल लाया गया है। कलेक्टर ने भी अस्पताल पहुंचकर जानकारी ली।
- करीब 35 लोगों को अस्पताल लाया गया था। कुछ की हालत अब भी गंभीर है।

तमसा संकेत, एजेंसी

सागर। मध्य प्रदेश के सागर में जहरीली शराब पीने से अब तक 11 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें 3 की मौत शनिवार देर रात हो गई थी।

वहीं, करीब 35 लोगों की हालत गंभीर है। इनमें से कुछ लोगों के शरीर नीले पड़ गए हैं। मामले में सहायक आबकारी आयुक्त कीर्ति दुबे, जिला आबकारी अधिकारी दिलीप खंडाते और बंडा के आबकारी उप निरीक्षक रोशनी उरेते को सस्पेंड किया गया है। गूगरा चौकी प्रभारी ASI पूरन सिंह और बंडा थाना प्रभारी राजेंद्र कुशवाहा भी निलंबित किए गए हैं।

» (शेष पेज 06 पर)

बॉलीवुड अभिनेत्री स्वरा भास्कर पर भड़के, कहा- जौहर कायरता नहीं, वीरता है

भैया को सैयां बनाने वाले क्या जानें : धीरेंद्र शास्त्री

तमसा संकेत, एजेंसी

खजुराहो/कोलकाता। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री इन दिनों पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में हैं। यहां वे 4 से 6 सितंबर तक हनुमंत कथा कर रहे हैं। शनिवार को कथा के दौरान उन्होंने जौहर को लेकर बयान दिया। उन्होंने बॉलीवुड अभिनेत्री स्वरा भास्कर का नाम लिए बिना कहा कि जौहर कायरता नहीं, वीरता और समर्पण है। शास्त्री ने कहा- "अरे नकटू, चंडालन, यह कायरता नहीं... जौहर तो वीरता है। समर्पण है, अपने पति के प्रति अर्पण है। तुम क्या जानो जौहर को, तुम क्या जानो संस्कृति को, तुम क्या जानो मर्यादा को?" उन्होंने आगे कहा- "कुछ

लोग भारत में ऐसे हैं, जो भैया को सैयां बना लेते हैं। वे क्या जानें जौहर के बारे में?" शनिवार रात मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने सौजन्य भवन में पं. धीरेंद्र शास्त्री का स्वागत किया। इस दौरान मंत्रिमंडल के सदस्य भी मौजूद रहे। डिनर के बीच एक मंत्री ने शास्त्री से कहा- "पर्ची निकाल दीजिए बाबा।" इसके जवाब में शास्त्री बोले- "अगला दरबार CM हाउस में लगना चाहिए।" शास्त्री ने यह बात मजाकिया अंदाज में कही, जिसके बाद हॉल में मौजूद लोग हंस पड़े।

बोले- धर्मविरोधी जौहर को नहीं जान सकते

शास्त्री ने कहा- "हमारी बातों से किसी को बुरा लगे तो लगे। हमारी बातों से किसी का दिल ठेस हो तो हो जाए, पर हम जब तक जीएंगे, तब तक सत्य बोलेंगे।" इसके बाद उन्होंने बंगाल के हिंदुओं से नवरात्रि को लेकर अपील की। कहा कि इस बार नवरात्रि में प्रण लें कि पश्चिम बंगाल को 'लव जिहाद' मुक्त करना है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रतिमा के साथ-साथ हर मां में मां के दर्शन करें।

नक्सलवाद के बाद नशा भी खत्म करेंगे : शाह

रेड कॉरिडोर की सोच वालों ने हथियार डाले

बयान

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने रविवार को गोवा में कहा कि सरकार ने नक्सलवाद खत्म कर दिया है। अब नशीले पदार्थों की समस्या से भी उसी तरह निपटा जाएगा। उन्होंने कहा कि, "नक्सलवाद के बाद नशीले पदार्थों की समस्या से भी उसी तरह निपटेंगे। जिन्होंने तिरुपति से पशुपतिनाथ तक रेड कॉरिडोर की कल्पना की थी, उन्होंने अब अपने हथियार डाल दिए हैं और मुख्यधारा में शामिल हो गए हैं।" दरअसल, अमित शाह गोवा के दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने मीडिया से बातचीत करते हुए ये बयान दिया। **3 साल का अभियान:** अमित शाह ने कहा- पूरा देश नशा मुक्त भारत के तीन साल के अभियान का समर्थन करेगा। आज आपसे बात करने का उद्देश्य गोवा के पूरे मीडिया से यह अनुरोध करना भी है कि भारत को नशा मुक्त बनाने के इस लक्ष्य को हासिल करने में हमारी मदद करें। 1 करोड़ किलो से ज्यादा

नशीले पदार्थ जब्त: उन्होंने कहा कि 2004 से 2014 तक कांग्रेस शासन के दौरान, 26 लाख किलोग्राम नशीले पदार्थ जब्त किए गए थे। जबकि, 2014 और 2026 के बीच, यह आंकड़ा बढ़कर 1 करोड़ 19 लाख किलोग्राम से अधिक हो गया। **1 लाख नशामुक्ती मित्र तैयार किए जाएंगे:** गृह मंत्री ने कहा कि अभियान 50 करोड़ नागरिकों तक पहुंचेगा। अभी हाल ही में, प्रधानमंत्री ने एक ही कार्यक्रम में 1 करोड़ युवाओं के साथ बातचीत की। हम 1 लाख 'नशामुक्ति मित्रों' को प्रशिक्षित करने जा रहे हैं पीएम मोदी ने 2 अगस्त को 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान' लॉन्च किया। उन्होंने कहा था कि भारत में ड्रग्स की सप्लाई दुश्मन देशों की आतंकी साजिश का हिस्सा है।

सीएम योगी का निर्देश: 48 घंटे में बांटे जाएं राहत किट, फसल व मकान क्षति का तत्काल सर्वे कर मुआवजा दें

चित्रकूट में बाढ़ पीड़ितों को तुरंत मिले मदद

- योगी ने हाथ से इशारा कर नेताओं को पीछे जाने को कहा, जिससे गरीबों को आने-जाने में कोई दिक्कत न हो।
- सीएम योगी ने प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वे किया। मंदाकिनी नदी के बढ़ते जलस्तर का जायजा लिया।

तमसा संकेत, एजेंसी

चित्रकूट। चित्रकूट में सीएम योगी ने रविवार को मंच पर नेताओं को जमकर फटकार लगाई। वह गरीबों को राहत चेक बांट रहे थे। इसी दौरान मंच पर मौजूद नेता उनके साथ फोटो खिंचवाने की होड़ में लग

गए। यह देखकर सीएम नाराज हो गए। उन्होंने हाथ से इशारा कर नेताओं को पीछे जाने को कहा, जिससे गरीबों को आने-जाने में दिक्कत न हो। सीएम रामघाट का निरीक्षण कर रहे थे। इस दौरान लोग उन्हें अपनी समस्या बता रहे थे। तभी सिक्योरिटी में तैनात जवान लोगों को हटाने लगा। इस पर सीएम नाराज हो गए। कहा- बोलने दो, बीच में क्यों आते हो? सीएम ने कहा- चित्रकूट के लोगों को अकेला नहीं छोड़ा जाएगा।

» (शेष पेज 06 पर)

चित्रकूट बाढ़ से 36 गांवों में 14 हजार लोग प्रभावित

29 अगस्त को मंदाकिनी नदी में आई बाढ़ से चित्रकूट में भारी तबाही हुई। कई इलाकों में मकानों की एक मंजिल तक पानी भर गया। 100 कच्चे घर जमींदोज हो गए, जबकि करीब 500 मकान आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुए। बाढ़ से 36 गांवों की 14 हजार आबादी प्रभावित हुई।

मध्य प्रदेश-उत्तर प्रदेश सीमा पर रामघाट-हनुमान धारा को जोड़ने वाले करीब 300 मीटर लंबे पुल का बड़ा हिस्सा बह गया। तुलसीदास की प्रतिमा भी क्षतिग्रस्त हो गई। कई सड़कें टूट गईं। मंदाकिनी नदी का जलस्तर 23 साल के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया था।

2017 से पहले बाढ़ में लोगों को बहुत कम राहत मिलती थी

बाढ़ से प्रभावित किसी भी व्यक्ति को मदद से वंचित नहीं रहने दिया जाएगा। 2017 से पहले बाढ़ के समय लोगों को बहुत कम राहत मिलती थी। अब सरकार ने राहत की व्यवस्था बढ़ाई है।

हमारा मकसद सिर्फ तुरंत मदद देना नहीं, बल्कि प्रभावित परिवारों को दोबारा बसाना भी है।

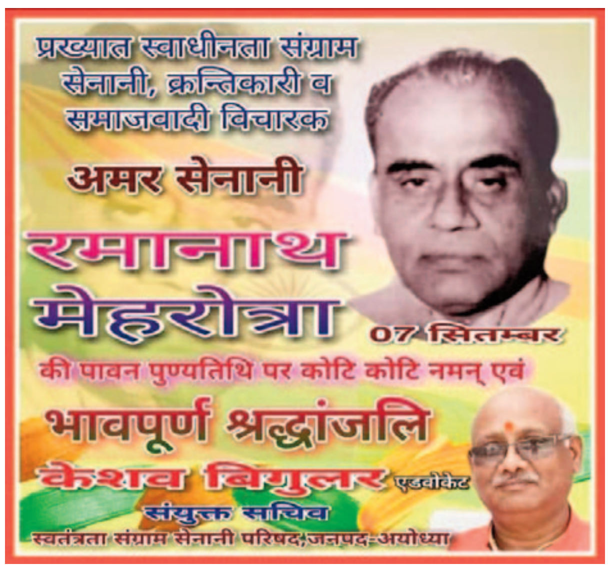

कितना पुराना, जांचने के लिए एएसआई को बुलाया, राजभर ने अखिलेश से पूछा- वहां फातिहा पढ़ेंगे

सहारनपुर कलेक्ट्रेट में ढहाई मस्जिद के नीचे कुआं मिला

तमसा संकेत, एजेंसी

सहारनपुर। सहारनपुर कलेक्ट्रेट परिसर में मस्जिद ढहाए जाने के बाद नीचे कुआं मिला है। यह 20 फीट गहरा और डेढ़ मीटर चौड़ा है। कुआं स्लैब (पत्थर) से ढंका था। प्रशासन ने कटर से पत्थर कटवाया तो कुआं दिखाई दिया। पुलिस ने इसे लोहे की चादर से ढंक दिया है, ताकि मलबा अंदर न जाए। कुआं कितना पुराना है? इसका पता लगाने के लिए प्रशासन ने ASI को बुलाया है। मौके पर भारी फोर्स तैनात है। बैरिकेडिंग करके किसी को वहां जाने नहीं दिया जा रहा। मस्जिद की शिकायत करने वाले विकास त्यागी ने दावा किया- यहां पहले मंदिर रहा होगा। उसे तोड़कर मस्जिद बनाई गई। जांच होनी चाहिए। मस्जिद को लेकर सियासत भी शुरू हो गई है। सांसद चंद्रशेखर ने कहा- हम यह लड़ाई सदन, कोर्ट और सड़क पर लड़ेंगे। मस्जिद गिराने में इतनी जल्दबाजी क्यों की गई? वहीं, मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने X पर लिखा- अखिलेशजी, सहारनपुर जाकर अवैध इमारत के मलबे के सामने फातिहा पढ़ेंगे? यूपी पूछ रहा है, बताइए न? शनिवार को 16 घंटे बुलडोजर चलाकर मस्जिद ढहाई गई थी। रविवार सुबह तक मलबा हटाया गया।

- स्लैब टूटने के बाद उसके नीचे कुआं मिला। कुआं कितना पुराना है, इसकी जांच के लिए एएसआई को बुलाया गया है।
- मलबा हटने के बाद मस्जिद वाली जगह पूरी तरह समतल हो गई। अब वहां सिर्फ मिट्टी दिखाई दे रही है।

भाजपा नेता संगीत सोम बोले- अवैध बिल्डिंग गिराई ही जाएंगी

भाजपा नेता संगीत सोम ने कहा, "सहारनपुर में मस्जिद का ध्वस्तीकरण नहीं किया गया। सहारनपुर में अवैध जमीन पर अवैध बिल्डिंग का ध्वस्तीकरण किया गया है। जिसके नीचे 400 साल पुराना कुआं निकला है।

यूपी में होड़ लगी है कि मुसलमानों का आका कौन है? राहुल गांधी हैं, अखिलेश हैं या ओवैसी हैं? वहां अवैध बिल्डिंग गिराई गई है। यूपी में जितनी इस प्रकार की अवैध बिल्डिंग होंगी, वह सभी गिराई जाएंगी। कोई बिल्डिंग नहीं छोड़ी जाएगी।

संजय सिंह ने कहा- यह देश के संविधान का उल्लंघन

AAP सांसद संजय सिंह ने कहा- यह देश के संविधान का उल्लंघन है। पूजा स्थल अधिनियम के तहत 1947 से पहले जो भी धार्मिक स्थल है। उनके साथ कोई छेड़छाड़ नहीं हो सकती है। सहारनपुर में बनी मस्जिद 1911 की थी, जिसे तोड़ दिया गया है। इन्होंने उत्तर प्रदेश का माहौल खराब करने के लिए ऐसा किया है।

मैं उत्तर प्रदेश की जनता से कहना चाहता हूं कि भाजपाइयों के नकली खेल में न फंसे। यह सांप्रदायिक और नफरती लोग हैं। ये लोग प्रदेश में हिंदू और मुसलमानों को लड़ाना चाहते हैं क्योंकि चुनाव में केवल 4 महीने का समय बचा है।

किसान यूनियन ने गन्ने का भाव बढ़ाने की मांग की

बोले- खेती की बढ़ती लागत और उचित मूल्य न मिलने से किसान परेशान

तमसा संकेत, एजेंसी

संभल। संभल में खेती की बढ़ती लागत और फसलों का सही दाम नहीं मिलने से किसानों की परेशानी लगातार बढ़ रही है। किसानों की इन्हीं समस्याओं को लेकर भारतीय किसान यूनियन (बीआरएसएस) भारत राष्ट्रीय सेवक संघ ने रविवार शाम 4 बजे चौधरी सराय संभल में एक बैठक बुलाई। इस बैठक में किसान-मजदूरों की आर्थिक स्थिति, गन्ने के भुगतान, फसलों के लाभकारी मूल्य और बिजली-सिंचाई व्यवस्था से जुड़ी समस्याओं को उठाया गया। चौधरी ऋषिपाल सिंह के नेतृत्व में हुई इस बैठक की अध्यक्षता सेवक सैनी ने की, जबकि संचालन निर्देश कुमार ने किया। बैठक को संबोधित करते हुए भाकियू के जिला अध्यक्ष कामेन्द्र चौधरी ने कहा कि किसान महंगे खाद-बीज, डीजल, बिजली और मजदूरी के बीच खेती करने को मजबूर हैं। खेती की लागत लगातार बढ़ रही है, लेकिन किसानों को फसलों का सही दाम नहीं मिल पा रहा है। ऐसे में किसान आर्थिक परेशानी में हैं। उन्होंने आगे कहा कि गन्ना किसानों को उनकी मेहनत का सही दाम मिलना चाहिए और गन्ने का भुगतान भी समय पर होना चाहिए। संगठन ने गन्ने का भाव 600 रुपये प्रति क्विंटल करने की मांग की। इसके साथ ही किसान और मजदूरों की कर्जमाफी, फसलों का लाभकारी मूल्य, बिजली व्यवस्था में सुधार और सिंचाई की बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने की भी मांग की गई।

फास्ट न्यूज

बिना सुरक्षा उपकरण के बदल रहे ट्रांसफार्मर-तार

बाराबंकी। निंदूरा विकास खंड के बसरा जुम्मन पूर्व में बिजली विभाग के निजी ठेकेदारों की लापरवाही सामने आई है। यहां ट्रांसफार्मर और तार बदलने का काम बिना किसी सुरक्षा उपकरण के कराया जा रहा है। मौके पर खंभे पर चढ़े कर्मी बिना हेलमेट, सेफ्टी बेल्ट और दस्तानों के काम करते दिखे। स्थानीय लोगों ने बताया कि विभाग जुम्मन पूर्व में पुराने तारों और सड़क किनारे लगे खंभों से ट्रांसफार्मरों को नए पॉइंट पर बदलने का काम करा रहा है।

जन आरोग्य मेले में डॉक्टर समय से पहले गए

हैदरगढ़। हैदरगढ़ क्षेत्र के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सुबेहा में रविवार को मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेला लगाया गया। मेले में स्वास्थ्य सेवाओं पर तब सवाल उठे, जब डॉक्टर समय से पहले अस्पताल से चले गए। वहीं, स्टाफ नर्स और लैब टेक्नीशियन मेले में मौजूद नहीं थे।

दोपहर करीब 1:30 बजे मौके पर सिर्फ फार्मासिस्ट पुष्पेंद्र तिवारी और स्वीपर सुरेश कुमार ही मौजूद मिले।

फार्मासिस्ट पुष्पेंद्र तिवारी ने बताया कि दोपहर तक जन आरोग्य मेले में कुल 30 मरीज आए थे। इनमें 11 पुरुष, 12 महिलाएं और 7 बच्चे थे।

25 हजार का इनामी गैंगस्टर तमंचे के साथ गिरफ्तार

बहराइच। बहराइच में रानीपुर पुलिस ने रविवार सुबह करीब दस बजे 25 हजार रुपये के इनामी बदमाश अनवर अली को दुर्गूपुर नहर पुलिया के पास से गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान उसके पास से 12 बोर का एक अवैध तमंचा और एक जिंदा कारतूस मिला। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ हथियार कानून के तहत मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, अनवर अली पुत्र रमजान अली बहराइच के रानीपुर थाना क्षेत्र के बेचन-पुरवा का रहने वाला है।

टिकरिया में किसान यूनियन की बैठक

अंडरपास-पुलिया निर्माण की मांग

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी में प्रदेश अध्यक्ष मध्यांचल युवा उत्तर प्रदेश के निर्देश पर 6 सितंबर को भारतीय किसान यूनियन ब्लॉक इकाई देवा युवा विंग द्वारा ग्राम टिकरिया में किसान बैठक का आयोजन किया गया। बैठक का नेतृत्व अरशद अली, ब्लॉक अध्यक्ष देवा युवा द्वारा किया गया। कार्यक्रम में संगठन के पदाधिकारी, कार्यकर्ता साथी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण किसान शामिल हुए। बैठक के उपरांत ग्रामीण क्षेत्र में भ्रमण कर किसानों एवं ग्रामीणों की विभिन्न जनहित समस्याओं की जानकारी ली गई तथा उनके समाधान को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में किसान पथ पर आए दिन होने वाली दुर्घटनाओं की समस्या प्रमुख रूप से सामने आई। ग्रामीणों एवं किसान साथियों ने बताया कि किसान पथ पर आवागमन के दौरान लगातार दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। इस मांग पर उपस्थित किसान एवं ग्रामीण एकमत रहे और प्रशासन से मांग की गई कि जनहित एवं किसानों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए संबंधित विभाग द्वारा मौके का निरीक्षण कर अंडरपास/पुलिया निर्माण की ठोस कार्यवाही शीघ्र सुनिश्चित की जाए।

ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत

बाराबंकी में गर्दन कटी हालत में मिला शव, गोरखपुर-हैदराबाद एक्सप्रेस करीब 20 मिनट रुकी

तमसा संकेत, एजेंसी

रामनगर, बाराबंकी। बाराबंकी के चौकाघाट रेलवे स्टेशन के पास रविवार सुबह करीब सात बजे ट्रेन की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। उसका शव रेलवे ट्रैक के किनारे गर्दन कटी हालत में मिला। मृतक की पहचान अभी नहीं हो सकी है। उसने नीली पैंट, सफेद शर्ट और सैंडल पहन रखे थे। सूचना मिलने पर स्टेशन अधीक्षक प्रदीप कुमार मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने तत्काल रेलवे पुलिस को जानकारी दी। हादसे के कारण ट्रेन संख्या 07075 गोरखपुर-हैदराबाद एक्सप्रेस करीब 20 मिनट तक घटनास्थल के पास खड़ी रही। ट्रेन रुकने पर कुछ यात्री नीचे उतर आए और ट्रैक की ओर पहुंचने लगे। इससे वहां लोगों की भीड़ जुट गई। रेलवे कर्मचारियों ने यात्रियों को घटनास्थल से दूर रहने के लिए कहा। सुबह रेलवे स्टेशन के पास शव पड़े होने की सूचना मिलते ही स्टेशन प्रशासन सक्रिय हुआ। स्टेशन अधीक्षक प्रदीप कुमार ने मौके पर पहुंचकर स्थिति देखी। प्रारंभिक तौर पर युवक के ट्रेन की चपेट में आने की बात सामने आई है। मृतक के पास कोई पहचान पत्र या ऐसा दस्तावेज नहीं मिला, जिससे उसकी शिनाख्त तत्काल हो सके। पुलिस अब उसके हुलिए और कपड़ों के आधार पर पहचान कराने का प्रयास करेगी। घटना की जानकारी मिलते ही स्टेशन अधीक्षक ने रेलवे पुलिस को सूचित किया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, सूचना देने के काफी देर बाद तक पुलिस टीम मौके पर नहीं पहुंची। इस दौरान कई ट्रेनें वहां से गुजरती रहीं। रेलवे पुलिस के पहुंचने के बाद घटनास्थल की जांच, पंचनामा और अन्य कानूनी प्रक्रिया पूरी की जाएगी। शव मिलने के बाद गोरखपुर-हैदराबाद एक्सप्रेस घटनास्थल के पास करीब 20 मिनट रुकी रही। ट्रेन में सवार कई यात्रियों ने बाहर निकलकर स्थिति देखने की कोशिश की। भीड़ बढ़ने पर रेलवे कर्मचारियों ने लोगों को पीछे हटाया। ट्रेन के रुकने से कुछ समय के लिए रेल यातायात प्रभावित रहा। आवश्यक प्रक्रिया के बाद ट्रेन को आगे रवाना किया गया। रेलवे पुलिस अब यह पता लगाएगी कि युवक ट्रैक तक किन परिस्थितियों में पहुंचा था। हादसा कैसे हुआ और वह किस दिशा से वहां आया, इसकी पड़ताल की जाएगी। स्टेशन प्रशासन की ओर से पुलिस को घटना की सूचना दी जा चुकी है। फिलहाल शव की शिनाख्त नहीं होने से पुलिस के लिए मृतक के परिवार तक पहुंचना चुनौती बना हुआ है। युवक के कपड़े और हुलिया पुलिस के लिए फिलहाल पहचान की प्रमुख कड़ी हैं। आसपास के गांवों और क्षेत्र में उसके बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस यह भी पता लगाने का प्रयास करेगी कि हाल में इस इलाके से कोई व्यक्ति लापता तो नहीं हुआ था।

> पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ करने के साथ क्षेत्र के थानों में दर्ज गुमशुदगी की सूचनाओं से भी मिलान कर सकती है। मृतक की पहचान होने के बाद ही उसके बारे में पूरी जानकारी सामने आएगी। पुलिस शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजेगी। रिपोर्ट से मौत की स्थिति और चोटों के संबंध में जानकारी मिलेगी। इसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

फ्लैट में घुसते 2 संदिग्ध नजर आए, पत्नी मैरिज काउंसलर, बेटा-बहू पार्टी में गए थे

करोड़पति दवा कारोबारी की हत्या

तमसा संकेत, एजेंसी

विनीत मनोचा, मृतक

कानपुर। कानपुर में करोड़पति दवा कारोबारी की बेरहमी से हत्या कर दी गई। फ्लैट के कमरे में फर्श पर खून से लथपथ शव मिला। पूरे कमरे में खून फैला था। पुलिस के मुताबिक, धारदार हथियार से गला रेता गया। शरीर पर नुकीली चीज से कई वार किए गए। घटना शहर के पॉश इलाके कल्याणपुर में रतन आर्बिट अपार्टमेंट की है। वारदात शनिवार रात 10:30 बजे से तड़के 3 बजे के बीच हुई। उस वक्त कारोबारी का बेटा, बहू और पोता पार्टी में गए थे। तड़के 3 बजे परिजन लौटे तो फ्लैट का मेन गेट खुला था। अंदर जाने पर 63 साल के कारोबारी का शव मिला। परिजनों ने पुलिस को फोन कर बुलाया। पुलिस ने घर में लगे CCTV कैमरों की फुटेज खंगाली। इसमें दो संदिग्ध घर में जाते दिखे। फुटेज के आधार पर दोनों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया। पुलिस अपार्टमेंट के मेन गेट और आसपास लगे CCTV कैमरों की फुटेज भी खंगाल रही है। अपार्टमेंट के एंट्री गेट रजिस्टर जब्त कर लिया है। परिजनों ने किसी तरह की रंजिश से इनकार किया है। हालांकि, पुलिस जांच में सामने आया कि कारोबारी ने कुछ दिन पहले ही नौकर को नौकरी से निकाला था। पुलिस नौकर की तलाश में जुटी गई है। करोबारी विनीत विनोचा की हत्या हुई है। वह रतन आर्बिट अपार्टमेंट की पहली मंजिल पर C-104 फ्लैट में परिवार के साथ रहते थे। चार कमरों और डाइनिंग रूम वाले इस फ्लैट की कीमत एक करोड़ रुपए से ज्यादा बताई जा रही है। विनीत बिरहाना रोड पर 'फार्मा ट्रेडर्स' नाम से दवा की फर्म चलाते थे। वह बेटे सुब्रत के साथ कारोबार संभालते थे। परिवार में पत्नी पुनीता, बेटा सुब्रत, बहू शालू और 6 साल का पोता श्रीजय हैं। पत्नी पुनीता मैरिज काउंसलर हैं। वह एक सप्ताह से गाजियाबाद गई थीं। बेटी सुभानी और दामाद गुरुग्राम में रहते हैं। दोनों इंजीनियर हैं। इसके बाद दामाद ने पड़ोसी पंकज तिवारी और अन्य लोगों को फोन किया। पड़ोसी मौके पर पहुंचे तो शव देखकर सन्न रह गए। पंकज ने बताया कि वारदात की उन्हें भनक तक नहीं लगी, जबकि उनका घर विनीत के बगल में ही है। फोरेंसिक टीम ने घटना वाली जगह से सबूत जुटाए हैं। विनीत जिस कमरे में सोते थे, उसी में ही उनका शव मिला। बेड की चादर खून से सनी थी और फर्श पर भी खून फैला था। कमरे में संघर्ष के निशान भी मिले हैं। पुलिस की शुरुआती जांच में आशंका है कि विनीत पर अचानक हमला किया गया। हमला होने के बाद उन्होंने बचने के लिए भागने की कोशिश की होगी। इसी दौरान कमरे में संघर्ष हुआ। हमलावर ने उनकी हत्या कर दी। कमरे में दूसरे सामान से छेड़छाड़ नहीं हुई है। इससे आशंका है कि हमलावर का मकसद सिर्फ हत्या करना था।

पड़ोसी को घटना की भनक तक नहीं लगी

लखनऊ के ठाकुरगंज के रहने वाले विनीत के समधी नरेश अरोड़ा ने बताया- रविवार तड़के मेरी बेटी ने फोन कर घटना की जानकारी दी। उसने बताया कि वह अपने पति और बेटे के साथ रात 10:30 बजे घर से गई थी। रात 3 बजे तीनों लौटे तो फ्लैट के अंदर विनीत का शव पड़ा मिला।

लखनऊ में 27 महीने बाद जिंदा लौटी महिला

ससुराल से भाग गई थी, परिवार ने बेटी समझकर लावारिस लाश का अंतिम संस्कार किया था

तमसा संकेत, एजेंसी

बख्शी का तालाब। लखनऊ में परिवार ने जिस महिला को मृत समझकर उसका अंतिम संस्कार कर दिया था, वह 27 महीने बाद जिंदा घर लौट आई। 28 साल की शिवानी 5 सितंबर को बीकेटी तहसील के नवीकोट नंदना गांव स्थित अपने मायके पहुंची। उसे देखकर परिवार के लोग हैरान रह गए। करीब डेढ़ साल पहले आईआईएम रोड के पीछे नाले में एक अज्ञात महिला का शव मिला था। मायकेवालों ने उसकी पहचान शिवानी के रूप में की थी। इसके बाद भैंसाकुंड में उसका अंतिम संस्कार कर दिया गया। ससुराल-वालों के खिलाफ दहेज हत्या का केस भी दर्ज कराया गया था। अब शिवानी के जिंदा लौटने से मामला उलझ गया है। सवाल है कि नाले में मिला शव आखिर किस महिला का था? पुलिस शिवानी को थाने ले गई है। उससे पूछताछ की जा रही है। मायकेवालों के मुताबिक, शिवानी की शादी 22 अप्रैल 2020 को बीकेटी के भुइयां देवी मंदिर में सीतापुर के सकतापुर के रहने वाले आनंद सिंह से हुई थी। शादी के बाद आनंद के परिवार ने बीकेटी के भीखापुर गांव में मकान बनवाया। इसके बाद शिवानी वहीं रहने लगी। आरोप है कि कुछ समय बाद ससुराल वाले शिवानी से प्लॉट की मांग करने लगे। परिवार ने मांग पूरी करने से मना कर दिया। इसी बीच शिवानी की दादी की मौत हो गई। वह मायके आई और अपनी मां को ससुरालवालों की मांग के बारे में बताया।

फंसकर थानाध्यक्ष ने दी जान

बस्ती में शारीरिक संबंध बनाने के बाद 1 करोड़ मांगे

- * पुलिस ने प्रियंका के अलावा उसके पिता और वकील को गिरफ्तार कर मामले का खुलासा किया।
- * थानाअध्यक्ष ने अपने पर्सनल मोबाइल नंबर पर यह स्टेटस लगाया था। इसमें लिखा था- धन संपदा भी आवश्यक है, परंतु शांति और प्रेम से बढ़कर नहीं।

तमसा संकेत, एजेंसी

बस्ती। बस्ती में थानाध्यक्ष सूर्य प्रकाश सिंह ने हनीट्रैप और ब्लैकमेलिंग से परेशान होकर सुसाइड किया था। पुलिस ने रविवार दोपहर आरोपी महिला, उसके पिता और वकील को गिरफ्तार किया है। महिला लोगों को प्रेम जाल में फंसाती थी। उन्हें वीडियो कॉल करती थी। चैटिंग में अश्लील बातें करती थी। फिर ब्लैकमेल कर पैसे ऐंठती थी। आरोपी महिला ने थानाध्यक्ष सूर्य प्रकाश के साथ भी शारीरिक संबंध बनाए, फिर उन्हें ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया। उनसे 1 करोड़ रुपए की डिमांड करने लगी। पैसे नहीं देने पर हाथ की नस काटने की धमकी दे रही थी। पुलिस को उसके पास से बोलेरो और 3 मोबाइल मिले हैं। पुलिस ने तीनों आरोपियों को जेल भेज दिया है। वाल्टरगंज के थानाध्यक्ष सूर्य प्रकाश सिंह मूल रूप से आजमगढ़ के भीलमपुर छपरा गांव के रहने वाले थे। वह 4 साल बाद रिटायर होने वाले थे। परिवार में पत्नी के अलावा एक बेटा और दो बेटियां हैं। बड़ा बेटा संदीप सिंह (30) है। सूर्य प्रकाश सिंह सिद्धार्थनगर से ट्रांसफर होकर बस्ती आए थे। पहले यहां पुलिस लाइन में उन्हें तैनाती मिली थी। 18 अप्रैल, 2026 को उन्हें वाल्टरगंज थाने का इंचार्ज बनाया गया था। 29 अगस्त को वह कलेक्ट्रेट के पास स्थित अपने सरकारी घर में फंदे से लटके मिले थे। उन्होंने सुसाइड से पहले वाट्सएप पर एक स्टेटस लगाया था। इसमें लिखा था- धन-संपदा भी आवश्यक है, परंतु शांति और प्रेम से बढ़कर कुछ भी नहीं है। डीआईजी संजीव त्यागी ने बताया कि आरोपी प्रियंका चौधरी, उसके पिता रामनयन चौधरी और वकील विजय प्रकाश को रविवार सुबह सदर अस्पताल के सामने से गिरफ्तार किया गया गया।

घटना : युवक का सिर कटकर अलग, हाईवे पर डंपर और टेंपो की भीषण टक्कर

संभल में मासूम भाई-बहन समेत 6 की मौत

तमसा संकेत, एजेंसी

संभल। यूपी के संभल में रविवार को बालू लदे डंपर ने टेंपो को टक्कर मार दी। हादसे में दो मासूम भाई-बहन समेत 6 लोगों की मौत हो गई। 4 लोग घायल हैं। टक्कर इतनी भीषण थी कि टेंपो का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। ड्राइवर उसमें फंस गया। डंपर बेकाबू होकर सड़क के किनारे पेड़ से टकराकर पलट गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, टेंपो अपनी लेन में जा रहा था। आगे चल रहे ई-रिक्शा ने अचानक यू-टर्न ले लिया। उसे बचाने के चक्कर में डंपर बेकाबू हो गया और टेंपो को टक्कर मार दी। टेंपो उछलकर 10 फीट दूर गिरा। सड़क पर लाशें बिखर गईं। एक युवक का सिर कटकर अलग हो गया। चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग पहुंचे। घायलों को उठाकर सड़क के किनारे किया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस से घायलों को बहजोई CHC भेजा। जहां डॉक्टर्स ने चार और को मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान भाई-बहन आराध्या (3 महीने), ध्रुव (6), उनकी मामी रोहिणी (20), टेंपो चालक सौदान पाल (40), रूवैद (30) और रामपाल (35) के रूप में हुई। हादसा जिला मुख्यालय से 2 किमी दूर बहजोई थाना क्षेत्र में आगरा-मुरादाबाद नेशनल हाईवे पर सुबह 9 बजे हुआ। पुलिस के मुताबिक, संभल में बहजोई निवासी भावना (29) पत्नी तरुण, बेटे ध्रुव, बेटी आराध्या के साथ चंदौसी जा रही थीं। साथ में भाई पुनीत (22) और भाभी रोहिणी थे। पुनीत-रोहिणी बदायूं से बहन के घर आए थे और शहर घूमने निकले थे। सभी बहजोई से एक टेंपो में सवार हुए। इसमें पहले से ही बहजोई निवासी रुवैद, प्रशांत (24) और जड़वार निवासी रामपाल बैठे थे। टेंपो बहजोई के रहने वाले सौदान पाल चले रहे थे। टेंपो के आगे सैमरी गांव निवासी बिट्टू (25) ई-रिक्शा लेकर चल रहा था। बम्नेटा गांव के पास बिट्टू ने अचानक ई-रिक्शा दूसरी लेन की तरफ घुमा दिया। इससे सामने से आ रहा डंपर बेकाबू हो गया और टेंपो से टकरा गया। ई-रिक्शा भी उसकी चपेट में आ गया। हादसे में रुवैद का सिर कटकर अलग हो गया। सौदान टेंपों में ही फंस गए। पुलिस ने टेंपों काटकर सौदान को बाहर निकाला। मृतक बच्चों की मां भावना, मामा पुनीत की हालत गंभीर बनी हुई है। प्रशांत और बिट्टू का भी इलाज चल रहा है। डंपर चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया।

> एसपी विकास चंद्र त्रिपाठी ने बताया- बहजोई-चंदौसी रोड पर हादसा हुआ। पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। 6 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। बाकी 4 घायलों का इलाज चल रहा है। मामले की जांच शुरू कर दी गई है। जो कुछ भी निकलकर आएगा, उसके आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

- डंपर की टक्कर के बाद टेंपो के परखच्चे उड़ गए। अंदर बैठे लोग उछलकर 10 फीट दूर गिरे।
- टक्कर के बाद डंपर सड़क के किनारे जाकर पलट गया।
- हादसे में 3 महीने की मासूम और उसके 6 साल के भाई की मौत हो गई। मां और मामा की हालत गंभीर है।

कटान वाले उल्टहवा माझा पहुंचीं डीएम

बोले-हर स्थिति के लिए तैयार रहें अफसर, नदी के जलस्तर पर लगातार नजर रखने के निर्देश

निरीक्षण

स्कूल में गैरहाजिर शिक्षकों पर कार्रवाई और गांव में स्वास्थ्य शिविर लगाने को कहा

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। नदी के बढ़ते जलस्तर और कटान की स्थिति को देखते हुए जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने शनिवार को उल्टहवा माझा क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण किया। डीएम ने मौके पर कटान की स्थिति का जायजा लेने के साथ ग्रामीणों की सुरक्षा के लिए की गई तैयारियों की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को क्षेत्र में लगातार निगरानी बनाए रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि नदी के जलस्तर और कटान की स्थिति पर लगातार नजर रखी जाए। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए जरूरी संसाधन और सुविधाएं पहले से उपलब्ध रहें, ताकि

जरूरत पड़ने पर तत्काल राहत एवं बचाव की कार्रवाई की जा सके। इसके बाद जिलाधिकारी ने उच्च प्राथमिक विद्यालय उल्टहवा माझा का निरीक्षण किया। उन्होंने विद्यालय में साफ-सफाई, मध्याह्न भोजन की व्यवस्था, छात्र-छात्राओं की उपस्थिति और शिक्षकों की उपस्थिति की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान कुछ शिक्षक अनुपस्थित मिले। इस पर डीएम ने संबंधित अधिकारियों को अनुपस्थित शिक्षकों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने विद्यालय की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने पर भी जोर दिया। उन्होंने साफ-सफाई, विद्यार्थियों की सुविधाओं और विद्यालय में नियमित व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। बारिश और जलभराव के कारण संचारी रोगों की आशंका को देखते हुए डीएम ने क्षेत्र में विशेष सफाई अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रभावित क्षेत्रों में फॉगिंग और एंटी लार्वा का छिड़काव कराने के साथ आवश्यकता के अनुसार चूना डलवाने को कहा। ग्रामीणों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के निर्देश भी दिए गए।

जिलाधिकारी ने क्षेत्र में पशुओं के स्वास्थ्य की स्थिति की जानकारी लेते हुए समयबद्ध तरीके से टीकाकरण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने जरूरत के अनुसार पशु चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने और पशुओं के स्वास्थ्य की नियमित निगरानी सुनिश्चित करने को कहा। निरीक्षण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी आनंद शुक्ला, मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रमोद कुमार, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व ज्योत्स्ना बंधु, जिला विकास अधिकारी और उपजिलाधिकारी टांडा समेत संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

गांव में लगेगा स्वास्थ्य शिविर

डीएम ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को विद्यालय और गांव में स्वास्थ्य शिविर लगाने के निर्देश दिए। इसमें बच्चों और जरूरत के अनुसार ग्रामीणों की जांच कराई जाएगी। जांच के बाद आवश्यक दवाएं और चिकित्सकीय परामर्श उपलब्ध कराने को कहा गया।

भूपेंद्र वीर सिंह की कलम को याद कर नम हुईं आंखें, श्रद्धांजलि देने उमड़े लोग

उसरहवा स्थित आवास पर दिनभर लगा रहा लोगों का आना-जाना

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। वरिष्ठ पत्रकार भूपेंद्र वीर सिंह के निधन के बाद रविवार को अकबरपुर के उसरहवा में पत्रकारिता जगत के लोग एकजुट नजर आए। प्रेस क्लब उपाध्यक्ष बृजेंद्र वीर सिंह के आवास पर सुबह से ही श्रद्धांजलि देने वालों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया। पत्रकारों, जनप्रतिनिधियों और सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों ने दिवंगत पत्रकार के चित्र पर पुष्प अर्पित किए। भूपेंद्र वीर सिंह के साथ काम कर चुके साथियों ने उनके साथ बिताए समय की यादें साझा कीं। पत्रकारिता के दौरान उनके काम करने के तरीके और सहयोग से जुड़े प्रसंग भी चर्चा में रहे। श्रद्धांजलि देने पहुंचे लोगों ने उनके निधन को पत्रकारिता जगत के लिए बड़ी क्षति बताया। भाजपा जिला उपाध्यक्ष एवं नारायण फाउंडेशन अध्यक्ष विवेक मौर्य, पूर्व जिला पंचायत सदस्य अनिल मिश्रा, अलोपी अन्ना, सत्यार्थ मिश्रा और अनंत कुशवाहा समेत कई पत्रकारों ने पहुंचकर श्रद्धांजलि दी। विवेक मौर्य ने कहा कि उनके निधन से पत्रकारिता जगत में एक खालीपन पैदा हुआ है। उनके साथ जुड़े लोगों के लिए उनकी यादें हमेशा बनी रहेंगी। श्रद्धांजलि देने पहुंचे लोगों ने परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की। रविवार को दिनभर बृजेंद्र वीर सिंह के आवास पर परिचितों, शुभचिंतकों और पत्रकारों के पहुंचने का क्रम जारी रहा। लोगों ने दिवंगत पत्रकार को याद कर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित किए।

फास्ट न्यूज

कृष्ण जन्म के साथ गूंजे जयकारे

जलालपुर (अंबेडकरनगर)। श्रीकृष्ण जन्म के बाद जलालपुर में जय कन्हैया लाल के जयघोष गूंज उठे। पलटू साहेब मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच गए। मंदिर परिसर में बाबा रामप्रसाद दास के नेतृत्व में भजन-कीर्तन और भंडारे का आयोजन किया गया। मंदिर के बाहर बालाजी शक्ति समिति की ओर से भी भंडारा लगाया गया। समिति अध्यक्ष मनोज पांडे और उपाध्यक्ष शनि जायसवाल की देखरेख में श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया।

मंदिर का बैरिकेड बरामद, फिर भी तीन दिन बाद एफआईआर नहीं

अंबेडकरनगर। राजेसुल्तानपुर थाना क्षेत्र के चांडीपुर कला गांव स्थित बरुआ बाबा मंदिर से लोहे की बैरिकेडिंग काटकर ले जाने की शिकायत के तीन दिन बाद भी प्राथमिकी दर्ज होने की जानकारी सामने नहीं आई है। शिकायतकर्ता का दावा है कि पुलिस ने जांच के दौरान कथित रूप से बैरिकेड बरामद किया था। इसके बावजूद कार्रवाई आगे नहीं बढ़ी। गांव निवासी रवि शर्मा पुत्र घुरहू शर्मा ने थाना पुलिस को दिए प्रार्थना-पत्र में बैरिकेड काटकर ले जाने का आरोप लगाया है। उनके मुताबिक, दो सितंबर की रात करीब 9:30 बजे उन्होंने दो लोगों को लोहे का बैरिकेड लेकर जाते देखा था।

20 साल पुराने मुकदमे में तीन वारंटी गिरफ्तार

अंबेडकरनगर। बेवाना पुलिस ने करीब दो दशक पुराने मुकदमे में गैर जमानती वारंट जारी होने के बाद तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए लोगों में सांगी गांव निवासी पांचू (65), कौशल (65) और घनश्याम (45) शामिल हैं। पुलिस ने तीनों को उनके घर से रविवार सुबह करीब पांच बजे पकड़ा।
पुलिस के मुताबिक, तीनों के खिलाफ वर्ष 1995 में मारपीट, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में मुकदमा दर्ज हुआ था।

रेलवे स्टेशन पर पहुंचीं डीएम-एसपी, पैदल गश्त कर परखी सुरक्षा

अकबरपुर के प्रमुख और भीड़भाड़ वाले इलाकों का लिया जायजा, यात्रियों से की बातचीत

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। अकबरपुर नगर में सुरक्षा व्यवस्था परखने के लिए शनिवार को जिलाधिकारी ईशा प्रिया और पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने पुलिस बल के साथ पैदल गश्त की। दोनों अधिकारियों ने रेलवे स्टेशन समेत नगर के प्रमुख मार्गों और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों का भ्रमण किया। इस दौरान सुरक्षा इंतजाम और कानून-व्यवस्था की स्थिति देखी।

रेलवे स्टेशन पर अधिकारियों ने यात्रियों और मौजूद लोगों से बातचीत की। सुरक्षा को लेकर उनके अनुभव जाने। संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि नजर आने पर तत्काल पुलिस को सूचना देने के लिए कहा। गश्त के दौरान सार्वजनिक स्थानों पर पुलिस की मौजूदगी और निगरानी व्यवस्था

भी परखी गई। अधिकारियों ने संबंधित पुलिसकर्मियों को नियमित गश्त जारी रखने और संवेदनशील स्थानों पर विशेष नजर रखने के निर्देश दिए। डीएम और एसपी ने पुलिस बल को ड्यूटी के दौरान सतर्क और मुस्तैद रहने को कहा। असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर नजर रखने के साथ कानून-व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए गए।

अधिकारियों ने आमजन की सुरक्षा को लेकर सार्वजनिक स्थलों पर प्रभावी निगरानी सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

विधान परिषद क्षेत्र विकास निधि से स्वीकृत है व्यायामशाला, युवाओं समेत ग्रामीणों को गांव में मिलेगी सुविधा

रज्जूपुर में बनेगा फिटनेस सेंटर, एमएलसी ने किया शिलान्यास

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। कटेहरी विकासखंड की ग्राम पंचायत दरवन के रज्जूपुर गांव में ग्रामीणों को जल्द ही आधुनिक व्यायाम की सुविधा मिलेगी। यहां विधान परिषद क्षेत्र विकास निधि योजना के तहत नवीन व्यायामशाला (फिटनेस सेंटर) का निर्माण कराया जाएगा। रविवार को सदस्य विधान परिषद हरिओम पांडेय ने परियोजना का शिलान्यास किया। इस दौरान ग्रामीणों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया। शिलान्यास के बाद आयोजित चौपाल में हरिओम पांडेय ने कहा कि ग्रामीण इलाकों में स्वास्थ्य और खेल सुविधाओं को मजबूत करना जरूरी है।

व्यायामशाला के निर्माण से

रज्जूपुर के साथ आसपास के गांवों के लोगों को भी नियमित व्यायाम के लिए स्थानीय सुविधा उपलब्ध होगी। उन्होंने कहा कि बदलती जीवनशैली के कारण लोगों की शारीरिक गतिविधियां लगातार कम हो रही हैं। ऐसे में गांवों में फिटनेस सेंटर जैसी सुविधाएं लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रोत्साहित करेंगी।

हहएमएलसी ने कहा कि प्रस्तावित व्यायामशाला का उपयोग केवल युवाओं तक सीमित नहीं रहेगा। महिलाएं, बुजुर्ग और अन्य ग्रामीण भी अपनी सुविधा के अनुसार यहां नियमित व्यायाम कर सकेंगे। इससे ग्रामीण क्षेत्र में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने में मदद मिलेगी। हरिओम पांडेय ने कहा कि विधान परिषद क्षेत्र विकास निधि के माध्यम से सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा और खेल समेत विभिन्न जनसुविधाओं से जुड़े कार्य कराए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि युवाओं को खेल और फिटनेस से जोड़ने के लिए खेल मैदान तथा व्यायामशाला जैसी सुविधाओं का विकास भी जरूरी है।

कार्यक्रम में भाजपा मंडल अध्यक्ष कटेहरी सर्वेश प्रताप सिंह, मंडल उपाध्यक्ष अवनीश पाठक, स्थानीय जनप्रतिनिधि, ग्राम पंचायत प्रतिनिधि, युवा और ग्रामीण मौजूद रहे। ग्रामीणों ने कहा कि व्यायामशाला बनने से गांव के युवाओं और अन्य आयु वर्ग के लोगों को व्यायाम के लिए बेहतर स्थान मिलेगा।

वॉलीबॉल में अनुपम ने बढ़ाया जिले का मान, राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयन

कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय बेवाना की कक्षा सात की छात्रा ने हासिल किया राज्य स्तर तक पहुंचने का मौका

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। खेल के क्षेत्र में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय बेवाना की छात्रा अनुपम राजभर ने जिले का नाम रोशन करने की दिशा में कदम बढ़ाया है। कक्षा सात में पढ़ने वाली अनुपम का चयन राज्य स्तरीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता के लिए हुआ है। अब वह प्रतियोगिता में अंबेडकरनगर जिले का प्रतिनिधित्व करेंगी।
छात्रा के चयन की जानकारी मिलने के बाद विद्यालय परिवार में खुशी का माहौल है। अनुपम ने वॉलीबॉल प्रतियोगिता में अपने खेल का प्रभावी प्रदर्शन किया। इसी प्रदर्शन के आधार पर उसका चयन राज्य स्तर की प्रतियोगिता के लिए किया गया है। ग्रामीण क्षेत्र के विद्यालय में पढ़ने वाली छात्रा के लिए यह उपलब्धि महत्वपूर्ण मानी जा रही है। अनुपम के चयन पर

विद्यालय की छात्राओं और शिक्षकों ने खुशी जताई। विद्यालय में खेल गतिविधियों में भाग लेने वाली अन्य छात्राओं के लिए भी उसकी सफलता प्रेरणा-दायक मानी जा रही है। इससे छात्राओं में खेल के प्रति रुचि बढ़ने की उम्मीद है। कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में छात्राओं की शिक्षा के साथ खेल गतिविधियों को भी बढ़ावा दिया जाता है। अनुपम का राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयन इसी दिशा में विद्यालय की खेल प्रतिभा को सामने लाता है। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में अनुपम के प्रदर्शन पर अब जिले की नजर रहेगी। विद्यालय परिवार ने छात्रा की उपलब्धि पर प्रसन्नता जताते हुए उसके चयन को गौरव का विषय बताया और राज्य स्तर पर बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद जताई।
कस्तूरबा विद्यालय बेवाना की अनुपम राजभर ने बढ़ाया जिले का मान, राज्य स्तरीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता में चयनवॉलीबॉल अनुपम के चयन पर विद्यालय की छात्राओं और शिक्षकों ने खुशी जताई।

विद्यालय में खेल गतिविधियों में भाग लेने वाली अन्य छात्राओं के लिए भी उसकी सफलता प्रेरणादायक मानी जा रही है। इससे छात्राओं में खेल के प्रति रुचि बढ़ने की उम्मीद है।

अंबेडकरनगर न्यायालय परिसर में रविवार को दो चरणों में हुआ उद्घाटन

अब नए भवन में चलेगा पारिवारिक न्यायालय

प्रशासनिक न्यायाधीश ने मौके पर पहुंचकर देखीं व्यवस्थाएं

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जनपद न्यायालय परिसर में पारिवारिक मामलों की सुनवाई के लिए तैयार किए गए नवनिर्मित भवन का रविवार को उद्घाटन हुआ। सुबह 10 बजे इलाहाबाद हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति अरुण भंसाली ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भवन का ई-उद्घाटन किया। इसके बाद अंबेडकरनगर की प्रशासनिक न्यायाधीश न्यायमूर्ति नंद प्रभा शुक्ला ने न्यायालय परिसर पहुंचकर भवन का भौतिक उद्घाटन किया।

भवन का ई-उद्घाटन जनपद न्यायालय के मीटिंग हॉल में आयोजित कार्यक्रम के दौरान हुआ। इस अवसर पर हाईकोर्ट की इन्फ्रा कमेटी के चेयरमैन न्यायमूर्ति महेश चंद्र त्रिपाठी और महानिबंधक मंजीत सिंह शेरोन भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कार्यक्रम

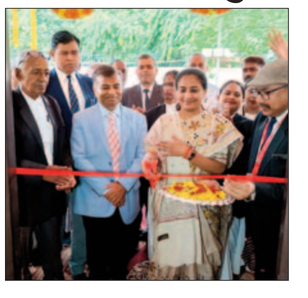

से जुड़े। ई-उद्घाटन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद प्रशासनिक न्यायाधीश न्यायमूर्ति नंद प्रभा शुक्ला नवनिर्मित भवन पहुंचीं।

उन्होंने भवन का उद्घाटन करने के साथ ही वहां उपलब्ध व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान भवन की सुविधाओं और व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया गया। कार्यक्रम के दौरान जनपद न्यायाधीश चंद्रोदय कुमार और पारिवारिक न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश राजेश भारद्वाज समेत अन्य न्यायिक अधिकारी मौजूद रहे। नए भवन के शुरू होने से पारिवारिक मामलों की सुनवाई से जुड़ी न्यायिक व्यवस्था को नया स्थान मिला है।

कार्यक्रम में जिलाधिकारी ईशा प्रिया, बार एसोसिएशन अध्यक्ष सुनील यादव, न्यायिक अधिकारी और बार के सदस्य शामिल हुए। न्यायालय के कर्मचारी और मीडिया कर्मी भी उपस्थित रहे। नवनिर्मित भवन के उद्घाटन से जनपद न्यायालय परिसर में पारिवारिक न्यायालय के लिए अलग भवन उपलब्ध हो गया है।

यूथ पार्लियामेंट में गरजी युवाओं की आवाज, 'वन नेशन-वन इलेक्शन' पर तीखी बहस

महंगाई-बेरोजगारी से लेकर शिक्षा और किसानों के मुद्दे पर हुए सवाल-जवाब

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जिला पंचायत सभागार रविवार को संसद की कार्यवाही के जीवंत मंच में तब्दील हो गया। परिवर्तन फाउंडेशन की ओर से आयोजित परिवर्तन यूथ पार्लियामेंट में जिले के युवाओं ने सत्ता पक्ष और विपक्ष की भूमिका निभाते हुए सदन की कार्यवाही का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में 'वन नेशन, वन इलेक्शन' प्रमुख मुद्दा रहा। इस पर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच युवाओं ने अपने-अपने तर्क रखे और जोरदार बहस की। यूथ पार्लियामेंट में विपक्ष की भूमिका निभा रहे युवाओं ने सरकार से महंगाई, बेरोजगारी, शिक्षा और किसानों से जुड़े सवाल पूछे। सवालों के जरिए युवाओं ने आम लोगों से जुड़े मुद्दों को सदन के सामने रखने की कोशिश की। इसके जवाब में सत्ता पक्ष की

भूमिका में मौजूद युवाओं ने सरकार का पक्ष रखा और विपक्ष के सवालों का जवाब दिया। सवाल-जवाब के इस दौर में सदन की कार्यवाही को वास्तविक संसद की तर्ज पर प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया। युवाओं ने बहस के दौरान अपनी बात रखने, दूसरे पक्ष के तर्क सुनने और मुद्दों पर जवाब देने की प्रक्रिया को समझा। इससे उन्हें लोकतांत्रिक व्यवस्था और संसदीय कार्यप्रणाली को करीब से जानने का अवसर मिला। परिवर्तन फाउंडेशन के मृत्युंजय मिश्रा ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों और युवाओं में लोकतांत्रिक मूल्यों और संसदीय व्यवस्था की समझ विकसित करना है। उन्होंने कहा कि जेन-जी पीढ़ी के युवाओं के लिए यह समझना जरूरी है कि लोकतांत्रिक व्यवस्था किस तरह काम करती है। चुनाव, चुनावी फंडिंग और कानून बनाने की प्रक्रिया इसके महत्वपूर्ण हिस्से हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं को संसद में होने वाली बहस के साथ चुने गए जनप्रतिनिधियों की देश, क्षेत्र और जनता के प्रति जिम्मेदारियों को भी समझना चाहिए। यूथ पार्लियामेंट युवाओं को इन्हीं विषयों पर चर्चा और संसदीय प्रक्रिया का अनुभव लेने का मंच उपलब्ध कराती है।

20 सितंबर को होगा बहुजन प्रतिभा सम्मान समारोह, तैयारियों की बनी रणनीति

बीएस-3 की बैठक में आयोजन की समीक्षा, यूपी बोर्ड के मेधावी छात्र-छात्राओं को किया जाएगा सम्मानित

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। बहुजन सेवा संगठन (बीएस-3) की बैठक राहुलनगर कॉलोनी, अकबरपुर स्थित त्रिभुवन दत्त के आवास पर हुई। इसमें 20 सितंबर को शहजादपुर स्थित मयूर रिसॉर्ट में होने वाले बहुजन प्रतिभा सम्मान समारोह की तैयारियों की समीक्षा की गई। आयोजन को सफल बनाने के लिए जिम्मेदार कार्यकर्ताओं को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपने और तैयारियों को समय से पूरा करने पर चर्चा हुई। समारोह में यूपी बोर्ड 2026 की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षा उत्तीर्ण अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक वर्ग के मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया जाएगा। इसके लिए आवेदन फार्म जमा करने की अंतिम तिथि 10 सितंबर निर्धारित की गई है। कार्यक्रम में दिल्ली के हिंदू कॉलेज के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. रतन लाल और लखनऊ के केएमसी भाषा विश्वविद्यालय की विभागाध्यक्ष डॉ. पूनम चौधरी समेत अन्य वक्ताओं के संबोधन प्रस्तावित हैं। बैठक में समारोह की रूपरेखा और तैयारियों को लेकर रणनीति बनाई गई। बीएस-3 के संरक्षक और पूर्व सांसद त्रिभुवन दत्त की मौजूदगी में हुई बैठक में संयोजक मोहितराम, सह संयोजक लाल बहादुर प्रभाकर, संतोष कुमार, अरविंद कुमार, अविनाश चौधरी, राम केवल यादव, योगेंद्र आर्य, संतराज सक्सेना, सत्येंद्र आर्य, अनिल यादव, कैलाश सिद्धार्थ, रवींद्र कुमार, राकेश कुमार, राममूरत गौतम, पूर्व ब्लॉक प्रमुख प्रमोद दत्त, अजय गौतम एडवोकेट, संजय गौतम, धर्मराज गौतम, बांकेलाल गौतम और अन्नू कन्नौजिया समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म, नर्सिंग होम संचालक को उम्रकैद

अनुसूचित जाति की युवती से 2022 से मार्च 2024 तक संबंध बनाने का आरोप

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जहांगीरगंज क्षेत्र में अनुसूचित जाति की युवती को शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने के मामले में अदालत ने आशीर्वाद नर्सिंग होम के संचालक अभिषेक वर्मा को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। विशेष न्यायाधीश एससी/एसटी एक्ट चिंता राम की अदालत ने अनुसूचित जाति की महिला की पहचान जानते हुए गंभीर अपराध करने के लिए 20 हजार रुपये अर्थदंड लगाया। दुष्कर्म के मामले में 10 वर्ष के सश्रम कारावास और 10 हजार रुपये जुर्माने की सजा भी सुनाई गई। दोनों सजाएं साथ चलेंगी। कुल अर्थदंड 30 हजार रुपये है। जहांगीरगंज क्षेत्र की युवती ने 31 जुलाई 2024 को अभिषेक वर्मा के

खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। अभियोजन के अनुसार, अभिषेक ने वर्ष 2022 से चार मार्च 2024 तक शादी का भरोसा देकर युवती से शारीरिक संबंध बनाए। इस दौरान युवती गर्भवती हो गई। उसने शादी के लिए दबाव बनाया तो अभिषेक ने विवाह करने से इन्कार कर दिया। अभियोजन की ओर से गर्भपात कराए जाने का आरोप भी लगाया गया था। मुकदमे की सुनवाई के दौरान अदालत के समक्ष यह तथ्य आया कि अभिषेक को युवती की अनुसूचित जाति की जानकारी थी। आरोप के अनुसार, शादी से इन्कार करते समय उसने युवती की जातिगत पहचान का हवाला दिया। अदालत ने उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर दुष्कर्म और पीड़िता की जाति की जानकारी होने के बावजूद गंभीर अपराध करने के आरोपों को संदेह से परे साबित माना। मामले की सुनवाई के दौरान पीड़िता समेत सात गवाहों के बयान कराए गए। अभियोजन ने तहरीर, मजिस्ट्रेट के समक्ष दर्ज बयान, मेडिकल रिपोर्ट, घटनास्थल का नक्शा और एफआईआर समेत अन्य दस्तावेज अदालत में प्रस्तुत किए। गवाहियों और अभिलेखीय साक्ष्यों के आधार पर अदालत ने अभिषेक वर्मा को दोषी ठहराया और दोनों मामलों में सजा सुनाई।

सम्पादकीय

राम मंदिर ट्रस्ट से उठे नए सवाल

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने सेवानिवृत्त एयर मार्शल जीतेंद्र मिश्रा को अपना पहला मुख्य कार्यकारी अधिकारी यानी सीईओ बनाया है। इस ट्रस्ट में अब तक कभी सीईओ को नियुक्तनहीं किया गया था। इसलिए खबरों में बताया जा रहा है कि ट्रस्ट के इतिहास में पहली बार कोई सीईओ बना है। ये और बात है कि यह इतिहास महज छह साल पुराना है, क्योंकि यह 2020 में बना है। लेकिन भारतीय वायुसेना के इतिहास में और आजाद भारत के 80 बरसों के इतिहास में शायद यह पहली बार है कि किसी रिटायर्ड वरिष्ठ वायुसेना अधिकारी को मंदिर का सीईओ बनाया गया हो। जीतेंद्र मिश्रा अभी चार महीने पहले ही 30 अप्रैल को सेवानिवृत्त हुए हैं। अमूमन भारतीय वायुसेना और अन्य सैन्य बलों के अधिकारियों के लिए रिटायरमेंट के बाद कॉर्पोरेट या प्राइवेट सेक्टर (कमर्शियल नौकरियों) में जाने के लिए 1 साल का कूलिंग-ऑफ पीरियड निर्धारित है। यदि कोई ग्रुप 'ए' या समकक्ष रैंक का अधिकारी सेवानिवृत्ति के एक साल के भीतर किसी निजी कंपनी या व्यावसायिक संस्थान में नौकरी में आना चाहता है, तो उसे रक्षा मंत्रालय से पूर्व अनुमति लेनी अनिवार्य होती है। जीतेंद्र मिश्रा के मामले में संभवतः इस नियम में ढील दी गई है, या फिर रक्षा मंत्रालय ने पहले ही उनके लिए अनुमति दे दी होगी, या ये भी हो सकता है कि श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट न कॉर्पोरेट के दायरे में आता है न निजी संस्थान के, इसके लिए कोई और ही विशेष दर्जा बनाया गया हो, जिसकी जानकारी संघ या भाजपा ही बेहतर दे सकती है। देश में कई बड़े, प्राचीन और ऐतिहासिक मंदिर चारों दिशाओं में बने हुए हैं, जिनमें सालाना अरबों-खरबों का चढ़ावा आता है, इन मंदिरों के प्रबंधक कई धार्मिक, सामाजिक, सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करवाते हैं। लेकिन कभी न इनके हिसाब-किताब में गड़बड़ी की शिकायतें आईं, न चढ़ावा चोरी की खबरें आईं। मंदिर प्रबंधकों की नियुक्ति में छोटे या स्थानीय स्तर पर राजनीति भले होती रही हो, लेकिन केंद्र सरकार और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सीधे दखलंदाजी भी नहीं रही। अयोध्या में बना राम मंदिर इस मामले में शुरु से अलग ही रहा। भाजपा ने इसी राम मंदिर को बनवाने के वादे के साथ साल-दर-साल चुनाव लड़े। हालांकि उसका यह वादा तभी पूरा होता जब सुप्रीम कोर्ट से इस मामले में फैसला आता। भाजपा को इसके लिए ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़ा। 2019 में अदालत ने बाबरी मस्जिद तोड़ने को गलत बताते हुए भी उसी जमीन पर फिर से मस्जिद बनाने की जगह मंदिर बनाने के लिए जगह दे दी। फिर नरेन्द्र मोदी ने इसका भूमिपूजन किया, मंदिर बनना शुरु हो गया और 22 जनवरी 2024 को इसकी प्राण प्रतिष्ठा कर दी गई, ताकि आम चुनावों में भाजपा लोगों को बता सके कि उसने वादा पूरा किया। इसमें संविधान ने लोगों के साथ हर तरह से इंसाफ का जो वादा किया है, वो टूट गया, लेकिन इसकी परवाह न अदालत ने की, न सत्तारुढ़ भाजपा ने। मुसलमानों को दूसरी जगह पर मस्जिद बनाने के लिए जगह दी गई और आज तक उन दोषियों को सजा नहीं मिली है, जिनके कारण बाबरी मस्जिद तोड़ी गई। इस बीच राम मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ जुटनी शुरु हो गई और फिर नए किस्म के दोषी यहां खड़े हो गए। जिन्होंने भक्तों के चढ़ाए हुए करोड़ों रूपए अपनी जेबों में भर लिए। इन दोषियों की भी न पूरी शिनाख्त हुई है, न उन्हें सजा देने के आसार दिख रहे हैं। जब से राम मंदिर ट्रस्ट ने नयी नियुक्तियों की घोषणा की है, इसी पर चर्चा तेज हो गई है कि इसमें अब कौन-कौन लोग शामिल हो रहे हैं।

पुराने जिन लोगों ने चढ़ावे की चोरी की, भक्तों की श्रद्धा को ठगी में बदल दिया, उनका क्या होगा, इस पर चर्चाएं गौण बना दी गई हैं। भाजपा का यही तरीका रहा है कि एक मुद्दे से ध्यान भटकाने के लिए दूसरा मुद्दा खड़ा कर दो। बहरहाल, ट्रस्ट को नए सीईओ समेत नए पदाधिकारी मिल गए हैं, लेकिन क्या इनसे चोरी हुआ चढ़ावा वापस आ पाएगा, यह देखना होगा। इस नयी नियुक्ति में एक अहम सवाल यह भी उठ रहा है कि आखिर सेवानिवृत्त एयर मार्शल जीतेंद्र मिश्रा को मंदिर ट्रस्ट का सीईओ बनाकर भाजपा कोई संदेश सशस्त्र बलों को देना चाह रही है। क्योंकि मोदी सरकार में ऐसे कई प्रकरण हुए हैं, जिनमें सेना राजनीति का हिस्सा बनती दिखी, जबकि अब तक कांग्रेस, भाजपा या अन्य दलों की जितनी सरकारें बनीं, सेना को सियासी उथल-पुथल से दूर रखा गया।

समंदर की उफनती लहरें और कंक्रीट का ढहता गुरूर : मुंबई, कोलकाता और ढाका की त्राहि-त्राहि

"इस संकट की जड़ें केवल समुद्र के बढ़ते जलस्तर में नहीं हैं, बल्कि आधुनिक विकास के उस अंधे मॉडल में हैं जिसने प्रकृति को हमेशा अपनी दासी समझा है। भारत की आर्थिक राजधानी मुंबई का उदाहरण हमारे सामने है।

संयुक्त राष्ट्र की हालिया रिपोर्ट ने एक बार फिर उस कड़वी और भयावह हकीकत को हमारे सामने ला खड़ा किया है, जिससे हम लगातार अपनी आँखें मूँदने की कोशिश करते रहे हैं। मुंबई, कोलकाता और ढाका जैसे दक्षिण एशिया के सबसे जीवंत, आर्थिक रूप से समृद्ध और घनी आबादी वाले महानगरों के समुद्र में समा जाने की चेतावनी अब किसी हॉलीवुड विज्ञान-कथा (साइंस-फिक्शन) का हिस्सा नहीं रह गई है, बल्कि यह हमारे दरवाजे पर दस्तक दे रही एक ऐसी आसन्न त्रासदी है जिसकी पटकथा हमने खुद लिखी है। सोशल मीडिया और सनसनीखेज खबरों के इस दौर में भले ही इन शहरों के रातों-रात पानी में डूब जाने की अफवाहें उड़ाई जा रही हों, लेकिन इस अतिशयोक्ति के पीछे छिपा वास्तविक सच किसी महाविनाश से कम नहीं है। संयुक्त राष्ट्र की चेतावनी के अनुसार, दक्षिण एशिया के इन निचले डेल्टा क्षेत्रों में रहने वाले लगभग डेढ़ करोड़ लोग आने वाले दशकों में हमेशा के लिए बेघर हो सकते हैं। यह केवल कुछ शहरों के भूगोल के बदलने का संकट नहीं है, बल्कि यह पूरी मानवता, अर्थव्यवस्था और हमारी संप्रभुता के अस्तित्व पर एक ऐसा प्रहार है, जिसकी भरपाई आने वाली कई सदियाँ भी नहीं कर पाएँगी। कंक्रीट के इस जंगल ने जमीन के भीतर की उन नसों को सुखा दिया है जो पानी को सोखती थीं। भूजल के अंधाधुंध दोहन के कारण मुंबई की जमीन हर साल कुछ मिलीमीटर नीचे धंस रही है, जिसे वैज्ञानिक भाषा में 'लैंड सबसिडेंस' कहा जाता है। एक तरफ ऊपर से बढ़ता समंदर और दूसरी तरफ नीचे धंसती जमीन—मुंबई आज प्रकृति के दोहरे शिकंजे में है। हर साल मानसून में मुंबई की सड़कों पर दिखने वाला समंदर दरअसल प्रकृति का वह उग्र रूप है जो हमें याद दिलाता है कि जिसे हम विकास कह रहे हैं, वह दरअसल विनाश का एक धीमा जहर है। दूसरी ओर, कोलकाता और ढाका की स्थिति और भी अधिक संवेदनशील और भौगोलिक रूप से चिंताजनक है। ये दोनों ही महानगर दुनिया के सबसे बड़े गंगा-ब्रह्मपुत्र-मेघना डेल्टा के मुहाने पर बसे हैं। समुद्र तल से नाममात्र की ऊंचाई पर स्थित होने के कारण, बंगाल की खाड़ी में होने वाली मामूली हलचल भी इन शहरों के अंतःकरण को हिलाकर रख देती है। जलवायु परिवर्तन के कारण चक्रवातों की आवृत्ति और उनकी तीव्रता में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। अम्फान, यास और रेमल जैसे चक्रवातों ने हाल के वर्षों में जो तबाही मचाई है, वह केवल एक झांकी थी। समुद्र का खारा पानी अब केवल तटीय इलाकों तक सीमित नहीं है, बल्कि वह नदियों के रास्ते इन महानगरों के मीठे पानी के स्रोतों और कृषि योग्य भूमि को नष्ट कर रहा है। ढाका, जो कभी अपनी मलमल और नदियों के लिए जाना जाता था, आज दुनिया के सबसे प्रदूषित और जलवायु रूप से संवेदनशील शहरों में से एक बन चुका है। बांग्लादेश के ग्रामीण इलाकों से हर साल लाखों लोग जलवायु शरणार्थी (क्लाइमेट रिफ्यूजी) बनकर ढाका की झुग्गियों में पनाह ले रहे हैं, जिससे इस शहर का ढांचा पूरी तरह चरमरा गया है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन के आंकड़े बताते हैं कि वैश्विक समुद्र का जलस्तर अब तक की सबसे तेज गति से बढ़ रहा है। ग्लेशियरों का पिघलना और गर्म होते महासागरों के पानी का फैलाव कोई ऐसी प्रक्रिया नहीं है जिसे हम रातों-रात रोक सकें। इस संकट का सबसे क्रूर पहलू यह है कि जिन देशों और आम नागरिकों ने वैश्विक कार्बन उत्सर्जन में सबसे कम योगदान दिया है, वे ही इस त्रासदी की पहली कतार में खड़े हैं। मुंबई की झोपड़पट्टियों में रहने वाला मजदूर, सुंदरवन के द्वीपों पर खेती करने वाला किसान या ढाका की फैक्ट्रियों में काम करने वाला आम नागरिक—ये वे लोग हैं जिनके पास इस आपदा से बचने के लिए कोई एयर-कंडीशनर कमरा या किसी ऊंचे पहाड़ पर बना दूसरा घर नहीं है। जब समंदर का पानी बस्तियों में घुसेगा, तो यह अमीर और गरीब की खाई को पाटते हुए सबको अपनी चपेट में लेगा, लेकिन सबसे पहले और सबसे बुरी तरह वही कुचला जाएगा जो आर्थिक रूप से कमजोर है। संयुक्त राष्ट्र की इस रिपोर्ट को केवल एक चेतावनी मानकर फाइलों में बंद कर देना सबसे बड़ी ऐतिहासिक भूल होगी। यह समय वैश्विक नेताओं के लिए खोखले वादों और जलवायु सम्मेलनों में लंबी-चौड़ी घोषणाएँ करने का नहीं, बल्कि जमीन पर सख्त और ठोस कार्रवाई करने का है। हमें यह समझना होगा कि पारंपरिक इंजीनियरिंग के तरीके, जैसे कि केवल तटीय दीवारें खड़ी कर देना या ड्रेनेज सिस्टम को थोड़ा साफ कर देना, अब इस महासंकट का समाधान नहीं कर सकते। हमें प्रकृति के साथ सामंजस्य बिठाकर जीने की कला को दोबारा सीखना होगा। तटीय क्षेत्रों में मैंग्रोव (सदाबहार वन) की रक्षा करना हमारा सबसे पहला रक्षा कवच होना चाहिए। मैंग्रोव के जंगल केवल पेड़ नहीं हैं, बल्कि वे समंदर की उग्र लहरों की गति को थामने वाले प्रकृति के अपने सैनिक हैं। दुर्भाग्य से, शहरीकरण और रिसॉर्ट्स बनाने के नाम पर हमने इन प्राकृतिक दीवारों को खुद ही ढहा दिया है। इसके साथ ही, शहरी नियोजन (टाउन प्लानिंग) के सिद्धांतों में एक क्रांतिकारी बदलाव की आवश्यकता है। अब समय आ गया है कि 'स्पंज सिटी' (Sponge City) जैसी अवधारणाओं को अनिवार्य रूप से लागू किया जाए, जहाँ कंक्रीट की जगह ऐसी सतहें बनाई जाती हैं जो बारिश के पानी को सोख सकें और उसे वापस जमीन के भीतर भेज सकें। मुंबई और कोलकाता जैसे शहरों में झीलों, तालाबों और आर्द्रभूमियों (वेटलैंड्स) को पुनर्जीवित करना होगा, जिन्हें भू-माफियाओं ने लालच की वेदी पर चढ़ा दिया है। यह आर्द्रभूमियाँ शहरों के 'फेफड़े और गुर्दे' की तरह काम करती हैं, जो न सिर्फ बाढ़ के पानी को रोकती हैं बल्कि पर्यावरण का संतुलन भी बनाए रखती हैं।

■ अशोक भाटिया

बदलते दौर में लोगों ...

डॉ. नीरज भारद्वाज

रामदूत अतुलित बल धामा : हनुमान अंश

सिनेमा मनोरंजन का सबसे बड़ा साधन बनकर उभरा है। इससे पहले किस्सागोई, कहानीआदि मनोरंजन के साधन रहे। फिर नाटक समाज में आया, नाटक को अलग-अलग क्षेत्र में अलग-अलग नामों से जाना जाता है। नाटक मनोरंजनपरक, ऐतिहासिक, सामाजिक, पौराणिक कथाओं आदि को लेकर बने। यह लोगों के बीच लोकप्रिय भी रहे। नाटक मंच पर खेला जाता है। पहले नाटक में नारी पात्र की भूमिका भी पुरुष ही निभाते थे। फिर धीरे-धीरे नारी पात्र के रूप में नारियों ही आने लगी। नाटक में गीतों का भी गया जाना महत्वपूर्ण रहा। धीरे-धीरे तकनीक का युग आया तो नाटक की जगह धारावाहिकों ने ले ली लेकिन रंगमंच पर नाटक आज भी खेले जा रहे हैं। इसी के साथ ही सिनेमा अर्थात फिल्में तेजी से बनने लगी। फिल्में भी अलग-अलग विषयों को लेकर बनाई जाने लगी। वर्तमान में हिंदी सिनेमा अर्थात फिल्मों ने एक लंबी यात्रा पूरी कर ली है। तकनीक का प्रयोग भी बहुत तेजी से फिल्मों में बढ़ रहा है। फिल्मों पर होने वाला खर्च भी बढ़ रहा है। फिल्मों को देखने वाले दर्शक भी अलग-अलग तरह की फिल्में देखना पसंद करते हैं। उसी के आधार पर सिनेमा भी बन जाता है। हाल ही में फिल्म हनुमान अंश प्रसारित हुई। फिल्म ना बड़े बजट की है और ना ही फिल्म में फिल्मी दुनिया का कोई बड़ा सितारा काम कर रहा है। ना ही फिल्म में कोई बड़ा संगीतकार और गायक है। फिर भी फिल्म ने कमाई के मामले में बड़ी-बड़ी फिल्मों को पीछे छोड़ दिया है। फिल्म की शुरूआत धीमी रही लेकिन देखते ही देखते फिल्म लोगों के बीच लोकप्रिय होने लगी। यह फिल्म भारतीय आस्था, भक्ति, साधना, अध्यात्म, ज्ञान, संस्कृति, संत ज्ञान परंपरा से सीधी जुड़ी हुई है। संत के दर्शन, संत की संगत, संत का भाव, संत का चरित्र, संत का समाज में महत्व आदि विशेष गुणों को बताती, समझती और दिखाती है। फिल्म में गाने नहीं बल्कि भजन को गया गया है। फिल्म में लोकप्रिय भजनमैंने तेरे ही भरोसे...प्रज्ञा चक्षु के कंठ से निकाला और फिल्म का हिस्सा बन गया। विचार करें तो संत सभी को साथ लेकर चलते हैं। भारतीय सिनेमा समयानुसार पौराणिक आख्यानों और सांस्कृतिक धरोहरों को नए दृष्टिकोण से पर्दे पर प्रस्तुत करता रहा है। हनुमान अंश फिल्म संत जीवन पर बनी है। यह फिल्म हमारी संत और ज्ञान परंपरा को आधुनिक संदर्भों से जोड़कर युवाओं को अपनी जड़ों से जोड़ने का प्रयास करती है। फिल्म में संत द्वारा भगवान श्री हनुमान जी की भक्ति, साधना को दिखाया गया है। फिल्म में हनुमान जी की भक्ति को महज एक धार्मिक अनुष्ठान के रूप में नहींबल्कि जीवन जीने के एक आदर्श मार्ग के रूप में दिखाया गया है। यह दर्शकों को संदेश देती है कि मन में विश्वास और धर्म का मार्ग अपनाने से बड़ी से बड़ी बाधाओं पर विजय पाई जा सकती है। बदलते दौर में लोगों को कई बार ऐसा भी लगता है कि तेजी से बदलते युग में हमारी युवा पीढ़ी अपने सांस्कृतिक जीवन से दूर होती जा रही है। ऐसे में सिनेमा के रुपहले पर्दे पर हनुमान अंश का फिल्म का आना और लोगों का इसे पसंद करना बहुत ही महत्वपूर्ण है।'हनुमान अंश' फिल्म सुपरहीरो संस्कृति के दौर में हमारे संतोकी महत्ता, ज्ञान, शक्ति, महानता को सामने लेकर आई है।इससे युवाओं में अपनी संस्कृति के प्रति गर्व और सम्मान की भावना जागृत हुई है। इस फिल्म को लोग बढ़ चढ़कर अपने परिवार के साथ, मित्र मंडली के साथ देखने सिनेमाघरों में जा रहे हैं। बहुत से लोग तो फिल्म के शुरू होने और बाद में हनुमान चालीसा का पाठ भी कर रहे हैं। फिल्म भक्ति और आस्था को जागृत करती है। यह फिल्म हमारी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक यात्रा को दिखाती है। सत्य यह भी है कि जब भी समाज पथ भ्रमित होता है, उसमें भ्रांतियाँ पैदा होती है तो संत ही समाज को सही मार्ग पर आगे लेकर चलते हैं। संत जीवन पर बनी इस फिल्म ने सभी को पीछे छोड़ दिया है और नकारात्मक सिनेमा को उत्तर दे दिया है कि भारतीय ज्ञान परंपरा और भारतीय जीवन शैली आज भी अपनी पौराणिक मान्यताओं, आस्था आदि के साथ रहने वाली है। बदलते दौर में लोगों को कई बार ऐसा भी लगता है कि तेजी से बदलते युग में हमारी युवा पीढ़ी अपने सांस्कृतिक जीवन से दूर होती जा रही है। ऐसे में सिनेमा के रुपहले पर्दे पर हनुमान अंश का फिल्म का आना और लोगों का इसे पसंद करना बहुत ही महत्वपूर्ण है।'हनुमान अंश' फिल्म सुपरहीरो संस्कृति के दौर में हमारे संतोकी महत्ता, ज्ञान, शक्ति, महानता को सामने लेकर आई है।इससे युवाओं में अपनी संस्कृति के प्रति गर्व और सम्मान की भावना जागृत हुई है। इस फिल्म को लोग बढ़ चढ़कर अपने परिवार के साथ, मित्र मंडली के साथ देखने सिनेमाघरों में जा रहे हैं। बहुत से लोग तो फिल्म के शुरू होने और बाद में हनुमान चालीसा का पाठ भी कर रहे हैं। फिल्म भक्ति और आस्था को जागृत करती है। यह फिल्म हमारी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक यात्रा को दिखाती है। सत्य यह भी है कि जब भी समाज पथ भ्रमित होता है, उसमें भ्रांतियाँ पैदा होती है तो संत ही समाज को सही मार्ग पर आगे लेकर चलते हैं। संत जीवन पर बनी इस फिल्म ने सभी को पीछे छोड़ दिया है।

बिहार में निवेश ...

कुमार कृष्णन

निवेश की कसौटी पर बिहार की असली परीक्षा

बिहार में विकास की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि संभावनाओं की कमी के बावजूद निवेश का भरोसा पैदा नहीं हो पा रहा है। श्रमशक्ति प्रचुर है, उपभोक्ता बाजार बड़ा है, कृषि आधारित अर्थव्यवस्था का व्यापक आधार है और पिछले वर्षों में सड़क, बिजली तथा संपर्क के क्षेत्र में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। फिर भी निजी पूंजी बिहार से दूरी बनाए हुए है। राज्य के युवा रोजगार की तलाश में दूसरे राज्यों में जाते हैं और वहां अपनी मेहनत से अर्थव्यवस्था को गति देते हैं। बिहार में उनकी जगह अक्सर निवेश के वादे आते हैं लेकिन वे वादे उत्पादन और रोजगार में कितने बदलते हैं, इसका हिसाब सार्वजनिक बहस का हिस्सा कम ही बनता है।

नीति आयोग का निवेश अनुकूलता सूचकांक 2026 बिहार के इसी अंतर्विरोध को आंकड़ों में सामने रखता है। 41.2 अंकों के साथ बिहार 17 बड़े राज्यों में अंतिम और 36 राज्यों तथा केंद्रशासित प्रदेशों में 26वें स्थान पर है। यह रैंकिंग किसी राज्य की नियति नहीं हो सकती, लेकिन इसे महज एक आंकड़ा मानकर खारिज करना भी आत्मप्रवंचना होगी। सवाल यह नहीं है कि बिहार की रैंकिंग खराब क्यों है। बड़ा सवाल यह है कि इतने संसाधनों और इतनी बड़ी आबादी वाला राज्य निवेश के लिए अपेक्षित भरोसे का वातावरण क्यों नहीं बना सका।

नीति आयोग ने बिहार को 'उभरते प्रदर्शनकर्ता' की श्रेणी में रखा है। रिपोर्ट यह भी संकेत देती है कि आधारभूत ढांचे और संसाधनों की स्थिति अपेक्षाकृत बेहतर है, जबकि व्यापारिक माहौल और वित्तीय स्वास्थ्य में सुधार की जरूरत है। यानी बिहार की समस्या अब केवल सड़क और बिजली की नहीं है। बुनियादी ढांचा जरूरी है, लेकिन वह अपने आप में औद्योगिकीकरण की गारंटी नहीं है।

निवेशक के लिए सड़क मंजिल नहीं, साधन है। वह यह भी देखता है कि जमीन कैसे मिलेगी, अनुमति कितने दिनों में मिलेगी, बिजली कितनी विश्वसनीय होगी, कर और नियामकीय व्यवस्था कितनी स्पष्ट होगी, माल की आवाजाही कितनी सुगम होगी, विवाद की स्थिति में न्याय कितना जल्दी मिलेगा और सरकार बदलने के साथ नीतियां कितनी बदलेंगी। पूंजी जोखिम से नहीं डरती लेकिन अनिश्चितता से डरती है। बिहार की चुनौती इसी अनिश्चितता को कम करने की है।

बिहार में निवेश के नाम पर अक्सर सम्मेलन होते हैं, समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर होते हैं और करोड़ों-अरबों रुपये के प्रस्तावों की घोषणाएं होती हैं लेकिन घोषणा और निवेश के बीच की दूरी पर गंभीर सवाल पूछे जाने चाहिए। कितने समझौते वास्तव में परियोजनाओं में बदले? कितनी परियोजनाओं को जमीन मिली? कितनों ने उत्पादन शुरू किया? कितने उद्योग पांच साल बाद भी चल रहे हैं? कितने स्थानीय युवाओं को स्थायी रोजगार मिला?

निवेश की सफलता का पैमाना कागज पर लिखी रकम नहीं हो सकता। वह कारखाने के चलने, उत्पादन बढ़ने, स्थानीय आपूर्ति श्रृंखला बनने और परिवारों की आय बढ़ने में दिखाई देता है।

जरा हटके

8 जुलाई को पूरी ...

धर्मवीर खरे

कौशल विकास के अन्तर्गत 'प्रोजेक्ट प्रवीण' बनी युवाओं के भविष्य की नई उड़ान

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश कौशल विकास के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनकर उभरा है और इसकी सबसे बड़ी योजना 'प्रोजेक्ट प्रवीण' है। प्रदेश के युवाओं को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी भविष्य की तकनीक से जोड़ने और गांव-शहर के बीच डिजिटल अंतर को खत्म करने की दिशा में शुरू की गई इस पहल के बेहद सकारात्मक और उत्साहजनक परिणाम सामने आए हैं। उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन द्वारा माध्यमिक और एडेड स्कूलों में संचालित 4 घंटे के 'ए.आई. फॉर ऑल' कोर्स की राज्य स्तरीय मूल्यांकन परीक्षा में लगभग 50 हजार छात्र-छात्राओं ने भाग लिया और औसतन 70.41 प्रतिशत का शानदार स्कोर हासिल कर यह साबित कर दिया कि उत्तर प्रदेश का युवा यदि अवसर मिले तो दुनिया की किसी भी तकनीक में महारत हासिल कर सकता है। यह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की 'स्किल्ड यूपी-समर्थ यूपी' के संकल्प को साकार करने की दिशा में एक बड़ा और निर्णायक कदम है। प्रदेश सरकार की कार्यशैली की सबसे बड़ी पहचान पारदर्शिता और समयबद्धता है। इस विशाल परीक्षा का आयोजन पूर्णतः पारदर्शी और कुशल तरीके से मात्र 5 दिनों के रिकॉर्ड समय में पूरा किया गया। 8 जुलाई को पूरी गोपनीयता के साथ प्रश्न-पत्र जिलों को भेजे गए, 9 जुलाई को मुख्य परीक्षा, 10 जुलाई को अनुपस्थित छात्रों के लिए विशेष परीक्षा आयोजित हुई और 13 जुलाई तक प्रदेश के 73 जिलों में मूल्यांकन कर परिणाम मिशन मुख्यालय को भेज दिये गए। परिणाम 8 अगस्त को सत्यापित किए गए। इतने कम समय में 50 हजार छात्रों की परीक्षा और मूल्यांकन कराना अपने आप में एक रिकॉर्ड है। परीक्षा के परिणाम प्रदेश सरकार की शिक्षा नीति की सफलता की कहानी हैं। परीक्षा में 89 प्रतिशत से अधिक छात्र सफल रहे, जिन्हें तीन श्रेणियों में बांटा गया है। उत्.ष्ट श्रेणी (80 प्रतिशत से अधिक अंक): 12,500 से अधिक परीक्षार्थी 80 से ज्यादा अंक लाकर 'टॉप' श्रेणी में रहे। यानी हर चौथा छात्र 80 प्रतिशत से अधिक अंक लाया। यह 25 प्रतिशत से अधिक टॉप श्रेणी प्रदेश सरकार के गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण का प्रमाण है। सक्षम श्रेणी (50 से 80 अंक): सबसे बड़ा वर्ग रहा है। 28,000 से अधिक छात्रों ने इस श्रेणी में अंक हासिल किए। यह वर्ग भविष्य के लिए तैयार कुशल कार्यबल है। योग्य श्रेणी (50 से कम अंक): केवल 4,819 छात्र इस वर्ग में रहे। प्रदेश सरकार की सोच है।

स्त्रियाँ

खुद के घाव भरने वाली स्त्रियाँ
संघर्ष से नहीं कतरातीं।
वे जानती हैं
कि हर पीड़ा के भीतर
एक अनकही शक्ति जन्म
लेती है,
हर टूटन के मलबे में
एक नई शुरुआत का बीज
छिपा होता है।
वे अपने आँसुओं को
कमज़ोरी की तरह नहीं,
अपनी आत्मा की धुलाई की
तरह बहने देती हैं,
और फिर उन्हीं भीगी आँखों
से
देखती हैं—
एक नया सवेरा।
जिन स्त्रियों ने
अपने घावों पर स्वयं मरहम
रखा हो,
उन्हें किसी सहारे की आदत
नहीं रहती।
वे गिरती हैं तो
धरती से उठना सीखती हैं,
टूटती हैं तो
अपने ही बिखरे हुए टुकड़ों से
एक और सुदृढ़ व्यक्तित्व गढ़
लेती हैं।
उनकी चुप्पी को
कभी उनकी हार मत समझना,
क्योंकि कई बार
सबसे गहरे संघर्ष
शब्दों से नहीं,
खामोशी में लड़े जाते हैं।
वे जानती हैं
कि जीवन ने उन्हें
हमेशा फूलों की सेज नहीं दी,
इसलिए उन्होंने
काँटों के बीच भी
चलने का हुनर सीख लिया है।
अब उन्हें डर नहीं लगता
अँधेरों से,
क्योंकि वे अपने भीतर
एक दीपक जला चुकी हैं।
अब उन्हें भय नहीं
किसी के छोड़ जाने का,
क्योंकि वे स्वयं को
हर बार सँभाल चुकी हैं।
खुद के घाव भरने वाली
स्त्रियाँ
संघर्ष से नहीं कतरातीं—
वे संघर्ष को अपनी नियति
नहीं,
अपनी शक्ति का प्रमाण बना
देती हैं।
और जब वे चलती हैं
तो उनके कदमों की आहट में
सिर्फ़ एक स्त्री की कहानी
नहीं होती,
बल्कि उन तमाम स्त्रियों की
प्रतिध्वनि होती है
जो टूटकर भी बिखरी नहीं,
रोकर भी रुकी नहीं,
और हारकर भी
अपने भीतर की जीत को
मरने नहीं दिया।

■ डिम्पल तिवारी रामप्रिया

हीरो मोटोकॉर्प, हिंदुस्तान यूनिलीवर समेत चार प्रमुख कंपनियां करेंगी प्रतिभाग

11 सितंबर को आईटीआई लखनऊ में लगेगा विशाल महिला रोजगार मेला

तैयारी

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई), अलीगंज, लखनऊ में महिलाओं एवं युवतियों को रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 11 सितंबर 2026 (शुक्रवार) को विशाल रोजगार एवं प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया जाएगा। इस विशेष रोजगार मेले में हीरो मोटोकॉर्प, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस तथा अल्मास एक्सपोर्ट्स एंड इंपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड सहित चार प्रमुख कंपनियां प्रतिभाग करेंगी। चयन

प्रक्रिया में कैंपस प्लेसमेंट के साथ ही वॉक-इन इंटरव्यू भी आयोजित किए जाएंगे। प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने बताया कि रोजगार मेले का उद्देश्य महिलाओं एवं

इसी प्रकार अल्मास एक्सपोर्ट्स एंड इंपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड, जानकीपुरम विस्तार, लखनऊ में महिला टेलर के पदों पर भर्ती की जाएगी। सिलाई-टेलरिंग में दक्ष अथवा फ्रेशर, 18 वर्ष से अधिक आयु की महिलाएं इसमें शामिल हो सकती हैं। चयनित अभ्यर्थियों को न्यूनतम 8,000 रुपये प्रतिमाह वेतन दिया जाएगा।

युवतियों को उनकी योग्यता और कौशल के अनुरूप रोजगार उपलब्ध कराकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। आईटीआई एवं अन्य शैक्षिक योग्यता रखने वाली इच्छुक अभ्यर्थियों के लिए विभिन्न पदों पर चयन का अवसर उपलब्ध होगा। प्लेसमेंट अधिकारी एम. ए. खां ने बताया कि हीरो मोटोकॉर्प लिमिटेड, हरिद्वार प्लांट में केवल छात्राओं के लिए कैंपस प्लेसमेंट आयोजित किया जाएगा। कंपनी द्वारा 50 पदों पर भर्ती की जाएगी। इसके लिए 10वीं पास तथा फिटर, वेल्डर, इलेक्ट्रीशियन, मशीनिस्ट, टर्नर, पेंटर, COPA, ट्रैक्टर मैकेनिक आदि आईटीआई ट्रेड में NCVT/SCVT पासआउट वर्ष 2024, 2025 एवं 2026 की छात्राएं तथा अपीयरिंग छात्राएं पात्र होंगी। अभ्यर्थियों की आयु 18 से 26 वर्ष के बीच होनी चाहिए। चयनित अभ्यर्थियों को 26,450 रुपये सीटीसी तथा लगभग 18,487 रुपये प्रतिमाह इन-हैंड वेतन के साथ कैंटीन, यूनिफॉर्म, ईएसआई एवं मेडिकल जैसी सुविधाएं प्रदान की जाएंगी।

हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड, सुमेरपुर (हमीरपुर) प्लांट में ट्रेनी पद के लिए 15 महिलाओं का चयन किया जाएगा। इसके लिए 21 से 29 वर्ष की आयु की महिलाएं पात्र होंगी। इलेक्ट्रीशियन, फिटर, मशीनिस्ट, टर्नर एवं इंस्ट्रूमेंट मैकेनिक ट्रेड में आईटीआई पासआउट अभ्यर्थियों को चयन प्रक्रिया में शामिल किया जाएगा। चयनित अभ्यर्थियों को 14,000 रुपये प्रतिमाह इन-हैंड वेतन मिलेगा। एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस द्वारा लखनऊ लोकेशन के लिए फाइनेंशियल कंसलटेंट (एडवाइजर) पद पर वॉक-इन इंटरव्यू आयोजित किया जाएगा। इसके लिए 18 से 30 वर्ष की आयु की 12वीं पास अथवा स्नातक महिलाएं आवेदन कर सकती हैं। कॉलिंग वर्क के अंतर्गत 20,000 रुपये प्रतिमाह तक की आय (पेयआउट) का अवसर उपलब्ध होगा। रोजगार मेले में शामिल होने वाली सभी इच्छुक एवं योग्य अभ्यर्थियों को अपने शैक्षिक एवं तकनीकी योग्यता प्रमाणपत्र, पहचान संबंधी दस्तावेज, अन्य आवश्यक प्रमाणपत्र तथा बायोडाटा साथ लाना होगा। अभ्यर्थियों को 11 सितंबर 2026 को सुबह 10:00 बजे राजकीय आईटीआई, अलीगंज, लखनऊ के विवेकानंद हॉल एवं परिसर में उपस्थित होना होगा।

लखनऊ में हेड कॉन्स्टेबल ने पत्नी का मर्डर किया

सिर पर मारी लोहे की रॉड, साले को फोन कर लाश के पास बैठा रहा

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के महानगर थाना क्षेत्र में यूपी पुलिस के हेड कॉन्स्टेबल ने पत्नी की हत्या कर दी। घर में दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ। पति ने सिर पर लोहे की रॉड मार दी, जिससे पत्नी वहीं पर बेसुध होकर गिर पड़ी। इसके बाद हेड कॉन्स्टेबल ने साले को फोन कर बुलाया। साले पहुंचे तो देखा कि हेड कॉन्स्टेबल लाश के पास बैठा था। पत्नी के भाई अंबेडकरनगर मालेपुरा निवासी सौरभ श्रीवास्तव ने बताया- बहन रश्मि श्रीवास्तव की शादी 2015 में अयोध्या निरालानगर निवासी हिमांशु श्रीवास्तव से हुई थी।

शादी के बाद से ही सौरभ अक्सर बहन को परेशान करता था, लेकिन घर बचाने के लिए बहन बर्दाश्त करती रही। हम लोग भी उसको हर बार समझा देते थे। रविवार को छोटे भाई आदर्श ने दोपहर 3 बजे कॉल किया। बोला कि बहन की तबीयत खराब है, घर चले जाओ। जब हम बहन के घर पहुंचे तो रश्मि अपने कमरे में जमीन पर पड़ी हुई थी। पास में हिमांशु बैठा हुआ था।

बहन के सिर पर गंभीर चोट थी और खून निकल रहा था। उसकी सांस नहीं चल रही थी। सौरभ से पूछने पर उसने कोई ढंग का जवाब नहीं दिया, तब पुलिस को सूचना दी।

फास्ट न्यूज

6 साल की बच्ची से दुष्कर्म

लखनऊ। लखनऊ के गाजीपुर में 6 साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। पड़ोस में रहने वाले 50 साल के अधेड़ है। उसके साथ गंदी हरकत की घटना की जानकारी होने पर बच्ची के परिजनों ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। मनगांव सीतापुर की रहने वाली पीड़िता ने बताया वह अपने पति व 6 साल की बेटी के साथ लखनऊ के बसतौली में किराए पर रहती हैं।

लखनऊ में कैब चालकों का प्रदर्शन

लखनऊ। लखनऊ में 6 सितंबर को बाला जी चालक संघ ट्रेड यूनियन लखनऊ ने कैब चालकों की रेट की समस्या को देखते हुए लखनऊ एयरपोर्ट पार्किंग पर आंशिक रूप से निजी टैक्सी ऑपरेटिंग कंपनियों के खिलाफ धरना दिया।

सभी एप-बेस्ड कंपनियों को अलर्ट किया गया कि यदि किराए में सुधार नहीं किया गया, तो सभी चालक हड़ताल पर चले जाएंगे। धरने में अध्यक्ष संतोष कुमार, महामंत्री शैलेन्द्र सैनी, जिलाध्यक्ष इमरान खान, इम्तियाज और शहान सहित कुछ सदस्य शामिल हुए।

गोली लगने से फटी आंत का ऑपरेशन कर बचाई जान

लखनऊ। SGPGI लखनऊ के एपेक्स ट्रॉमा सेंटर के डॉक्टरों ने गोली लगने से फट गई छोटी आंत का जटिल ऑपरेशन कर 35 वर्षीय युवक की जान बचाई है। पेट में गोली लगने से मरीज के शरीर में करीब डेढ़ लीटर खून जमा हो गया था।

हालत गंभीर होने के कारण उसे वेंटिलेटर पर रखा गया। डॉक्टरों ने ऑपरेशन के दौरान क्षतिग्रस्त छोटी आंत का करीब 15 सेंटीमीटर हिस्सा काटकर निकाल दिया।

'झांसा देकर प्रेमी ने बनाए थे शारीरिक संबंध'

लखनऊ में पिता बोले- शादी से मना करने पर बेटी ने लगाई फांसी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के जानकीपुरम में 22 वर्षीय युवती ने आत्महत्या कर ली। मामले में पुलिस ने उसके प्रेमी के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मुकदमा दर्ज किया है। युवती के पिता ने आरोप लगाया कि प्रेमी ने शादी का झांसा देकर उससे संबंध बनाए और बाद में शादी से इनकार कर दिया।

सीतापुर के रामपुरकला थाना क्षेत्र स्थित सण्डौर गांव निवासी पीड़ित ने बताया कि उनकी बेटी लखनऊ में रहकर घरेलू काम करती थी। वह 31 जुलाई को जहां काम करती थी। वहां से बिना किसी को बताए चली गई थी। पिता ने बताया बेटी का सीतापुर के सूरजनपुर निवासी वीरू (20) से प्रेम संबंध था। आरोप है कि वीरू ने शादी का

झांसा देकर नीलम के साथ कई बार शारीरिक संबंध बनाए। परिवार का आरोप है कि वीरू ने आखिरी बार बेटी से मुलाकात के दौरान शादी करने से साफ इनकार कर दिया था। इससे आहत होकर बेटी ने 2 सितंबर को जानकीपुरम थाना क्षेत्र के जंगल में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मामले में पिता ने वीरू पर बेटी को आत्महत्या के लिए मजबूर करने का आरोप लगाया है। मामले में गुडंबा इंस्पेक्टर का कहना है मुकदमा दर्ज करके आरोपी युवक को पकड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

जीएसटी ने पकड़ा, चारबाग में कार्रवाई, खेप कहां से आई और किसे पहुंचनी थी, जांच शुरू

मालगाड़ी से लखनऊ पहुंचा 3 हजार किलो पान मसाला

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। जीएसटी विभाग ने रेलवे के जरिए लखनऊ लाई जा रही पान मसाले की बड़ी खेप पकड़ी है। विभाग की टीम ने चारबाग क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए करीब 3 हजार किलो पान मसाला बरामद किया। शुरुआती जांच में सामने आया है कि यह माल मालगाड़ी के जरिए लखनऊ पहुंचाया जा रहा था। जीएसटी विभाग को रेलवे के माध्यम से पान मसाले की बड़ी मात्रा में खेप लाए जाने की जानकारी मिली थी। इसके बाद टीम ने चारबाग में कार्रवाई की। जांच के दौरान बड़ी मात्रा में पान मसाला बरामद होने के बाद विभाग ने माल से जुड़े दस्तावेजों

■ लखनऊ में जीएसटी विभाग ने रेलवे के जरिए लाई जा रही पान मसाले की बड़ी खेप पकड़ी है।

की जांच शुरू कर दी है। विभाग की टीम अब बरामद पान मसाले के संबंध में बिल, ई-वे बिल और अन्य जरूरी दस्तावेजों की जांच कर रही है। यह भी पता लगाया जा रहा है कि माल कहां से भेजा गया था और इसे लखनऊ में किसे पहुंचाया जाना था।

जीएसटी विभाग की ओर से अवैध तरीके से पान मसाले की सप्लाई और टैक्स चोरी के मामलों में लगातार कार्रवाई की जा रही है। चारबाग से पकड़ी गई इस खेप के बाद अब जांच का दायरा बढ़ने की उम्मीद है।

रेलवे पुलिस और आरपीएफ की भूमिका पर भी सवाल

इतनी बड़ी मात्रा में पान मसाला मालगाड़ी के जरिए लखनऊ तक पहुंचने के बाद रेलवे सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। जीएसटी विभाग यह जांच करेगा कि रेलवे परिसर और मालगाड़ी से जुड़े स्तरों पर इसकी निगरानी कैसे हुई। विभाग अधिकारियों और कर्मचारियों की संभावित मिलीभगत के एंगल से भी जांच कर सकता है। हालांकि अभी किसी अधिकारी या कर्मचारी की संलिप्तता की पुष्टि नहीं हुई है।

कहां से आया, किसे पहुंचना था

जीएसटी विभाग अब बरामद पान मसाले के स्रोत और उसके संभावित खरीदार का पता लगाने में जुटा है। इसके लिए माल की बुकिंग, परिवहन से जुड़े दस्तावेज और कारोबारी रिकॉर्ड खंगाले जाएंगे। जांच में यह भी देखा जाएगा कि पान मसाले पर टैक्स का भुगतान किया गया था या नहीं और इसे किस तरीके से लखनऊ लाया गया।

टीम माल से जुड़े दस्तावेज और टैक्स रिकॉर्ड की जांच कर रही है। इतनी बड़ी मात्रा में पान मसाला रेलवे के जरिए पहुंचने के बाद जांच का दायरा रेलवे पुलिस और आरपीएफ की भूमिका तक भी पहुंच सकता है। विभाग यह भी पता लगा रहा है कि खेप को लाने में नियमों का उल्लंघन कैसे किया गया। जीएसटी विभाग को सूचना मिली थी कि रेलवे के रास्ते बड़ी मात्रा में पान मसाला लखनऊ पहुंचाया जा रहा है। इसके बाद टीम ने चारबाग में कार्रवाई की और खेप को कब्जे में लिया। अब विभाग यह पता लगा रहा है कि पान मसाला कहां से भेजा गया था और लखनऊ में किसके पास पहुंचाया जाना था।

पेड़ कटाई के दौरान हाइड्रा पलटा, मजदूर की दबकर मौत

तमसा संकेत, संवाददाता

मोहनलालगंज, लखनऊ। धनवारा गांव स्थित प्राथमिक विद्यालय परिसर में यूकिलिप्टस के पेड़ों की कटाई के दौरान रविवार को बड़ा हादसा हो गया। लकड़ी उठाने के दौरान हाइड्रा वाहन के असंतुलित होकर पलट जाने से उसकी चपेट में आए 22 वर्षीय मजदूर की मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। जानकारी के अनुसार ग्राम धनवारा स्थित प्राथमिक विद्यालय परिसर में उपजिलाधिकारी मोहनलालगंज की अनुमति के बाद यूकिलिप्टस के पेड़ों की कटाई का कार्य कराया जा रहा था। इसी कार्य में ग्राम मऊ निवासी सोनू पुत्र राजू गौतम (22) मजदूरी कर रहा था। पेड़ों की कटाई के बाद लकड़ी उठाने के लिए हाइड्रा वाहन संख्या UP32WN4434

का इस्तेमाल किया जा रहा था। बताया गया कि लकड़ी उठाते समय हाइड्रा वाहन अचानक असंतुलित होकर गिर गया। इसी दौरान सोनू उसकी चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना मिलते ही मोहनलालगंज पुलिस मौके पर पहुंची और घायल मजदूर को तत्काल सीएचसी मोहनलालगंज पहुंचाया। वहां चिकित्सकों ने जांच के बाद सोनू को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के साथ पोस्टमार्टम की कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक घटना के संबंध में तहरीर प्राप्त होने पर सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद मौके पर स्थिति सामान्य है और कानून-व्यवस्था कायम है।

योगी सरकार ट्रामा एंड इमरजेंसी नेटवर्क से हर साल बचाएगी 12 हजार लोगों की जान

■ सीएम योगी के निर्देश पर एंबुलेंस, ट्रॉमा सेंटर, डॉक्टर, पैरामेडिकल स्टाफ और कमांड सेंटर को एक ही आपात नेटवर्क में जोड़ने पर दिया जा रहा जोर

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। मुखयमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में सड़क दुर्घटनाओं और अन्य गंभीर आपात स्थितियों में मरीजों को समय पर इलाज उपलब्ध कराने के लिए स्वास्थ्य सेवाओं को एकीकृत और तकनीक आधारित बनाने की दिशा में बड़ी पहल की जा रही है। इसके तहत यूपीटीईएन (उत्तर प्रदेश ट्रामा एंड इमरजेंसी नेटवर्क) को एक ऐसे एकीकृत आपात चिकित्सा नेटवर्क के रूप में विकसित करने की योजना

तैयार की गई है, जिसका उद्देश्य दुर्घटना या मेडिकल इमरजेंसी के बाद शुरुआती 60 मिनट यानी 'गोल्डन ऑवर' में मरीज को सही उपचार तक पहुंचाना है। यूपीटीईएन के जरिए प्रदेश की बिखरी ट्रॉमा, बर्न, कार्डियक, स्ट्रोक और अन्य इमरजेंसी सेवाओं को एक नेटवर्क से जोड़ा जाएगा। योजना के तहत 173 एकीकृत ट्रॉमा एवं इमरजेंसी मेडिसिन यूनिट विकसित करने का लक्ष्य रखा गया है। इनमें 11 लेवल-1 एपेक्स हब, 36 लेवल-2 रीजनल सेंटर और 126 लेवल-3 जिला स्तर की इकाइयां शामिल होंगी। इसका मकसद मरीज को जरूरत के अनुसार नजदीकी और सक्षम चिकित्सा केंद्र तक तेजी से पहुंचाना है। अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य अमित घोष ने बताया कि व्यवस्था के जरिए हर साल 10 हजार से 12 हजार लोगों की जान बचाने का लक्ष्य रखा गया है। विशेषज्ञों की मानें तो समय पर इलाज मिलने से गंभीर दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों और स्थायी विकलांगता के मामलों में कमी लाई जा सकती है। इसके लिए केवल अस्पतालों की संख्या बढ़ाने के बजाय अस्पताल, एंबुलेंस, ट्रॉमा सेंटर, डॉक्टर, पैरामेडिकल स्टाफ और कमांड सेंटर को एक ही आपात नेटवर्क में जोड़ने पर जोर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि यूपीटीईएन का उद्देश्य मरीज के अस्पताल पहुंचने का इंतजार करने के बजाय आपातकाल की सूचना मिलते ही इलाज की प्रक्रिया शुरू करना है। योजना के तहत 1,200 एडवांस्ड लाइफ सपोर्ट (एएलएस) एंबुलेंस को नेटवर्क से जोड़ा जाएगा। इन एंबुलेंस को केवल परिवहन का साधन न मानकर चलते-फिरते आपात उपचार केंद्र के रूप में इस्तेमाल करने की दिशा में काम किया जाएगा। इसके अलावा प्रदेश के 18 मंडलीय स्तर के कमांड सेंटर नेटवर्क के संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इन केंद्रों के जरिए इमरजेंसी कॉल, एंबुलेंस, अस्पतालों में बेड और विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाओं के बीच समन्वय स्थापित करने की व्यवस्था विकसित की जाएगी। अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य ने बताया कि योजना के तहत आपातकालीन प्रतिक्रिया समय में 30 से 50 प्रतिशत तक कमी लाने का लक्ष्य रखा गया है। वहीं अस्पताल पहुंचने से पहले महत्वपूर्ण चिकित्सकीय निर्णय लेने के लिए करीब 10 मिनट का अतिरिक्त समय हासिल करने की योजना है।

विकास : सर्वोदय विद्यालयों के 3 हजार से अधिक विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ मिलेगा हुनर

योगी सरकार की बड़ी पहल

■ योगी सरकार की कौशल विकास नीति के तहत युवाओं को शिक्षा से कौशल और कौशल से रोजगार की ओर ले जाने में महत्वपूर्ण साबित होगी पहल।

■ एक बैच में अधिकतम 35 विद्यार्थी शामिल होंगे, प्रशिक्षण की कुल अवधि 300 घंटे तक होगी।

'प्रोजेक्ट प्रवीण' के तहत 31 प्रशिक्षण संस्थाओं को सौंपा लक्ष्य, 30 सितंबर तक शुरू होगी ट्रेनिंग

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। योगी सरकार प्रदेश के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ रोजगारपरक कौशल से जोड़ने की दिशा में लगातार काम कर रही है। इसी कड़ी में समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालयों के विद्यार्थियों को स्कूली शिक्षा के साथ व्यावसायिक कौशल का प्रशिक्षण देने की तैयारी पूरी कर ली गई है। उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन ने वित्तीय वर्ष 2026-27 में 'प्रोजेक्ट प्रवीण' के तहत प्रदेश के 3 हजार से अधिक विद्यार्थियों को विभिन्न रोजगारपरक क्षेत्रों में प्रशिक्षित करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। प्रशिक्षण का लक्ष्य 31 प्रशिक्षण प्रदाता संस्थाओं को सौंपा गया है। सभी चयनित संस्थाओं को प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने, उनका अनुमोदन कराने, विद्यार्थियों का पंजीकरण करने और बैच गठित करने की प्रक्रिया निर्धारित समयसीमा में पूरी करनी होगी। 30 सितंबर 2026 तक सभी प्रशिक्षण केंद्रों पर प्रशिक्षण शुरू करना अनिवार्य किया गया है। प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने बताया कि 'प्रोजेक्ट प्रवीण' का उद्देश्य सर्वोदय विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ ऐसे कौशल से जोड़ना है, जो उन्हें भविष्य में रोजगार, स्वरोजगार और बेहतर करियर के अवसरों के लिए तैयार कर सकें। विद्यार्थियों को उनकी रुचि और उपलब्ध प्रशिक्षण के अनुसार अपैरल, आईटी-आईटीईएस, मैनेजमेंट सहित अन्य रोजगारपरक सेक्टरों में प्रशिक्षण दिया जाएगा। योगी सरकार की कौशल विकास नीति के तहत यह पहल युवाओं को शिक्षा से कौशल और कौशल से रोजगार की ओर ले जाने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगी। स्कूल स्तर पर ही विद्यार्थियों को व्यावहारिक और व्यावसायिक प्रशिक्षण मिलने से उनमें आत्मविश्वास बढ़ाने के साथ भविष्य के लिए आवश्यक दक्षताएं विकसित करने में मदद मिलेगी। प्रशिक्षण की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए बैच का आकार भी निर्धारित किया गया है।

एक बैच में अधिकतम 35 विद्यार्थी शामिल होंगे, जबकि प्रशिक्षण की कुल अवधि 300 घंटे तक होगी। इससे विद्यार्थियों को नियमित स्कूली शिक्षा प्रभावित किए बिना कौशल प्रशिक्षण प्राप्त करने का अवसर मिलेगा।मिशन का जोर केवल प्रशिक्षण शुरू कराने पर ही नहीं, बल्कि उसकी गुणवत्ता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने पर भी है। प्रशिक्षण प्रदाता को मिशन मुख्यालय में अनुबंध जमा कर उसकी पुष्टि करानी होगी। इसके बाद ही संबंधित जिले की जिला कार्यक्रम प्रबंधन इकाई (DPMU) को बैच गठित करने की अनुमति दी जाएगी। कौशल प्रशिक्षण की गुणवत्ता और प्रमाणिकता सुनिश्चित करने के लिए बैच को मंजूरी देने से पहले NCVET और NQR पोर्टल पर संबंधित जॉब रोल की जांच की जाएगी। इसके बाद केवल वैध और मान्यता प्राप्त जॉब रोल में ही विद्यार्थियों को प्रशिक्षण दिया जा सकेगा।पोर्टल पर भी उन्हीं बैच और सेक्टर को मंजूरी दी जाएगी, जो संबंधित प्रशिक्षण संस्था को आवंटित किए गए हैं। इससे प्रशिक्षण व्यवस्था में पारदर्शिता बनाए रखने और विद्यार्थियों को निर्धारित मानकों के अनुरूप प्रशिक्षण उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। विद्यार्थियों को प्रशिक्षण के दौरान आवश्यक संसाधनों की कमी न हो, इसके लिए प्रशिक्षण प्रदाताओं को बैच शुरू होने के सात दिन के भीतर पाठ्य सामग्री उपलब्ध करानी होगी।

हेतमापुर में बाढ़-कटान पीड़ितों के बीच पहुंचे पूर्व विधायक शरद कुमार अवस्थी ग्रामीणों की सुनी समस्याएं

अधिकारियों से वार्ता कर राहत एवं बचाव कार्य तेज करने के दिए निर्देश

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। ब्लॉक क्षेत्र के हेतमापुर स्थित सरयू-घाघरा नदी में लगातार हो रहे कटान और बाढ़ से प्रभावित गांवों में ग्रामीणों की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। खेतों में पानी भरने के साथ ही नदी का कटान तेजी से जारी है, जिससे किसानों की उपजाऊ जमीन नदी में समाती जा रही है। कई परिवारों के सामने घर-गृहस्थी और पशुओं को सुरक्षित रखने की चुनौती बनी हुई है। इसी बीच पूर्व विधायक शरद कुमार अवस्थी ने रविवार को हेतमापुर बाढ़ क्षेत्र का दौरा कर बाढ़ पीड़ितों से मुलाकात की और उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना। पूर्व विधायक ने बाढ़ प्रभावित ग्रामीणों से बातचीत कर उनकी परेशानियों की जानकारी ली। ग्रामीणों ने उन्हें बताया कि नदी का जलस्तर बढ़ने और लगातार कटान होने से खेती की जमीन को भारी नुकसान पहुंच रहा

है। कई स्थानों पर बाढ़ का पानी गांवों की ओर बढ़ने से आवागमन, पशुओं के चारे और दैनिक जरूरतों को लेकर भी लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने राहत सामग्री, भोजन, पशुओं के चारे तथा कटान से बचाव के लिए तत्काल प्रभावी कदम उठाने की मांग की। ग्रामीणों की समस्याएं सुनने के बाद पूर्व विधायक शरद कुमार अवस्थी ने मौके से ही संबंधित उच्च अधिकारियों से फोन पर वार्ता की। उन्होंने अधिकारियों को बाढ़ एवं कटान की स्थिति को गंभीरता से लेते हुए प्रभावित लोगों तक हर संभव सहायता पहुंचाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बाढ़ पीड़ितों को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए और प्रशासन को राहत एवं बचाव कार्य में पूरी तत्परता बरतनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों से प्रभावित गांवों में राहत सामग्री, भोजन, पीने के पानी और पशुओं के चारे की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने के साथ ही जरूरत पड़ने पर लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने की व्यवस्था करने को कहा। साथ ही नदी के कटान वाले संवेदनशील स्थानों पर लगातार निगरानी रखने और कटान रोकने के लिए किए जा रहे कार्यों को प्रभावी ढंग से कराने पर भी जोर दिया। पूर्व विधायक ने ग्रामीणों को भरोसा दिलाया कि बाढ़ और कटान की इस मुश्किल घड़ी में वह उनके साथ खड़े हैं। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक स्तर पर जिन समस्याओं के समाधान की आवश्यकता है।

दो दिवसीय चेकिंग अभियान में 5.65 लाख रुपये का जुर्माना वसूला

यातायात पुलिस ने 213 वाहन चालकों का चालान

अभियान

तमसा संकेत, एजेंसी

कासगंज। सड़क हादसों पर अंकुश लगाने और वाहन चालकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के लिए कासगंज यातायात पुलिस ने दो दिवसीय विशेष चेकिंग अभियान शुरू किया। पुलिस अधीक्षक ओपी सिंह के निर्देश पर क्षेत्राधिकारी यातायात रजनीश कुमार उपाध्याय के नेतृत्व में प्रभारी यातायात लक्ष्मण सिंह और उनकी टीम ने रविवार दोपहर दो बजे से प्रमुख चौराहों और तिराहों पर वाहनों की जांच की। अभियान के दौरान मालगोदाम चौराहा, नदरई तिराहा, सौरव ढाबा और बस स्टैंड सहित कई स्थानों पर चेकिंग की गई। पुलिस ने वाहन चालकों के दस्तावेजों के साथ-साथ वाहनों में यातायात नियमों के पालन की भी जांच की। ध्वनि मापक यंत्र से वाहनों के साइलेंसर की आवाज की जांच की गई। निर्धारित सीमा से अधिक यानी 80 डेसीबल से ज्यादा आवाज करने वाले 11 वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की गई। इसके अलावा मोडिफाइड साइलेंसर लगे एक दोपहिया वाहन को भी पकड़ा गया। पुलिस ने शराब या नशे की हालत में वाहन चलाने वालों के खिलाफ भी कार्रवाई की। नशे में वाहन चलाने वाले दो चालकों को पकड़ा गया।

वाहन चलाते समय मोबाइल इस्तेमाल करने वालों पर भी एक्शन

यातायात पुलिस ने वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का इस्तेमाल करने वाले चालकों के खिलाफ भी कार्रवाई की। पुलिस ने कहा कि ड्राइविंग के दौरान मोबाइल का इस्तेमाल दुर्घटनाओं का बड़ा कारण बन सकता है, इसलिए वाहन चालकों को इससे बचना चाहिए। दो दिवसीय विशेष अभियान के दौरान अब तक कुल 213 वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की गई। पुलिस ने इनसे 5,65,500 रुपये का जुर्माना वसूला। यातायात पुलिस ने वाहन चालकों से अपील की कि वे निर्धारित गति सीमा का पालन करें, हेलमेट और सीट बेल्ट का इस्तेमाल करें तथा नशे की हालत में किसी भी स्थिति में वाहन न चलाएं।

हेलमेट और सीट बेल्ट से लेकर गलत दिशा में चलने पर कार्रवाई

अभियान के दौरान क्षमता से अधिक सवारी बैठाने, गलत दिशा में वाहन चलाने, बिना फिटनेस वाहन संचालित करने, बिना हेलमेट और सीट बेल्ट के वाहन चलाने वालों पर भी कार्रवाई की गई। दोपहिया वाहनों पर तीन सवारी बैठाने और मालवाहक वाहनों में यात्रियों को बैठाने के मामलों को भी पुलिस ने गंभीरता से लिया।

ओवरस्पीड में 64 चालकों पर कार्रवाई

दोपहिया इंटरसेप्टर वाहन की मदद से तेज रफ्तार वाहनों की निगरानी की गई। ओवरस्पीड में वाहन चलाने वाले 64 चालकों के खिलाफ मोटर वाहन अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई। दोपहिया वाहनों पर तीन सवारी वाहनों और मालवाहक वाहनों में यात्रियों को बैठाने के मामलों को भी पुलिस ने गंभीरता से लिया।

महराजगंज-इंहौन्ना मार्ग पर कार ने बाइक सवार को टक्कर मारी

बाइक सवार का पैर टूटा, जिला अस्पताल रेफर, पुलिस जांच में जुटी

तमसा संकेत, एजेंसी

महराजगंज, महराजगंज, रायबरेली। महराजगंज-इंहौन्ना मार्ग पर शनिवार देर शाम एक अनियंत्रित और तेज रफ्तार कार ने बाइक सवारों को जोरदार टक्कर मार दी। इस भीषण हादसे में बाइक चला रहा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया है। मिली जानकारी के अनुसार, महीपतगंज (मजरे बावन बुजुर्ग बल्ला) निवासी सचिन (30) शनिवार देर शाम अपने गाजीपुर निवासी रिश्तेदार हेमराज के साथ बाइक से महराजगंज से मऊ की ओर जा रहे थे। उनकी बाइक जैसे ही महराजगंज-इंहौन्ना मार्ग पर स्थित मोन गांव के आगे पूरेऔसेरी के समीप पहुंची, तभी सामने से आ रही तेज रफ्तार कार ने उन्हें सीधी टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों बाइक सवार अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर पड़े। हादसे में सचिन का दाहिना पैर टूट गया और वह खून से लथपथ होकर वहीं तड़पने लगा। घटना स्थल पर तुरंत स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई। ग्रामीणों ने बिना देर किए एंबुलेंस को सूचना दी और दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CHC) पहुंचाया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टरों ने सचिन की गंभीर स्थिति और पैर में आए मल्टीपल फ्रैक्चर को देखते हुए प्राथमिक इलाज के बाद उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया, जहां उसकी हालत चिंताजनक बनी हुई है। मामले में कोतवाल जगदीश यादव ने बताया कि सड़क दुर्घटना की सूचना प्राप्त हुई है। घायल युवक का उपचार अस्पताल में चल रहा है। परिजनों की ओर से तहरीर (शिकायत) मिलने पर मामले में अग्रिम कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

फास्ट न्यूज

एक हफ्ते से लापता युवती ट्रेन में मिली

अलीगढ़। अलीगढ़ में एक सप्ताह से घर से लापता 26 साल की युवती बीमार हालत में मुरी एक्सप्रेस के कोच में मिली। वह बिना टिकट ट्रेन में सफर कर रही थी। सूचना मिलने पर आरपीएफ ने ट्रेन को अटेंड कर युवती को उतारा और जिला अस्पताल मलखान सिंह पहुंचाया। इलाज और देखरेख के बाद आरपीएफ ने उसके परिजनों की तलाश की। पहचान की प्रक्रिया पूरी होने पर युवती को सकुशल परिवार के सुपुर्द कर दिया गया।

इंजीनियर पर कार चढ़ाने वाला आरोपी गिरफ्तार

मथुरा। मथुरा में ग्रामीण अभियंत्रण विभाग के इंजीनियर विक्रांत भारती पर कार चढ़ाकर जान से मारने की कोशिश के आरोप में पुलिस ने आरोपी विशाल शर्मा को गिरफ्तार कर लिया है। गंभीर रूप से जख्मी विक्रांत भारती का मथुरा के अस्पताल में इलाज चल रहा है। अस्पताल में भर्ती इंजीनियर ने रविवार को सुबह 9 बजे संवाददाता से बातचीत में पूरी घटना बताई है। विक्रांत भारती ने बताया कि वह फील्ड से ऑफिस जा रहे थे। रास्ते में बाबा धर्मकांटा के पास कुछ गाड़ियां खड़ी थीं, जिससे जाम लगा हुआ था।

बरेली का युवक बदायूं में पानी के गड्ढे में डूबा

बदायूं। बरेली के एक युवक की बदायूं के दातागंज थाना क्षेत्र में पानी में डूबने से मौत हो गई। युवक शनिवार शाम को भैंस चराकर जंगल से लौट रहा था। इसी दौरान पानी के एक गड्ढे के पास उसका पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में जा गिरा। कई घंटे की तलाश के बाद रात को ग्रामीणों ने उसका शव निकाला। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

एमआईईटी स्कूल में शिक्षक दिवस धूमधाम से मनाया

तमसा संकेत, संवाददाता

मेरठ। एमआईईटी पब्लिक ग्रुप ऑफ स्कूल्स में शिक्षक दिवस हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया। समारोह में ग्रुप के सभी विद्यालयों के शिक्षक एवं स्टाफ एक मंच पर जुटे। कार्यक्रम के दौरान शिक्षकों के समर्पण, योगदान और शिक्षा के क्षेत्र में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को सम्मानित किया गया।

समारोह में चेयरमैन विष्णु शरण, वाइस चेयरमैन गौरव अग्रवाल और मैनेजर बरखा अग्रवाल मौजूद रहे। मावाना रोड शाखा की प्रधानाचार्य रुपाली सहगल, पल्लवपुरम शाखा की प्रधानाचार्य नवनीत चड्ढा, जागृति विहार शाखा की प्रधानाचार्य सिल्की वर्मा और एमआईईटी किड्स की हेड शालिनी माहेश्वरी ने भी कार्यक्रम में सहभागिता की। शिक्षकों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, संगीत, नृत्य और मनोरंजक गतिविधियों से कार्यक्रम में रंग भर दिया। प्रस्तुतियों के दौरान पूरे परिसर में उत्साह और उमंग का माहौल रहा।

शिक्षकों ने कार्यक्रम का आनंद लेते हुए आपसी सौहार्द और सहभागिता का परिचय दिया समारोह ने शिक्षकों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करने के साथ एमआईईटी परिवार की एकता, सहयोग और आपसी जुड़ाव को भी प्रदर्शित किया। कार्यक्रम सभी के लिए यादगार रहा।

मुरादाबाद में बनेगा आधुनिक स्लाटर हाउस

पूर्व सांसद डॉ. एसटी हसन की सिफारिश पर एमडीए ने महायोजना में शामिल किया

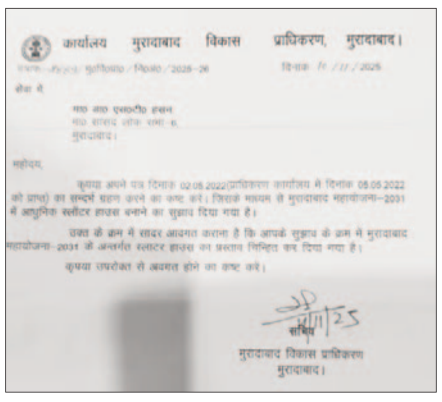

मुरादाबाद विकास प्राधिकरण की ओर से पूर्व सांसद और सपा नेता डॉ. एसटी हसन को भेजा गया पत्र।

तमसा संकेत, एजेंसी

मुरादाबाद। शहर में आधुनिक स्लाटर हाउस बनाए जाने का रास्ता अब साफ होता दिखाई दे रहा है। समाजवादी पार्टी के पूर्व सांसद डॉ. एसटी हसन की ओर से की जा रही पैरवी के बाद मुरादाबाद विकास प्राधिकरण (एमडीए) ने महायोजना-2031 में आधुनिक स्लाटर हाउस के लिए प्रस्ताव को चिन्हित कर लिया है। इस संबंध में एमडीए सचिव की ओर से पूर्व सांसद को भेजा गया पत्र भी सोशल मीडिया पर सामने आया है। मुरादाबाद में लंबे समय से आधुनिक स्लाटर हाउस बनाए जाने की मांग उठती रही है। मुस्लिम समुदाय से जुड़े नेताओं का कहना है कि शहर में मीट की मांग को देखते हुए आधुनिक और नियमानुसार संचालित स्लाटर हाउस की आवश्यकता है। पूर्व सांसद डॉ. एसटी हसन भी इस मुद्दे को लंबे समय से उठाते रहे हैं। मुरादाबाद में पहले असालतपुरा क्षेत्र में स्लाटर हाउस संचालित होता था। करीब 15 वर्ष पहले इसे बंद कर दिया गया था। इसके बाद शहर में कोई अधिकृत स्लाटर हाउस नहीं रहा। ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित छोटे स्लाटर हाउसों पर भी प्रदेश में योगी सरकार बनने के बाद कार्रवाई करते हुए उन्हें बंद कराया गया था। पूर्व सांसद डॉ. एसटी हसन का तर्क रहा है कि मुरादाबाद और आसपास के क्षेत्र में मीट की बड़ी मांग है। ऐसे में अधिकृत स्लाटर हाउस नहीं होने की स्थिति में अवैध कटान की घटनाओं की आशंका बनी रहती है। उनका कहना है कि आधुनिक और निर्धारित मानकों के अनुरूप स्लाटर हाउस होने से मीट की जरूरत पूरी करने के साथ अवैध कटान पर भी अंकुश लगाया जा सकता है। महायोजना-2031 में आधुनिक स्लाटर हाउस के लिए प्रस्ताव चिन्हित किए जाने की जानकारी सामने आने के बाद मुरादाबाद के राजनीतिक गलियारों में भी चर्चा तेज हो गई है। खासतौर पर यह मामला इसलिए भी चर्चा में है क्योंकि प्रस्ताव को लेकर पूर्व सपा सांसद डॉ. एसटी हसन लंबे समय से पैरवी करते रहे हैं।

9.80 करोड़ का ड्रग-वेयर हाउस एक साल से तैयार

जौनपुर में फिर भी स्वास्थ्य विभाग को नहीं मिला

तमसा संकेत, एजेंसी

जौनपुर। जौनपुर के गौराबादशाहपुर नगर पंचायत क्षेत्र में करीब 9.80 करोड़ रुपए की लागत से बना ड्रग वेयर हाउस एक साल पहले तैयार हो चुका है, लेकिन अब तक स्वास्थ्य विभाग को हैंडओवर नहीं किया गया है। भवन उपलब्ध नहीं होने के कारण विभाग हर महीने करीब 2 लाख रुपए किराया देकर अलग मकान में दवाएं और अन्य स्वास्थ्य सामग्री रख रहा है। टीकाकरण के लिए जरूरी वैक्सीन भी दूसरी जगह रखनी पड़ रही है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत जरूरतमंदों को इलाज के लिए दवाएं और अन्य संसाधन उपलब्ध कराए जाते हैं। इसके बावजूद स्वास्थ्य विभाग का दवा स्टोर पिछले करीब दो दशक से कुष्ठ रोग कार्यालय के पुराने और जर्जर भवन में संचालित हो रहा है। नया वेयर हाउस बनने के बाद उम्मीद थी कि दवाओं के भंडारण की समस्या खत्म होगी, लेकिन हैंडओवर न होने से स्थिति जस की तस बनी हुई है। पहले सीहीपुर में ड्रग वेयर हाउस बनाने के लिए जमीन चिन्हित कर टेंडर की प्रक्रिया पूरी की गई थी। हालांकि, प्रस्तावित स्थल के ऊपर से बिजली की लाइन गुजर रही थी। इसके कारण निर्माण में अतिरिक्त खर्च आने की स्थिति बनी, जिसके बाद वहां वेयर हाउस बनाने का काम रोक दिया गया। इसके बाद गौराबादशाहपुर नगर पंचायत क्षेत्र में नए ड्रग वेयर हाउस का निर्माण 6 अप्रैल 2023 को शुरू हुआ।

अभिनेत्री कंगना केस में वादी ने नहीं की बहस

रिवीजन के लिए मांगा समय, किसानों आंदोलन पर की थी टिप्पणी, 22 सितंबर मिली अगली तारीख

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। भाजपा सांसद और फिल्म अभिनेत्री कंगना रनौत के खिलाफ किसानों के अपमान और राजद्रोह के मामले में शनिवार को स्पेशल कोर्ट एमपी-एमएलए अनुज कुमार सिंह की अदालत में बहस नहीं हो सकी। बहस के लिए तय तारीख पर वादी वरिष्ठ अधिवक्ता रमाशंकर शर्मा ने कोर्ट में प्रार्थना पत्र देकर समय मांगा। वादी ने कहा कि वह 4 अगस्त 2026 को कोर्ट की ओर से पारित आदेश के खिलाफ सेशन कोर्ट में रिवीजन दाखिल करना चाहते हैं। इसलिए बहस के लिए उन्हें समय दिया जाए।

कोर्ट के कहने पर कंगना की ओर से पेश जूनियर अधिवक्ता सुधा प्रधान ने प्रार्थना पत्र पर लिखित आपत्ति दाखिल की। इसके बाद कोर्ट ने बहस के लिए 22 सितंबर 2026 की तारीख तय कर दी। दरअसल, 4 अगस्त को वादी ने प्रार्थना पत्र देकर पुलिस की ओर से दाखिल रिपोर्ट पर आपत्ति जताई थी। वादी का आरोप था कि बीएनएसएस की धारा 225(1) के तहत पूरी प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया। पुलिस ने कंगना का बयान लेने के बजाय उनकी ओर से कोर्ट में पेश अधिवक्ता अनसूया चौधरी का बयान लेकर रिपोर्ट दाखिल कर दी।

वादी ने कहा था कि अधूरी रिपोर्ट के आधार पर बहस नहीं हो सकती।

हालांकि कोर्ट ने यह प्रार्थना पत्र खारिज कर दिया था और 5 सितंबर को बहस की तारीख तय की थी। इसी तारीख पर आज वादी ने बहस करने के बजाय रिवीजन के लिए समय मांग लिया।

स्पेशल एमपी-एमएलए कोर्ट ने 6 मई 2025 को परिवाद खारिज कर दिया था।

इसके खिलाफ वादी ने सेशन कोर्ट में रिवीजन दाखिल किया। नवंबर 2025 में रिवीजन स्वीकार करते हुए मामला दोबारा सुनवाई के लिए भेजा गया था। इसके बाद पुलिस रिपोर्ट और बीएनएसएस की धारा 225(1) के अनुपालन को लेकर वादी ने आपत्ति उठाई।

इसी विवाद में 4 अगस्त को कोर्ट ने वादी का प्रार्थना पत्र खारिज किया था। आज की सुनवाई में वादी पक्ष ने बहस से पहले ही रिवीजन दाखिल करने के लिए समय मांग लिया। कंगना की ओर से इसका विरोध किया गया। कोर्ट ने फिलहाल 22 सितंबर को बहस के लिए तारीख तय करते हुए वादी को अंतिम अवसर दिया है। आरोप है कि कंगना की टिप्पणी से किसानों की भावनाएं आहत हुईं।

कंगना ने किसान आंदोलन को लेकर कहा था कि आंदोलन के दौरान हिंसा, हत्या और बलात्कार जैसी घटनाएं हुईं और यदि देश का नेतृत्व मजबूत नहीं होता तो भारत में बांग्लादेश जैसे हालात पैदा हो सकते थे।

बाद में उन्होंने अपने बयान की गलत व्याख्या किए जाने की बात कही थी।

किसान आंदोलन के बयान से जुड़ा है मामला

कंगना के खिलाफ यह परिवाद अगस्त 2024 में किसान आंदोलन को लेकर दिए गए उनके बयान पर दाखिल किया गया था। वादी रमाशंकर शर्मा ने सितंबर 2024 में कोर्ट में शिकायत की थी। आरोप है कि कंगना की टिप्पणी से किसानों की भावनाएं आहत हुईं। कंगना ने किसान आंदोलन को लेकर कहा था कि आंदोलन के दौरान हिंसा, हत्या और बलात्कार जैसी घटनाएं हुईं और यदि देश का नेतृत्व मजबूत नहीं होता तो भारत में बांग्लादेश जैसे हालात पैदा हो सकते थे। बाद में उन्होंने अपने बयान की गलत व्याख्या किए जाने की बात कही थी।

पृष्ठ 01 का शेष...

50 साल पुरानी ...

हादसे के वक्त अंदर 50 से ज्यादा लोग मौजूद थे। बिल्डिंग के मालिक का नाम आनंद बंसल है, जो गुरुग्राम में रहता है। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। मलबे में दबे एक युवक ने अपना वीडियो बनाकर शेयर किया। उसने लोगों से रेस्क्यू की अपील की। घटनास्थल पर मौजूद एक युवक ने भास्कर रिपोर्टर को बताया कि यह युवक उसका दोस्त है। वह बार-बार फोन करके कह रहा है कि मुझे बचा लो। घटना दोपहर 1:30 बजे की है। स्थानीय लोग हथौड़े से मलबा हटाने की कोशिश कर रहे हैं। मलबे में कुछ गाड़ियां भी दब गई हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मलबे के बगल में एक और बिल्डिंग गिरने की हालत में है। लेकिन लोगों को वहां से निकाल लिया गया है। इसी वजह से यहां दिनभर छात्रों की आवाजाही रहती है। हालांकि, सत्य निकेतन में कुल कितने छात्र रहते हैं, इसका कोई आधिकारिक आंकड़ा उपलब्ध नहीं है। साल 2022 से 2025 तक यानी 3 साल में दिल्ली में बिल्डिंग गिरने के 1133 मामले सामने आए हैं। इन घटनाओं में 98 लोगों की मौत हुई है। मलबे के अंदर से एक स्टूडेंट के रेस्क्यू का वीडियो सामने आया है। वीडियो में दिख रहा है कि रेस्क्यू टीम मलबा हटाकर उसे अंदर से निकाल रही है। जो इमारत गिरी वो 40-50 साल पुरानी थी। उसके बेसमेंट में पिछले 3 दिनों से काम चल रहा था। इमारत में रहने वाले ज्यादातर स्टूडेंट्स हादसे के वक्त सो रहे थे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह गोवा दौरे पर थे। लेकिन हादसे की खबर मिलते ही उन्होंने अपना कार्यक्रम रद्द कर दिया। उन्होंने हादसे पर दुख जताया। इमारत ढहने की घटना के 4 मरीज JPNATC (एम्स ट्रॉमा सेंटर) लाए गए। इनमें से 2 की हालत गंभीर है, 1 बचावकर्मी था जिसे डिस्चार्ज कर दिया गया है और 1 को मृत लाया गया था। भाजपा विधायक कैलाश गहलोत ने कहा- मैंने अभी इसे ट्विटर पर देखा। सबसे पहले, हम इस कठिन घड़ी में उनके सभी परिवारों के साथ खड़े हैं। जहां तक मैंने ट्विटर पर देखा है, दमकल विभाग और आपदा विभाग सभी आवश्यक कदम उठा रहे हैं एक स्थानीय निवासी ने कहा- हमने बचाव कार्य में सक्रिय रूप से भाग लिया। हमने मलबे से तीन लोगों को बाहर निकाला। कुल मिलाकर, लगभग छह से आठ लोगों को सुरक्षित रूप से बाहर निकाला गया हैं। DUSU अध्यक्ष आर्यन मान ने कहा, अब तक करीब 10-15 छात्रों को बचाया जा चुका है, जबकि कुछ अभी भी अंदर फंसे हैं। हम उनके संपर्क में हैं और NDRF की पूरी टीम मौके पर पहुंच गई है। मैंने मुख्यमंत्री से बात की है और छात्रों की मदद के लिए अन्य टीमें भी पहुंच रही हैं। अभी तक किसी की मौत की खबर नहीं है।

एमपी में जहरीली ...

वहीं, संभागीय फ्लाइंग स्क्वाड प्रभारी नीरज श्रीवास्तव को ग्वालियर मुख्यालय अटैच किया गया है। मौतों के बाद सागर कमिश्नर, आईजी, कलेक्टर और एसपी ग्राम नौराज और गूगरा खुर्द पहुंचे। अधिकारियों ने पीड़ित परिवारों से मुलाकात की और अस्पताल में भर्ती मरीजों के इलाज की व्यवस्था का जायजा लिया। एहतियातन क्षेत्र की 7 शराब दुकानों को सील किया गया है। इनमें बरेठी, बंडा, शाहगढ़, मगरधा, विनायका, दलपतपुर और बरायठा की दुकानें शामिल हैं।अधिकारी दुकानों से सैंपल लेकर जांच के लिए भेज रहे हैं। कलेक्टर प्रतिभा पाल ने बताया कि मामला नौरोजा और घुघरा खुर्द गांव का है। शनिवार सुबह करीब 4:30 बजे जहरीली शराब पीने से लोगों के बीमार होने की सूचना मिली। इसके बाद प्रभावित गांवों में मेडिकल टीमों ने स्क्रीनिंग शुरू की। लक्षण मिलने पर उन्हें बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज (BMC) भेजा जा रहा है। करीब 35 लोगों को अस्पताल लाया गया है। इनमें कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। गंभीर मरीजों को BMC और सागर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्रशासन ने BMC में संदिग्ध मरीजों के लिए अलग बेड की व्यवस्था की है। कलेक्टर प्रतिभा पाल के मुताबिक, 2-3 शवों के पोस्टमॉर्टम में मिथाइल अल्कोहल के सेवन की आशंका सामने आई है। कुछ मरीजों के शरीर नीले पड़ गए हैं। उनमें अकड़न भी महसूस हुई है। उल्टी, सिरदर्द या बुखार जैसे लक्षण दिखने पर वे तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर जांच कराने की अपील की जा रही है। एसपी अनुराग सुजानिया ने बताया- शुरुआती जांच में शराब की सप्लाई उत्तर प्रदेश के ललितपुर से होने की बात सामने आई है। कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस ललितपुर में भी इस नेटवर्क से जुड़े लोगों की जानकारी जुटा रही है। एहतियात के तौर पर इलाके की 6 शराब दुकानों को सील कर दिया गया है। इनके सैंपल भी लिए जा रहे हैं। अवैध शराब के कारोबार से जुड़े लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। सागर संभाग के कमिश्नर, आईजी और कलेक्टर-SP समेत कई अधिकारियों ने मृतकों के परिवारों से मुलाकात की। बम्हुराबेड़ा निवासी रामकुमार दांगी ने बताया- उनके चचेरे भाई समेत गांव में 4 लोगों की मौत हुई है। एक व्यक्ति की पहले दिन और तीन की दूसरे दिन मौत हुई। रामकुमार का दावा है कि तीन लोगों ने साथ में शराब पी थी। इसके बाद उनके शरीर अचानक ठंडे पड़ने लगे और करीब आधे घंटे में उनकी मौत हो गई। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दुबई रवाना होने से पहले कहा कि उन्होंने प्रभारी मंत्री और अधिकारियों को घटना की तत्काल जांच के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सरकार ऐसे मामलों को बर्दाश्त नहीं करेगी। दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

चित्रकूट में बाढ़...

आपदा की इस घड़ी में सरकार आपके साथ है। जिन परिवारों के घर पूरी तरह बह गए हैं, उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना या मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत मकान दिया जाएगा। जिन जरूरतमंद परिवारों के पास जमीन नहीं है, उन्हें आवासीय पट्टा दिया जाएगा। इससे पहले सीएम योगी ने चित्रकूट के बाढ़ प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वे किया। मंदाकिनी नदी के बढ़ते जलस्तर का जायजा लिया। इसके बाद रैन बसेरों में रह रहे बाढ़ पीड़ितों से मुलाकात की। उन्होंने 800 प्रभावित परिवारों को 50-50 किलो की राहत किट बांटी। किट में दाल, चावल, आटा, आलू, बाल्टी और छाता था। उन्होंने प्रभावित परिवारों की समस्याएं सुनीं और बच्चों को चॉकलेट दी। अफसरों से कहा- राहत पहुंचाने में किसी भी तरह की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। सीएम ने कहा- इस बार मंदाकिनी नदी का जलस्तर खतरनाक स्तर तक पहुंच गया था। बाढ़ की भयावहता का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि पड़ोसी राज्य मध्यप्रदेश में नदी पर बना पुल भी बह गया। इसके बावजूद चित्रकूट में किसी की जान नहीं गई। यह कामतानाथ का आशीर्वाद है। सरकार और प्रशासन ने समय रहते राहत-बचाव शुरू किया और प्रभावित लोगों तक मदद पहुंचाई। रामघाट पर जल पुलिस की टीम मंदाकिनी नदी में मुस्तैद है। बाढ़ के बाद नदी का जलस्तर अभी भी तेज है, इसी को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने जल पुलिस और गोताखोरों को तैनात किया है। नावों के जरिए पूरे घाट क्षेत्र पर नजर रखी जा रही है। किसी भी अनहोनी से निपटने के लिए मोटरबोट और जाल की व्यवस्था भी की गई है। सीएम योगी ने कहा कि हर जरूरतमंद परिवार को राहत सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी। इसमें 10 किलो चावल, 10 किलो आटा, 10 किलो आलू, 2 किलो अरहर की दाल, 1 लीटर रिफाइंड या सरसों का तेल, चना, लाई, मिर्च, मसाला, धनिया और हल्दी सहित अन्य आवश्यक सामग्री शामिल है। उन्होंने कहा कि खाद्य सामग्री के साथ प्रभावित परिवारों को डिग्निटी किट भी उपलब्ध कराई जाती है। बाल्टी, मग, ढक्कनयुक्त बाल्टी और बरसाती सहित आवश्यक वस्तुएं भी उपलब्ध कराई जा रही हैं। इसका वजन लगभग 50 किलो है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आपदा राहत के लिए मिलने वाली धनराशि प्रत्येक पीड़ित परिवार तक बिना किसी भेदभाव के पहुंचती है।

जापान के खिलाफ आखिरी 59 सेकंड में अनमोल ने गोल किया, विमेंस टीम जीती

जूनियर हॉकी एशिया कप : भारतीय मेंस टीम ने ड्रॉ खेला

■ हाफ टाइम तक भारत 2-1 से आगे रहा।

चौथे क्वार्टर में जापान ने बराबरी के लिए दबाव बढ़ाया। उसे पेनल्टी कॉर्नर मिला। दोबारा दिए गए पेनल्टी कॉर्नर पर जापान के कप्तान काजुकी नाकानिशी ने 48वें मिनट में गोल कर स्कोर 2-2 कर दिया। मैच के आखिरी पांच मिनट में जापान को एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला। इस बार जापान का फ्लिक गोल से बाहर चला गया। जापान को एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला। नाकानिशी ने 59वें मिनट में फिर गोल कर जापान को 3-2 की बढ़त दिला दी।

जीत

नई दिल्ली। चीन में खेले जा रहे जूनियर हॉकी एशिया कप में भारत ने रविवार को पूल A के दूसरे मैच में भारत ने जापान से 3-3 से ड्रॉ खेला। भारत ने 2-0 की बढ़त गंवाने के बाद आखिरी 59 सेकंड में गोल कर मैच बराबर किया। वहीं, विमेंस टीम ने मलेशिया को 11-1 से हराया। मेंस टीम के लिए कप्तान अनमोल एक्का ने दो गोल किए। उन्होंने चौथे मिनट में पेनल्टी स्ट्रोक और आखिरी मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला।

भारत ने अपने पहले पूल मैच में इंडोनेशिया को 14-0 से हराया था। भारत ने मैच के चौथे मिनट में बढ़त बनाई। फाउल के बाद मिले पेनल्टी स्ट्रोक पर कप्तान अनमोल ने 10वें मिनट में अपनी बढ़त दोगुनी की। पेनल्टी कॉर्नर पर आशु मौर्य ने गोल कर भारत को 2-0 से आगे कर दिया।

आखिरी 59 सेकंड में भारत ने बराबरी की

बराबरी की तलाश में भारत ने अपना गोलकीपर हटाकर हमला तेज किया। भारत को इसका फायदा मिला और मैच खत्म होने से 59 सेकंड पहले पेनल्टी कॉर्नर हासिल हुआ। अनमोल एक्का ने एक बार फिर जिम्मेदारी संभाली और पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर स्कोर 3-3 कर दिया। भारत अब मंगलवार को पूल A के अपने तीसरे मैच में कोरिया से खेलेगा। भारत ने लगातार दूसरी जीत दर्ज करते हुए 6 पॉइंट्स के साथ एलीट पूल में टॉप पर है। भारत ने अपने पहले मुकाबले में साउथ कोरिया को 4-1 से हराया था। अब भारतीय टीम 8 सितंबर को जापान के खिलाफ अपना तीसरा पूल मैच खेलेगी।

हाफ टाइम तक भारत आगे

दूसरे क्वार्टर में दोनों टीमों ने लगातार हमले किए। भारत अपनी बढ़त बढ़ाना चाहता था, जबकि जापान बराबरी के गोल की तलाश में था। किसी भी टीम को निर्णायक मौका नहीं मिला और हाफ टाइम तक भारत 2-1 से आगे रहा। तीसरे क्वार्टर में भी दोनों टीमों ने नियंत्रण के लिए कड़ी कोशिश की। जापान ने कुछ अच्छे मौके बनाए और एक पेनल्टी कॉर्नर भी हासिल किया, लेकिन उसे गोल में नहीं बदल सका। भारत के डिफेंस ने अपनी मामूली बढ़त बचाए रखी।

रुमेश पाथिरागे ने जीता डायमंड लीग फाइनल

89.04 मीटर जेवलिन थ्रो किया, श्रीलंका के पहले चैंपियन बने

नई दिल्ली। श्रीलंका के जेवलिन थ्रोअर रुमेश थारंगा पाथिरागे ने शनिवार को ब्रसेल्स के किंग बॉडोइन स्टेडियम में डायमंड लीग फाइनल का खिताब जीत लिया। उन्होंने अपने तीसरे प्रयास में 89.04 मीटर का थ्रो किया और लीग में पहला स्थान हासिल किया। इसके साथ ही रुमेश डायमंड लीग फाइनल जीतने वाले श्रीलंका के पहले एथलीट बन गए। खराब और ठंडे मौसम के बावजूद उन्होंने यह शानदार प्रदर्शन किया। रुमेश की शुरुआत अच्छी नहीं रही। उन्होंने पहले प्रयास में 80.42 मीटर और दूसरे प्रयास में 79.73 मीटर का थ्रो किया। इसके बाद त्रिनिदाद एंड टोबैगो के पूर्व ओलिंपिक चैंपियन केशॉर्न वालकोट ने 83.99 मीटर के थ्रो के साथ बढ़त बना ली। पोलैंड के डेविड वेगनर ने तीसरे राउंड में 87.47 मीटर का थ्रो करके बढ़त हासिल कर ली। इसके तुरंत बाद रुमेश ने तीसरे प्रयास में 89.04 मीटर का थ्रो किया और वेगनर को पीछे छोड़ते हुए पहले स्थान पर पहुंच गए। रुमेश ने तीसरे थ्रो के बाद भी अच्छा प्रदर्शन जारी रखा। उन्होंने चौथे प्रयास में 85.96 मीटर और पांचवें में 85.76 मीटर का थ्रो किया। उनका छठा और आखिरी प्रयास फाउल रहा। डेविड वेगनर 87.47 मीटर के साथ दूसरे और केशॉर्न वालकोट 83.99 मीटर के साथ तीसरे स्थान पर रहे। ग्रेनाडा के दो बार के विश्व चैंपियन एंडरसन पीटर्स 83.70 मीटर के साथ चौथे स्थान पर रहे।

पाकिस्तान ने विमेंस टी-20 में अपना सबसे छोटा स्कोर बनाया

शेफाली 3 हजार रन बनाने वाली यंगेस्ट खिलाड़ी

दुबई, एजेंसी

भारत ने विमेंस एशिया कप में पाकिस्तान को 7 विकेट से हरा दिया। दुबई में पाकिस्तान की टीम सिर्फ 55 रन पर ऑलआउट हो गई, जो महिला टी-20 इंटरनेशनल में उसका सबसे छोटा स्कोर है। भारतीय ओपनर शेफाली वर्मा सबसे कम उम्र में 3 हजार टी-20 रन बनाने वाली महिला खिलाड़ी बन गई हैं। वहीं, हरमनप्रीत कौर 150 टी-20 मैच में कप्तानी करने वाली दुनिया की पहली महिला क्रिकेटर बन गईं। पाकिस्तान ने विमेंस टी-20 इंटरनेशनल का अपना सबसे लोएस्ट स्कोर बनाया। वह शनिवार को सिर्फ 55 रन पर ऑलआउट हो गई। इससे पहले टीम 2024 में न्यूजीलैंड के खिलाफ 56 रन ही बना पाई थी।

शेफाली वर्मा ने 22 साल 220 दिन की उम्र में 3 हजार टी-20 इंटरनेशनल रन पूरे किए। उन्होंने आयरलैंड की गैबी लुईस का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 24 साल 347 दिन की उम्र में यह मुकाम हासिल किया था। शेफाली ने पारी की पहली गेंद पर छक्का लगाया। उन्होंने दूसरी बार यह कारनामा किया, जो विमेंस टी-20 में सबसे ज्यादा बार का रिकॉर्ड है। इससे पहले उन्होंने विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप में भी ऐसा किया था। दोनों ही मौकों पर शेफाली के सामने पाकिस्तान की गेंदबाज सादिया इकबाल थीं। हरमनप्रीत ने बतौर कप्तान अपना 150वां मैच खेला। वे यह उपलब्धि हासिल करने वाली मेंस और विमेंस टी-20 इंटरनेशनल की पहली खिलाड़ी बन गईं। दूसरे नंबर पर 121 मैच के साथ श्रीलंका की चमारी अटापट्टू हैं। पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ अपना सबसे लोएस्ट स्कोर बनाया था। ओवरऑल भारत के खिलाफ यह 5वां लोएस्ट टीम टोटल है। पहले स्थान पर मलेशिया की टीम है, जो 2018 में कुआलालंपुर में सिर्फ 27 रन पर सिमट गई थी।

अभिमन्यु ईश्वरन अर्धशतक लगाकर आउट, लंच तक ईस्ट जोन का स्कोर 133/2

दलीप ट्रॉफी फाइनल-सूर्यवंशी ने 37 बॉल पर 44 रन बनाए

नई दिल्ली। चेन्नई में दलीप ट्रॉफी के फाइनल में ईस्ट जोन ने साउथ जोन के खिलाफ टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। टीम ने लंच ब्रेक तक 2 विकेट के नुकसान पर 133 रन बना लिए हैं। वैभव सूर्यवंशी 44 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने 37 बॉल पर पारी में 5 चौके और एक छक्का लगाया। अभिमन्यु ईश्वरन ने 72 रन की पारी खेली। ईस्ट जोन की कप्तानी ईशान किशन और साउथ जोन की तिलक वर्मा कर रहे हैं। मोहम्मद शमी ने दलीप ट्रॉफी के फाइनल में साउथ जोन के खिलाफ उतरते ही अपने करियर का 100वां फर्स्ट-क्लास मैच पूरा कर लिया। इस खास मौके पर उन्हें बधाई दी गई। शमी दलीप ट्रॉफी फाइनल में ईस्ट जोन की टीम का हिस्सा हैं। इससे पहले शमी को सम्मान में 100 नंबर की स्पेशल जर्सी दी गई। साथ ही उन्हें पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली की साइन की गई बॉल भी दी गई।

वैभव ने सेमीफाइनल में 81 गेंदों पर 92 रन बनाए थे

वैभव ने सेंट्रल जोन के खिलाफ दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल में 81 गेंदों पर 92 रन की पारी खेली। दूसरी पारी में भी उन्होंने 40 रन बनाए। ईस्ट जोन ने यह मुकाबला चार विकेट से जीतकर फाइनल में जगह बनाई। इस मैच के दौरान वैभव ने एक और रिकॉर्ड अपने नाम किया। वे दलीप ट्रॉफी में अर्धशतक लगाने वाले सबसे कम उम्र के बल्लेबाज बन गए।

■ शमी ने 100वें मैच का केक भी काटा।

दोनों टीमों की प्लेइंग-11

ईस्ट जोनः अभिमन्यु ईश्वरन, वैभव सूर्यवंशी, कुमार कुशाग्र, सुदीप कुमार घरामी, शिखर मोहन, ईशान किशन (विकेटकीपर/कप्तान), एमडी कौनैन कुरैशी, अनुकूल रॉय, मोहम्मद शमी, अभिजीत के सरकार, मुकेश कुमार। साउथ जोनः रिकी भुई, नारायण जगदीसन (विकेटकीपर), देवदत्त पडिक्कल, शेख रशीद, तिलक वर्मा (कप्तान), स्मरण रविचंद्रन, श्रेयस गोपाल, त्रिपुराना विजय, मोहम्मद सिराज, चामा वी मिलिंद, एमडी निधिश।

मनोरंजन

जॉपुर : द मूवी ने दूसरे दिन ₹32 करोड़ कमाए

हनुमान अंश ने 5वें शनिवार को ₹16.50 करोड़ कमाकर धुरंधर का रिकॉर्ड तोड़ा

मुंबई। फिल्म हनुमान अंश बॉक्स ऑफिस पर पांचवें हफ्ते में भी मजबूत प्रदर्शन कर रही है। फिल्म ने हिंदी में 5वें शनिवार की सबसे बड़ी कमाई दर्ज करते हुए धुरंधर का पिछला रिकॉर्ड पीछे छोड़ दिया। शनिवार फिल्म के लिए अब तक का सबसे बड़ा कमाई वाला दिन भी रहा। सैकनिल्क के मुताबिक, हनुमान अंश ने पांचवें शनिवार को हिंदी भाषा में 16.50 करोड़ रुपए नेट का कलेक्शन किया। जबकि धुरंधर ने 5वें शनिवार को 11.75 करोड़ रुपए कमाए थे। हनुमान अंश ने बॉक्स ऑफिस पर सिर्फ 10 लाख रुपए नेट की ओपनिंग की थी। पहले दो हफ्तों में फिल्म ने करीब 1.50 करोड़ रुपए नेट कमाए। तीसरे हफ्ते में कमाई बढ़कर 10.40 करोड़ रुपए नेट हुई और चौथे हफ्ते में फिल्म ने 61 करोड़ रुपए नेट का कलेक्शन किया। पांचवें हफ्ते के पहले दो दिनों में ही फिल्म 26.25 करोड़ रुपए नेट कमा चुकी है। आगे भी इसके कलेक्शन में बढ़ोतरी की उम्मीद है। पांचवें शनिवार की कमाई के बाद हनुमान अंश भारत में 100 करोड़ रुपए नेट के आंकड़े के करीब पहुंच गई। फिल्म का कुल नेट कलेक्शन 99.38 करोड़ हो गया है। आज पूरी उम्मीद है कि फिल्म 100 करोड़ रुपए नेट का आंकड़ा पार कर लेगी। जिसके बाद यह पहली भारतीय फिल्म बनेगी जिसने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 1 करोड़ रुपए से कम की ओपनिंग के बाद 100 करोड़ रुपए नेट क्लब में जगह बनाई है।

सलमान बोले- 'बाप पे मत जाना', अंडों को लेकर झगड़ा न करने की सलाह भी दी

मनोज तिवारी की बेटी रीति की बिग बॉस में एंट्री

■ रीति तिवारी की बात करें तो वह सिंगर, सॉन्ग-राइटर, कंपोजर और प्रोड्यूसर हैं। उन्होंने कवर सॉन्ग्स के साथ ओरिजिनल म्यूजिक पर भी काम किया है।

■ मनोज तिवारी और डॉली बिंद्रा की लड़ाई को लेकर बने मीम्स आज भी सोशल मीडिया पर बनते हैं।

तमसा संकेत, एजेंसी

■ मनोज तिवारी और डॉली बिंद्रा की लड़ाई को लेकर बने मीम्स आज भी सोशल मीडिया पर बनते हैं।

सलमान खान के रियलिटी शो 'बिग बॉस 20' का प्रीमियर आज रात होगा। इससे पहले शो का एक प्रोमो सामने आया। जिसमें भोजपुरी एक्टर और बीजेपी नेता मनोज तिवारी नजर आए। हालांकि, इस बार वह कंटेस्टेंट बनकर नहीं, बल्कि अपनी बेटी रीति तिवारी को शो में छोड़ने पहुंचे।

निरहुआ भी बिग बॉस 20 के प्रोमो में नजर आए

वहीं शो का एक और प्रोमो सामने आया, जिसमें भोजपुरी एक्टर और सिंगर दिनेश लाल यादव उर्फ निरहुआ नजर आए। निरहुआ रिक्शे पर सवार होकर शो के सेट पर पहुंचे। बैकग्राउंड में उनका फेमस गाना 'निरहुआ रिक्शावाला' बजता सुनाई दिया। सलमान ने उनका स्वागत करते हुए कहा, स्वागत है, आवा आवा निरहुआ। प्रोमो में सलमान निरहुआ से मजाक करते हुए कहते हैं, आपने सिर्फ दो फेर लिए हैं, इस वजह से लगता है कि आप साथ ले के जाओगे यहां से।

"मनोज तिवारी के इस सीजन को याद करने की सबसे बड़ी वजह उनका डॉली बिंद्रा के साथ हुआ विवाद है। दरअसल, मनोज और डॉली के बीच अंडों को लेकर विवाद हुआ था। मनोज नाश्ते में ऑमलेट बनाना चाहते थे, जबकि डॉली चाहती थीं।

बिपाशा बसु ने प्रेग्नेंसी के बाद ट्रोलिंग झेली

पैपराजी ने खींचीं अजीब तस्वीरें, बोलीं- 40 की उम्र में 20 जैसे फिगर की उम्मीद गलत

मुंबई। एक्ट्रेस बिपाशा बसु ने हाल ही में बताया कि उनकी बेटी के जन्म के बाद वजन और शरीर को लेकर उन्हें ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा था। बिपाशा ने 'एल इंडिया' से बातचीत में कहा कि महिलाओं से उम्मीद की जाती है कि वे बच्चे को जन्म देने के बाद भी 20 साल की उम्र जैसा शरीर बना लें। बिपाशा ने कहा, "आज भी महिलाओं के शरीर को लेकर होने वाली बातें काफी अजीब हैं। ऐसा लगता है कि बच्चे को जन्म देने के बाद 40 की उम्र में भी आपको 20 साल की उम्र जैसी बॉडी में वापस आ जाना चाहिए।" उन्होंने कहा, "20 साल की महिला से जो उम्मीद की जाती है, वही 40 साल की महिला से भी की जाती है। अगर आप जल्दी अपनी पुरानी शेप में नहीं लौटतीं, तो आपको ट्रोल किया जाएगा। लोग बहुत बेरहमी से पेश आएंगे।" बिपाशा ने बेटी देवी के जन्म के बाद खुद इसका सामना किया। उन्होंने कहा, "मुझे बहुत ज्यादा ट्रोलिंग झेलनी पड़ी। कुछ पैपराजी ने मेरी बेहद अजीब तस्वीरें खींचीं। वे यह नहीं देखते कि एक महिला कितनी मेहनत कर रही है। बच्चे के साथ उसे कितना कुछ संभालना पड़ता है। उसकी जिंदगी, लाइफस्टाइल और निजी परेशानियां भी होती हैं, लेकिन किसी को इसकी परवाह नहीं होती। हर कोई बस यही चाहता है कि महिला जल्दी अपनी पुरानी बॉडी शेप में लौट आए।" बिपाशा ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर कर बेटी के जन्म की जानकारी दी थी। इसी पोस्ट में उन्होंने बेटी का नाम भी बताया था। पोस्ट में लिखा था, "12.11.2022. देवी बसु सिंह ग्रोवर। हमारे प्यार और मां के आशीर्वाद का साकार रूप अब हमारे साथ है और वह दिव्य है।" और मुझे अपनी जिंदगी पर गर्व है, लेकिन मैं नहीं चाहती कि इतनी कम उम्र में मेरी बेटी को किसी तरह के जजमेंट का सामना करना पड़े। मुझे लगता है कि यह हर किसी की अपनी पसंद है। आप जितना प्राइवेट रहना चाहें, रह सकते हैं।

बिपाशा बोलीं- ट्रोलिंग उन्हें तोड़ नहीं सकती

बिपाशा ने कहा, "मैं बेहद आत्मविश्वासी इंसान हूं, इसलिए किसी भी तरह की ट्रोलिंग मुझे तोड़ नहीं सकती। मुझे पता है कि मेरा सफर क्या है, मुझे पता है कि मुझे कौन-सी मेहनत करनी है और कब करनी है। मैं उसी के हिसाब से आगे बढ़ूंगी।" बिपाशा ने यह भी कहा कि मैंने सभी से खुद से प्यार करो की बात कहना शुरू किया, क्योंकि मुझे एहसास हुआ कि बात सिर्फ अच्छा दिखने की नहीं है। यह उससे कहीं ज्यादा अंदर की चीज है। आपको हेल्दी रहना जरूरी है।

शादी के 6 साल बाद बेटी का जन्म हुआ था

बिपाशा बसु और करण सिंह ग्रोवर ने शादी के 6 साल बाद बेटी का स्वागत किया था। उनकी बेटी देवी का जन्म 12 नवंबर 2022 को हुआ था। बिपाशा कुछ समय से बड़े पर्दे से दूर हैं। प्रेग्नेंसी के बाद उनके वजन बढ़ने को लेकर भी काफी चर्चा हुई है। इसी बीच उन्होंने बच्चे के जन्म के बाद हुई ट्रोलिंग का अनुभव साझा किया।

शाहरुख खान ने अंडरवर्ल्ड को दिया था जवाब

बोले थे- 'पठान हूं, गोली मारनी है तो मार दो', फिल्म नहीं करूंगा

मुंबई। फिल्ममेकर संजय गुप्ता ने हाल ही में बताया कि 1990 के दशक में मुंबई अंडरवर्ल्ड से बॉलीवुड को धमकियां मिलती थीं। उन्होंने बताया कि धमकी मिलने के बावजूद शाहरुख खान ने अंडरवर्ल्ड के सामने झुकने से इनकार किया और कहा था- "पठान हूं, गोली मारनी है तो मार दो।" यह बात फिल्ममेकर ने राइटर हुसैन जैदी के यूट्यूब चैनल पर बताई। संजय गुप्ता ने बताया कि 1990 के दशक में मुंबई में अंडरवर्ल्ड से फिल्म इंडस्ट्री भी अछूती नहीं थी। कई प्रोड्यूसर, डायरेक्टर, एक्टर और एक्ट्रेस लगातार डर के माहौल में काम कर रहे थे। अंडरवर्ल्ड से जुड़े लोग कभी फोन करते थे तो कभी सीधे शूटिंग सेट पर पहुंच जाते थे। संजय गुप्ता ने बताया कि उस समय कई बार ऐसे लोग फिल्म के सेट पर आकर बैठ जाते थे। उन्हें इस बात की कोई चिंता नहीं होती थी कि वहां कौन शूटिंग कर रहा है। वे आराम से सेट पर मौजूद रहते और अपनी बात मनवाने की कोशिश करते थे। उन्होंने बताया कि अंडरवर्ल्ड की तरफ से फिल्म बनाने और कलाकारों को कास्ट करने तक में दखल दिया जाता था। एक बार उनके पास एक प्रोड्यूसर आया और उसने कई बड़े कलाकारों के साइन किए हुए लेटर दिखाए। संजय के मुताबिक, ये साइनिंग लेटर थे, जिनमें लिखा था कि संबंधित कलाकार उस प्रोड्यूसर की फिल्म में काम करेंगे। प्रोड्यूसर ने उनसे कहा था कि उसके पास लगभग सभी बड़े कलाकारों के साइन हैं और अब जिस अभिनेता के साथ संजय को काम करना हो, उसका नाम बता दें। इसके पीछे अंडरवर्ल्ड का दबाव बताया गया।

दुनिया के नए नक्शे पर भारत की आपत्ति

कहा- जम्मू-कश्मीर, लद्दाख हमारे नक्शे के मुताबिक दिखें, यूएन में इक्वल अर्थ प्रोजेक्शन का सपोर्ट किया था

प्रस्ताव

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत ने दुनिया के नए नक्शे को लेकर आपत्ति जताई है। विदेश मंत्रालय ने रविवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख समेत भारत का पूरा इलाका भारत के आधिकारिक नक्शे के हिसाब से ही दिखना चाहिए। भारत के इलाके को गलत या भ्रामक तरीके से दिखाना उसे मंजूर नहीं है। विदेश मंत्रालय ने बताया कि भारत ने संयुक्त राष्ट्र (UN) के उस प्रस्ताव के पक्ष में वोट किया है, जिसमें दुनिया के नक्शे पर देशों और महाद्वीपों का आकार उनके असली क्षेत्रफल के करीब दिखाने की बात कही गई है। हालांकि, भारत ने साफ किया कि इसका मतलब किसी एक खास नक्शे को मंजूरी देना नहीं है। दरअसल, संयुक्त राष्ट्र महासभा ने शुक्रवार को दुनिया के नक्शे को नए तरीके से दिखाने का प्रस्ताव पास किया। इस बदलाव से किसी देश या महाद्वीप का असली क्षेत्रफल नहीं बदलेगा। सिर्फ नक्शे पर उनका आकार पहले से कुछ छोटा या बड़ा नजर आएगा।

अभी दुनिया में मर्केटर मैप काफी इस्तेमाल होता है। इसमें नक्शे पर ध्रुवों के पास के इलाके अपने असली आकार से बड़े दिखाई देते हैं। नए तरीके को इक्वल एरिया प्रोजेक्शन कहा गया है। इसमें अफ्रीका पहले से बड़ा, जबकि यूरोप और उत्तरी अमेरिका छोटे नजर आएंगे। एशिया के कुछ हिस्से भी पहले की तुलना में छोटे दिखाई दे सकते हैं। एकर्ट IV और इक्वल अर्थ प्रोजेक्शन दोनों ऐसे नक्शे हैं, जिनमें देशों और महाद्वीपों का वास्तविक क्षेत्रफल सही अनुपात में दिखता है। मर्केटर नक्शे को पूरी तरह खत्म करने की भी बात नहीं कही गई है। समुद्री और हवाई नेविगेशन में इसका इस्तेमाल जारी रह सकता है, क्योंकि इसमें दिशाओं को सही रखने की खासियत है।

अफ्रीका और ग्रीनलैंड की तुलना

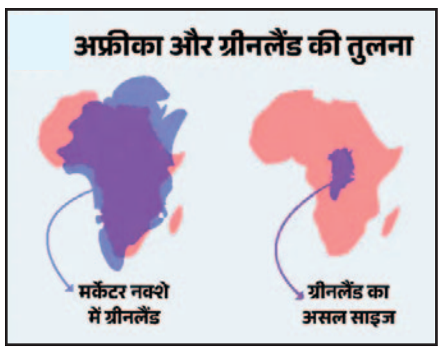

प्रस्ताव में लैटिन अमेरिका और दक्षिण एशिया का भी जिक्र है। इसमें कहा गया है कि नक्शे में इन क्षेत्रों का छोटा नजर आना उनकी विकास जरूरतों, बुनियादी ढांचे और आर्थिक क्षमता को भी कम करके आंकने की धारणा बना सकता है। अफ्रीकी देश टोगो के विदेश मंत्री रॉबर्ट दुसे ने कहा कि नक्शे सिर्फ भूगोल समझने का साधन नहीं हैं, बल्कि वे शिक्षा और लोगों की सोच को भी प्रभावित करते हैं। यह प्रस्ताव टोगो ने पेश किया था और इसे अफ्रीकी संघ का समर्थन मिला।

फिर 2018 में इक्वल अर्थ प्रोजेक्शन की जरूरत क्यों पड़ी?

एकर्ट IV में क्षेत्रफल तो सही दिखाया गया है, लेकिन कई जगह देशों और महाद्वीपों के आकार में ज्यादा विकृति नजर आती है।

इसी समस्या को कम करने के लिए, इक्वल अर्थ बनाया गया, इक्वल अर्थ बनाने का मकसद सिर्फ देशों और महाद्वीपों का सही क्षेत्रफल दिखाना नहीं था, बल्कि पूरी दुनिया को ऐसे रूप में दिखाना था, जो देखने में भी ज्यादा संतुलित लगे।

फ्रांस भी मर्केटर मैप छोड़ने की तैयारी में

UN में मतदान से पहले फ्रांस ने भी इस प्रस्ताव का समर्थन किया। फ्रांस के विदेश मंत्री ज्यां-नोएल बारो ने कहा कि उनका देश मर्केटर मैप की जगह ऐसे नक्शों का इस्तेमाल करेगा, जिनमें देशों का वास्तविक क्षेत्रफल ज्यादा सही तरीके से दिखाई दे। फ्रांस अब एकर्ट IV प्रोजेक्शन का इस्तेमाल करेगा।

एकर्ट IV नक्शा 1906 में जर्मन कार्टोग्राफर मैक्स एकर्ट-ग्राइफेंडॉर्फ ने बनाया था।

उन्होंने दुनिया के नक्शे के छह अलग-अलग डिजाइन तैयार किए थे।

इनमें चौथा नक्शा यानी एकर्ट IV क्षेत्रफल के लिहाज से सबसे सटीक माना गया।

भारत की आपत्ति क्यों है

भारत को UN के इस नए नक्शे के तरीके से आपत्ति नहीं है। भारत ने बराबर क्षेत्रफल दिखाने वाले नक्शे के प्रस्ताव के पक्ष में वोट किया है। उसकी आपत्ति नक्शे में भारत के क्षेत्र को गलत तरीके से दिखाए जाने की संभावना को लेकर है। विदेश मंत्रालय ने साफ कहा है कि यह प्रस्ताव किसी खास नक्शे, नक्शा बनाने के तरीके या देशों की सीमाओं को मंजूरी नहीं देता। इसलिए भारत ने अपनी स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख समेत भारत का पूरा संप्रभु क्षेत्र भारत के आधिकारिक नक्शे के मुताबिक ही दिखाया जाना चाहिए। भारत के क्षेत्र का कोई भी गलत या भ्रामक चित्रण स्वीकार नहीं किया जाएगा।

भारत के लिए इसका मतलब

- क्षेत्रफल: बिल्कुल वही रहेगा।
- सीमाएं: नहीं बदलेंगी।
- भारत की आकृति: थोड़ी बदली हुई/कम खिंची हुई दिखाई दे सकती है।
- दूसरे देशों की तुलना में आकार: भारत कुछ बड़ा दिखाई दे सकता है, खासकर जब उसकी तुलना यूरोप, रूस, कनाडा जैसे ज्यादा उत्तरी देशों से की जाए।
- अफ्रीका पर असर: सबसे ज्यादा नजर आएगा, क्योंकि उसका वास्तविक आकार पुराने मर्केटर नक्शे की तुलना में बहुत बड़ा दिखाई देगा।

भारत: क्षेत्रफल वही, आकार बड़ा दिख सकता है

भारत की वास्तविक जमीन, अंतरराष्ट्रीय सीमाओं या क्षेत्रफल में कोई बदलाव नहीं होगा। यह बदलाव देशों की सीमाएं बदलने वाला नहीं, बल्कि नक्शे पर पृथ्वी को दिखाने का तरीका बदलने वाला है। भारत का नक्शा देखने में भी थोड़ा अलग दिख सकता है, लेकिन भारत के मामले में बदलाव बहुत बड़ा नहीं होगा।

अफ्रीकी देश नक्शा बदलने की मांग क्यों कर रहे थे?

अफ्रीकी देशों का कहना है कि बात सिर्फ नक्शे पर किसी देश या महाद्वीप के छोटा-बड़ा दिखने की नहीं है। दुनिया का नक्शा यह भी तय करता है कि हम अलग-अलग हिस्सों को किस नजर से देखते हैं। UN के सामने रखे गए प्रस्ताव में कहा गया था कि मर्केटर नक्शे में अफ्रीका का वास्तविक आकार काफी छोटा नजर आता है। इससे लोगों के मन में अफ्रीका के आकार और वैश्विक महत्व को लेकर गलत धारणा बन सकती है।

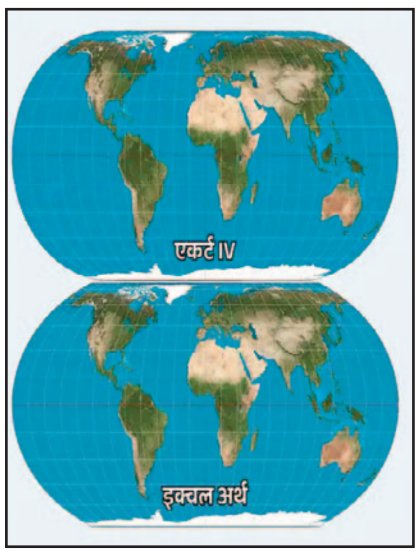

मौजूदा नक्शे में आखिर दिक्कत क्या थी?

दुनिया में सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाले नक्शों में से एक मर्केटर नक्शा है। इसे यूरोपियन मैप मेकर जेरार्डस मर्केटर ने 1569 में बनाया था। इसका मकसद समुद्र में जहाजों के रास्ते और दिशा को समझना आसान बनाना था। लेकिन पूरी गोल धरती को सपाट नक्शे पर दिखाने की वजह से इसमें देशों और महाद्वीपों का आकार असल से अलग नजर आने लगता है। जैसे-जैसे कोई इलाका भूमध्य रेखा से दूर जाता है, वह नक्शे पर जरूरत से ज्यादा बड़ा दिखाई देने लगता है। यही वजह है कि उत्तरी और दक्षिणी हिस्सों के कई इलाके असल से काफी बड़े नजर आते हैं।

क्या यूएन का फैसला सभी पर लागू होगा?

संयुक्त राष्ट्र महासभा का यह प्रस्ताव कानूनी रूप से बाध्य नहीं है। यानी यह देशों, स्कूलों, किताबों के प्रकाशकों या टेक कंपनियों को मर्केटर नक्शा हटाने के लिए मजबूर नहीं करता। लेकिन इससे नक्शे बनाने और पढ़ाने में ऐसे तरीकों को बढ़ावा मिल सकता है, जिनमें देशों और महाद्वीपों का वास्तविक क्षेत्रफल ज्यादा सही दिखाई दे। मर्केटर नक्शे को पूरी तरह खत्म करने की भी बात नहीं कही गई है। समुद्री और हवाई नेविगेशन में इसका इस्तेमाल जारी रह सकता है, क्योंकि इसमें दिशाओं को सही रखने की खासियत है।

अगले हफ्ते शेयर बाजार में आएंगे 11 कंपनियों के आईपीओ

₹7,055 करोड़ जुटाने की तैयारी, देखें पूरी लिस्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

7 सितंबर से 15 सितंबर के बीच 11 मेन-बोर्ड कंपनियां अपने आईपीओ लेकर आ रही हैं। इन इश्यू के जरिए बाजार से कुल 7,055 करोड़ रुपए जुटाने की तैयारी है। इनमें फर्नीचर रिटेल स्टार्टअप रेंटोमोजो, करमतारा इंजीनियरिंग और कनोहर इलेक्ट्रिकल्स जैसे नाम शामिल हैं। फ्रेश इश्यू: कुल रकम का 39% हिस्सा यानी 2,722 करोड़ नया इश्यू है। यह पैसा कंपनियों के खाते में जाएगा, जिसका इस्तेमाल कर्ज चुकाने, बिजनेस बढ़ाने में होगा। OFS: कुल रकम का 61% हिस्सा यानी 4,333 करोड़ मौजूदा प्रमोटर्स और पुराने निवेशकों की हिस्सेदारी बिक्री का है। यह पैसा शेयर बेचने वाले शेयरहोल्डर्स के पास जाएगा। यह इश्यू 7 सितंबर को खुलेगा और 9 सितंबर को बंद होगा। कंपनी 351 करोड़ जुटाएगी। 118 से 124 प्रति शेयर प्राइस बैंड तय। इसमें 315.6 करोड़ का फ्रेश इश्यू और 35.43 करोड़ का ओएफएस शामिल है। इन 11 इश्यू के साथ साल में अब तक आईपीओ लाने वाली मेन-बोर्ड कंपनियों की संख्या 75 तक पहुंच जाएगी। 1 सितंबर को 'रेज ऑफ बिलीफ' और 'दीपा ज्वेलर्स' के आईपीओ पहले ही आ चुके हैं। अगस्त में 23 कंपनियां अपने आईपीओ लेकर आई थीं। कंपनी नए शेयर जारी करके पूंजी जुटाती है। यह पैसा सीधे कंपनी के बैंक खाते में जाता है, जिससे कर्ज चुकाया जाता है या नया प्लांट/ऑफिस खोला जाता है।

देश का सबसे बड़ा एआई डेटा सेंटर हैदराबाद में बनेगा

टीसीएस की हाइपरवॉल्ट ₹70,000 करोड़ का निवेश करेगी

नई दिल्ली, एजेंसी

हैदराबाद में देश का सबसे बड़ा AI डेटा सेंटर कैंपस बनने जा रहा है। यह कैंपस टाटा ग्रुप की टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज की सब्सिडियरी कंपनी हाइपरवॉल्ट AI डेटा सेंटर लिमिटेड बनाएगी। सेंटर की क्षमता 1 गीगावॉट होगी, जो बड़ी AI तकनीकों को चलाने और संभालने का काम करेगी। कंपनी और उसके पार्टनर्स इस पूरी इंफ्रास्ट्रक्चर पर करीब 70,000 करोड़ का निवेश करेंगे। TCS ने शनिवार को स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में बताया कि इस मेगा प्रोजेक्ट के लिए हैदराबाद में 264 एकड़ जमीन तय कर ली गई है। यह प्रोजेक्ट अलग-अलग फेज में तैयार किया जाएगा। कंपनी के मुताबिक, यह बनने के बाद भारत का सबसे बड़ा और आधुनिक AI सेंटर होगा। इसे दुनिया की बड़ी टेक कंपनियों और AI स्टार्ट-अप्स की जरूरतों को ध्यान में रखकर बनाया जा रहा है। यहां हैवी AI मॉडल बनाने (ट्रेनिंग), उन्हें चलाने और हाई-स्पीड प्रोसेसिंग के लिए सुपर-फास्ट ग्राफिक्स कार्ड्स का इस्तेमाल होगा। यह AI सेंटर पूरी तरह से इको-फ्रेंडली होगा। इसमें सौर-पवन जैसी ग्रीन एनर्जी का इस्तेमाल होगा और पानी की बर्बादी भी नहीं होगी। इस प्रोजेक्ट से स्थानीय लोगों को हजारों नौकरियां मिलेंगी और बिजली, नेटवर्किंग, कंस्ट्रक्शन और इंजीनियरिंग जैसे क्षेत्रों के बिजनेस को बड़ा फायदा होगा।

फास्ट न्यूज

मजबूत क्रेडिट स्कोर के लिए अपनाएं 5 आदतें

मुंबई। कोई भी कर्ज लेने से पहले बैंक आपका क्रेडिट स्कोर जांचते हैं। अगर ये कमजोर हो तो लोन आसानी से नहीं मिलता। EMI या बिल चुकाना, क्रेडिट कार्ड लिमिट का इस्तेमाल और बार-बार नए लोन के लिए अप्लाई करना जैसे फैक्टर्स क्रेडिट स्कोर पर असर डालते हैं। क्रेडिट स्कोर सुधारने के लिए सबसे जरूरी आदत हर महीने की EMI और क्रेडिट कार्ड का बिल समय पर चुकाना है।

रूस अगले 3 दिन यूक्रेन पर हमला नहीं करेगा

मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन की राजधानी कीव पर 72 घंटे तक हमले रोकने का आदेश दिया है। क्रेमलिन ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। पुतिन का यह आदेश ऐसे वक्त आया है, जब अमेरिका के दूत स्टीव विटकॉफ और ट्रम्प के दामाद जेरेड कुशनर रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म कराने के लिए मॉस्को पहुंचे हैं। दोनों रुकी हुई शांति वार्ता को फिर शुरू करने की कोशिश करेंगे। यूक्रेन पहले ही दोनों के दौरे की जानकारी दे चुका है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने शुक्रवार को कहा था।

कर्ज के जाल में फंसने के 5 बड़े संकेत

नई दिल्ली। उधार लिया पैसा अगर सही तरीके से मैनेज हो, तो यह इमरजेंसी में काम आता है और एसेट बनाने में मदद करता है। लेकिन अनियंत्रित उधारी कर्ज के जाल में धकेल देती है। समय रहते इसके संकेतों को पहचानना जरूरी है, यह तब समस्या बनता है जब इसका प्रबंधन सही से न हो। समय पर इन संकेतों को पहचानकर, अनुशासित बजट बनाकर और जरूरत पड़ने पर वित्तीय सलाहकार की मदद लेकर वित्तीय स्थिति को सुधारा जा सकता है।

आईसीआईसीआई बैंक में 9.99% हिस्सेदारी खरीदेगी एलआईसी

आरबीआई से मंजूरी मिली, कंपनी को 1 साल में प्रोसेस पूरी करनी होगी

मुंबई, एजेंसी

देश की सबसे बड़ी सरकारी बीमा कंपनी लाइफ इंश्योरेंस कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया अब ICICI बैंक में 9.99% हिस्सेदारी खरीदेगी। इसके लिए LIC को रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया से मंजूरी मिल गई है। ICICI बैंक ने शेयर मार्केट फाइलिंग में इस बात की जानकारी दी है। बैंक के मुताबिक, RBI की ओर से जारी मंजूरी पत्र 4 सितंबर 2026 को रात 9:09 बजे प्राप्त हुआ। यह अनुमति मिलने के बाद अब LIC अगले एक साल के भीतर बैंक में अपनी हिस्सेदारी बढ़ा सकेगी। फाइलिंग में बताया गया है कि यह मंजूरी एक सीमित समय सीमा के साथ दी गई है। यदि LIC मंजूरी पत्र जारी होने की तारीख (4 सितंबर 2026) से एक साल के भीतर इस हिस्सेदारी का अधिग्रहण पूरा नहीं कर पाती है, तो यह अनुमति रद्द हो जाएगी। यह खरीद सरकारी नियमों और कानूनी शर्तों को पूरा करने पर ही तय होगी। ICICI बैंक से पहले LIC को देश के सबसे बड़े प्राइवेट बैंक HDFC बैंक में भी अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने की मंजूरी मिल चुकी है। 19 अगस्त को HDFC बैंक की फाइलिंग के अनुसार, RBI ने LIC को बैंक की पेड-अप शेयर कैपिटल या वोटिंग राइट्स का 9.99% तक अधिग्रहण करने की अनुमति दी थी। फाइलिंग के आंकड़ों के अनुसार, LIC के पास पहले से ही HDFC बैंक की कुल शेयर पूंजी का 4.11% हिस्सा मौजूद था। शुक्रवार को LIC का शेयर 1.55 रुपए यानी 0.37% फिसलकर 415.35 पर बंद हुआ। वहीं ICICI बैंक का शेयर 1,423.20 के स्तर पर बंद हुआ था। फाइलिंग में बताया गया है कि यह मंजूरी एक सीमित समय सीमा के साथ दी गई है। यदि LIC मंजूरी पत्र जारी होने की तारीख (4 सितंबर 2026) से एक साल के भीतर इस हिस्सेदारी का अधिग्रहण पूरा नहीं कर पाती है, तो यह अनुमति रद्द हो जाएगी। यह खरीद सरकारी नियमों और कानूनी शर्तों को पूरा करने पर ही तय होगी।

ओमान की खाड़ी में डूबा जहाज, तीन टैंकरों को निशाना बनाया था

अमेरिका ने ईरानी टैंकर पर हमले का वीडियो जारी किया

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका ने ईरानी तेल टैंकर M/T काइलो पर किए गए हमले का वीडियो जारी किया है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (CENTCOM) की तरफ से जारी इस वीडियो में काइलो में तेज आग लगी दिखाई दे रही है। टैंकर एक तरफ झुकता है और कुछ देर बाद ओमान की खाड़ी में में डूब जाता है। CENTCOM के मुताबिक, टैंकर के चालक दल ने हमला होने के बाद जहाज छोड़ दिया था। यह जहाज कोमोरोस के झंडे के तहत चल रहा था। हमले में अमेरिकी सेना ने कुल तीन ईरानी तेल टैंकरों को निशाना बनाया था। इनमें काइलो डूब गया, जबकि दो अन्य टैंकरों को काम करने लायक नहीं छोड़ा गया। इधर ईरान ने रविवार को दावा किया है कि, उसने होर्मुज स्ट्रेट में अमेरिकी मानवरहित पोत को निशाना बनाया। हालांकि अमेरिका ने अभी इस हमले की पुष्टि नहीं की है। इससे पहले ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) ने दावा किया है कि उसने अमेरिकी एयरक्राफ्ट कैरियर और एक युद्धपोत पर कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। IRGC ने बताया कि दोनों अमेरिकी जहाज ईरानी जहाजों को परेशान कर रहे थे और ईरान की समुद्री नाकाबंदी में शामिल थे। हमले में दोनों जहाजों को नुकसान पहुंचा। इसके बाद वे इलाका छोड़कर चले गए। हालांकि, ईरान ने यह नहीं बताया कि उसने किस एयरक्राफ्ट कैरियर पर हमला किया। अमेरिका ने पिछले महीने पश्चिम एशिया में USS जॉर्ज वॉशिंगटन को तैनात किया था। उसने USS अब्राहम लिंकन की जगह ली है।

अमेरिका बोला- ईरानी मिसाइल हमलों से बच निकले जहाज

अमेरिकी सेंट्रल कमांड (CENTCOM) ने इससे पहले कहा था कि 5 सितंबर को एक अमेरिकी एयरक्राफ्ट कैरियर और गाइडेड-मिसाइल डेस्ट्रॉयर पर ईरान ने कई हमले किए। CENTCOM के मुताबिक, दोनों अमेरिकी युद्धपोतों ने ईरान के 'बिना उकसावे के हमलों' को सफलतापूर्वक टाल दिया। हमले में किसी अमेरिकी सैनिक को चोट नहीं आई। अमेरिका ने ईरानी मिसाइलों से जहाजों को नुकसान पहुंचने या उनके इलाके से भागने की बात नहीं कही है।

ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव में हॉर्मुज स्ट्रेट सबसे अहम इलाकों में से एक है। यहां से दुनिया के बड़े हिस्से का तेल समुद्र के रास्ते दूसरे देशों तक पहुंचता है। प्रॉफिट बुकिंग: भारत के शेयर बाजार के प्रीमियम वैल्यूएशन, विशेष रूप से ग्रोथ सेक्टर्स और मिड।

10 लाख भारतवंशी वोटरों के नाम कटने का खतरा

ट्रम्प ने एसआईआर जैसी वोटर लिस्ट जांच शुरू की

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भारत के SIR (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) की तर्ज पर वोटर लिस्ट की जांच शुरू कर दी है। इसके लिए करीब 125 करोड़ रुपए का फंड जारी किया गया है। इस प्रक्रिया में वोटर लिस्ट की जांच कर नेशनल वोटर डेटाबेस तैयार किया जाएगा। इससे अमेरिका में मौजूद करीब 26 लाख भारतवंशी वोटरों में से लगभग 10 लाख के नाम कटने का खतरा बताया जा रहा है। सरकार का लक्ष्य नवंबर में होने वाले मिडटर्म चुनाव से पहले यह प्रक्रिया पूरी करना है। ट्रम्प प्रशासन ने अपनी इमिग्रेशन एजेंसी ICE (इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एनफोर्समेंट) को वोटर डेटाबेस की निगरानी की जिम्मेदारी दी है। सभी 50 राज्यों में वोटर लिस्ट की जांच और डेटाबेस अपडेट करने के लिए कंपनियों को काम सौंपा गया है। वोटरों की जानकारी को अलग-अलग सरकारी रिकॉर्ड से मिलाया जाएगा। अमेरिका में भारत की तरह घर-घर जाकर वोटरों का सर्वे नहीं किया जा रहा है। वोटर लिस्ट को कंप्यूटर के जरिए इमिग्रेशन रिकॉर्ड समेत दूसरे रिकॉर्ड से मिलाया जाएगा। रिकॉर्ड में नाम या जानकारी का मिलान नहीं होने पर संबंधित वोटर की जानकारी की दोबारा जांच हो सकती है और नाम हटाए जाने का खतरा रहेगा।

एफपीआई ने भारतीय बाजार से फिर पैसे निकाले

सितंबर के पहले हफ्ते में ₹7,443 करोड़ के शेयर बेचे, वजह- क्रूड की कीमतें बढ़ना

मुंबई, एजेंसी

सितंबर के पहले हफ्ते में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों यानी FPIs ने भारतीय शेयर बाजार में बिकवाली का रुख अपनाया है। विदेशी निवेशकों ने इस दौरान भारतीय इक्विटी बाजार से 7,443 करोड़ निकाल लिए हैं। क्रूड ऑयल की कीमतों में तेजी, अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में बढ़ोतरी और मजबूत होते डॉलर की वजह से विदेशी निवेशकों का जोखिम लेने का रुझान कम हुआ है। इससे पहले लगातार दो महीनों-जुलाई में 20,200 करोड़ और अगस्त में 29,600 करोड़ तक FPIs ने भारतीय बाजारों में भारी खरीदारी की थी। जुलाई और अगस्त की लिवाली से पहले, मार्च से जून तक लगातार चार महीनों तक विदेशी निवेशक नेट सेलर बने रहे थे। नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड यानी NSDL के डेटा के अनुसार, सितंबर में हुई इस ताजा बिकवाली के बाद साल 2026 में अब तक भारतीय शेयरों से FPIs की कुल निकासी बढ़कर 2.32 लाख करोड़ पर पहुंच गई है।

यह आंकड़ा साल 2025 में हुई कुल 1.66 लाख करोड़ की निकासी से भी काफी ज्यादा है। NSDL के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी निवेशकों ने 4 सितंबर तक भारतीय शेयरों से 7,443 करोड़ निकाले हैं। इस बिकवाली के पीछे के मुख्य कारणों को एक्सपर्ट्स ने इस तरह समझाया क्रूड ऑयल और महंगाई की चिंता: यस सिक्योरिटीज के चीफ इनवेस्टमेंट ऑफिसर राजकुमार राठी के अनुसार, हाल ही में कच्चे तेल की कीमतों में आई तेजी से भारत के महंगाई दर और करंट अकाउंट आउटलुक को लेकर चिंताएं बढ़ी हैं।

US बॉन्ड यील्ड और डॉलर इंडेक्स: अमेरिका में बॉन्ड यील्ड और डॉलर इंडेक्स के मजबूत होने से उभरते बाजारों के लिए विदेशी निवेशकों की जोखिम लेने की क्षमता घटी है।

आईपीओ में विदेशी पूंजी का भरोसा बरकरार

सेकंडरी मार्केट में बिकवाली के बावजूद प्राइमरी बाजार के प्रति विदेशी निवेशकों का रुझान मजबूत है। राजकुमार राठी ने कहा कि शुरुआती सितंबर में जैसा देखा गया, अपकमिंग IPO की पाइपलाइन विदेशी पूंजी के लिए एक मजबूत साधन बनी रहेगी। यदि कंपनियां अपने प्राइमरी ऑफरिंग्स की कीमतें आकर्षक रखती हैं, तो सेकंडरी मार्केट में बिकवाली के बावजूद प्राइमरी मार्केट में FPI इनफ्लो बना रहेगा। ज्यादा वैल्यूएशन की वजह से विदेशी फंड्स ने अपना मुनाफा बुक किया और पोर्टफोलियो रीबैलेंस किया है।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड- 224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं है।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96